खण्ड-07 सत्र-04 अंक-42

मंगलवार 28 मार्च, 2023 07 चैत्र, 1945 (शक)

# दिल्ली विधान सभा

## की

## कार्यवाही

सत्यमेव जयते

## सातवीं विधान सभा

## चौथा सत्र

**अधिकृत विवरण**

(खण्ड-07 सत्र-04 में अंक 36 से अंक 43 तक सम्मिलित हैं)

**दिल्ली विधान सभा सचिवालय**

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

## सम्पादक वर्ग

## EDITORIAL BOARD

**राज कुमार**

सचिव

**RAJ KUMAR**

Secretary

**महेन्द्र गुप्ता**

उप-सचिव (सम्पादन)

**MAHENDRA GUPTA**

Deputy Secretary (Editing)

# विषय सूची

**सत्र-4** **मंगलवार, 28 मार्च, 2023/07 चैत्र, 1945 (शक)** **अंक-42**


| क्र.सं. | विषय | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| 1. | सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची | 1-2 |
| 2. | विशेष उल्लेख (नियम-280) | 3-37 |
| 3. | सदन में अव्यवस्था | 38-49 |
| 4. | अल्पकालिक चर्चा (नियम-55) | 50-157 |

# दिल्ली विधान सभा

# की

# कार्यवाही

| सत्र-4 | मंगलवार, 28 मार्च, 2023/07 चैत्र, 1945 (शक) | अंक-42 |
|---|---|---|

## दिल्ली विधान सभा

**सदन पूर्वाह्न 11.04 बजे समवेत हुआ।**

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1 श्री अजेश यादव
2 श्री अखिलेशपति त्रिपाठी
3 श्रीमती ए. धनवंती चंदीला ए.
4. श्री अमानतुल्ला खान
5. श्री अब्दुल रहमान
6. श्रीमती बंदना कुमारी
7. सुश्री भावना गौड़
8. श्री धर्मपाल लाकड़ा
9. श्री दुर्गेश कुमार
10. श्री गिरीश सोनी
11. श्री हाजी युनूस
12. श्री जय भगवान
13. श्री जरनैल सिंह
14. श्री करतार सिंह तंवर
15. श्री कुलदीप कुमार
16. श्री महेंद्र गोयल
17. श्री मुकेश अहलावत
18. श्री नरेश बाल्यान

19. श्री नरेश यादव
20. श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
21. श्री प्रवीण कुमार
22. श्री ऋतुराज गोविंद
23. श्री रघुविंदर शौकीन
24. श्री राजेंद्र पाल गौतम
25. श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
26. श्री शरद कुमार चौहान
27. श्री संजीव झा
28. श्री सोमदत्त
29. श्री शिवचरण गोयल
30. श्री सोमनाथ भारती
31. श्री सही राम
32. श्री एस के बग्गा
33. श्री विशेष रवि
34. श्री विनय मिश्रा
35. श्री वीरेंद्र सिंह कादियान
36. श्री अजय दत्त
37. श्री अभय वर्मा
38. श्री अनिल कुमार बाजपेयी
39. श्री अजय कुमार महावर
40. श्री बी एस जून
41. श्री जितेंद्र महाजन
42. श्री मदन लाल
43. श्री मोहन सिंह बिष्ट
44. श्री ओमप्रकाश शर्मा
45. श्री पवन शर्मा
46. श्री प्रलाद सिंह साहनी
47. श्री सुरेंद्र कुमार
48. श्री विजेंद्र गुप्ता

# दिल्ली विधान सभा

# की

# कार्यवाही

सत्र-4 मंगलवार, 28 मार्च, 2023/07 चैत्र, 1945 (शक) अंक-42

## दिल्ली विधान सभा

**सदन पूर्वाह्न 11.05 बजे समवेत हुआ ।**

**माननीय अध्यक्ष (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए ।**

**राष्ट्रगीत-वन्दे मातरम्**

## विशेष उल्लेख (नियम-280)

**माननीय अध्यक्षः** सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत, 280 श्री जितेन्द्र महाजन जी।

**श्री जितेन्द्र महाजनः** धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे 280 पर बोलने का मौका दिया। मैं सदन और आपका ध्यान रोहतास नगर विधानसभा और पूरी दिल्ली में सड़कों पर होने वाले ध्वनि प्रदूषण की ओर दिलाना चाहता हूं। छोटे-छोटे सड़कों के अंदर ट्रैक्टर जो हैं वो 24 घंटे चलते हैं और ध्वनि प्रदूषण करते हैं। इसी प्रकार जो हॉकर है वो भी गलियों के अंदर माइक का इस्तेमाल करते हैं। बार-बार प्रशासन के ध्यान दिलाने पर भी इसकी ओर कोई कार्रवाई

नहीं की गई है जिसके कारण से बुजुर्गों को, आजकल बोर्ड के पेपर चल रहे हैं तो विद्यार्थियों को भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इनका कोई टाइम टेबल नहीं है, किसी भी समय आकर ट्रैक्टर आ जाते हैं और ध्वनि प्रदूषण करते हैं और इसी प्रकार जो गलियों के अंदर जो हॉकर घूमते हैं उनको भी बिना किसी परमिशन के वो भी माइक का इस्तेमाल करते हैं जिससे लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मैं सदन के माध्यम से यह ध्यान दिलाना चाहता हूं कि दिल्ली प्रशासन को इसके उपर कार्यवाही करनी चाहिए। धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** धन्यवाद। राजेंद्र पाल गौतम जी।

**श्री राजेंद्र पाल गौतमः** बहुत-बहुत धन्यवाद, माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे एक बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया और ये वो मुद्दा है जिसको पिछली बार short duration discussion के लिए भी मैंने लगाया था वो listing भी हुआ था लेकिन किसी वजह से दूसरे मुद्दों की ओर चर्चा चली गई और उसपे बाद में चर्चा की बात हुई। आज मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान देश के अंदर एक तरफ ये तो कानून बन गया है कि contract labour abolition होना चाहिए लेकिन unfortunately आज भारत के अंदर 59 परसेंट लोग कॉन्ट्रैक्ट पर नौकरी कर रहे हैं, ठेके पर नौकरी कर रहे हैं, चाहे वो स्कूल हों, चाहे अस्पताल हों, चाहे ओल्डएेज होम हों, चाहे बच्चों के होम हों वहां पे जो

सिक्योरिटी गाड्र्स होते हैं, नर्सिंग अर्दली होते हैं, सफाई कर्मचारी होते हैं वो सब लोग कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहे हैं और सबसे ज्यादा दुख की बात ये है कि हमारी सरकार ने पूरे देश में सबसे ज्यादा मिनिमम वेज किया, किया तो ये सोच के था कि इससे फोर्थ क्लास में काम करने वाले लोगों को फायदा मिलेगा लेकिन वो फायदा मजदूरों को मिलने की बजाय ठेकेदारों ने उस फायदे को उनसे छीन लिया और अपनी तिजोरी भरना शुरू किया। सबसे ज्यादा दुखदायी बात तो ये है कि कई बार ऐम्पलोइज को ही नहीं पता कि उनका एकाउंट कहां, कौन से बैंक में खुला है। ये ठेकेदार उनका एकाउंटस स्वयं खुलवाते हैं। उनकी पासबुक अपने पास रखते हैं, उनके एटीएम कार्ड अपने पास रखते हैं और हर महीने दो किस्त में पैसा निकलता है। अगर सारे विभागों के इन कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले एनओज, सफाई कर्मचारी और सिक्योरिटी गाड्र्स का अगर एकाउंट चैक करेंगे तो आप पाएंगे दो किस्त में पैसा निकलता है। मंत्री रहते हुएएक केस मैंने खुद पकड़ा। हर महीने सारे ही ठेके के कर्मचारियों का दो किस्तों में पैसा निकलता है। एक किस्त निकलती है नौ हजार की और सेम डे एक किस्त निकलती है छह हजार की, तो ऐसा कैसे संभव है कि सारे के सारे ही कर्मचारी नौ-नौ हजार एक निकालते हैं और छह-छह हजार एक निकालते हैं। इसका मतलब मजदूर को नौ हजार रूपये मिल रहे हैं वो ठेकेदार खुद उसके एटीएम कार्ड से निकालता है उसको नौ हजार देता है और उस मजदूर के छह हजार रूपये वो ठेकेदार खा

जाता है। दिल्ली के अंदर जो इतने सारे मजदूर, इतने सारे सफाई कर्मचारी, एनओज या सिक्योरिटी गार्ड अलग-अलग विभागों में काम कर रहे हैं उनका बहुत जबर्दस्त शोषण हो रहा है। पूरे देश के अंदर यही स्थिति है, 59 परसेंट लोग ठेके पे काम कर रहे हैं। मुझे याद आता है जब हमारी सरकार बनी थी तो माननीय अरविंद केजरीवाल जी ने एक कमेटी बनाई थी ताकि कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले लोगों को रेगुलराइज किया जा सके लेकिन सर्विस डिपार्टमेंट दिल्ली की सरकार के पास ना होने का खामियाजा हमारे इन मजदूरों को, उन कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। मैं सदन के माध्यम से एक बात कहना चाहता हूं, छत्रसाल स्टेडियम के अंदर 15 अगस्त के मौके पर कुछ वर्ष पहले माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का भाषण था उस भाषण में से आधे से ज्यादा भाषण इस बात पे था कि हम दिल्ली में ठेकेदारी प्रथा खत्म करेंगे और हम सब चाहते हैं ठेकेदारी प्रथा खत्म हो। मैं चाहता हूं कि हमारी सरकार इसपे काम शुरू करे। निश्चित तौर पे इस पे एलजी के माध्यम से बाधा आएगी, अगर हमारे हाथ में होता तो हम कब का कर चुके होते लेकिन मैं सदन के माध्यम से सरकार से एक निवेदन करना चाहता हूं कि आप अपनी तरफ से पारित करके भेजें, इस सदन में पारित करके भेजिए और इसको बीजेपी के साथियों से भी पूछिए क्या वो ठेकेदारी प्रथा खत्म करके उनको रेगूरलाइज करने के लिए, साथ देने के लिए तैयार हैं कि नहीं हैं और इसमें फिर देखते हैं कि एलजी इसको रोकता है या

कौन रोकता है। लेकिन कम से कम हम अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाएं चूंकि इसके अंदर पूरी तरीके से शोषण मजदूर तबके का हो रहा है और ये हमें स्वीकार नहीं है। वैसे तो ये इतना गम्भीर मुद्दा है इसपर तो सदन के अंदर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं इस बात के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं और ये उम्मीद करता हूं कि इस मुद्दे के ऊपर निश्चित तौर पर ये सदन प्रस्ताव पारित करे और सरकार के पास भेजे और सरकार फिर एलजी के पास भेजे। कम से कम एलजी के पाले में तो डालो, कम से कम यहां के मजदूर, सफाई कर्मचारी या एनओज ये तो नहीं कहेंगे कि आप नहीं कर रहे। हम अपनी तरफ से, अपने हिस्से का काम कर देते हैं बाकी फिर एलजी को देखते हैं। बहुत–बहुत धन्यवाद, शुक्रिया, जयहिंद, जयभीम, जय भारत।

**माननीय अध्यक्षः** श्री मुकेश अहलावत जी।

**श्री मुकेश अहलावतः** अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे 280 में मेरी विधान सभा की बात रखने के लिए मौका दिया उसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, मेरी विधान सभा में सुलतानपुर माजरा में, मैंने कई बार टीपीडीएल से मीटिंग की लेकिन तीन साल हो गए वो कोईएक भी काम नहीं कर पा रहे और मैंने उनको कई ऐसी ट्रांसफार्मर थे जो बिल्कुल रोड पर है और उसका कोई लोजिक नहीं बनता कि रोड पर किसलिए रखे गए है और उनको

हटाने के लिए मैंने कई बार उनको बोला है। जैसेये सी-10 की मेरे कुम्हार बस्ती के पास एक ट्रांस्फार्मर है जो बीस फीट के आसपास उसने एरिया घेर रखा है। ऐसे ही मेरी एक जगदम्बा मार्केट के पास है, जो 10 फुट आगे रोड के आगे उन्होंने ट्रांस्फार्मर बना हुआ है। ऐसे ही मेरी शनि बाजार रोड पर है जहां पर उन्होंने 10 फुट आगे ट्रांस्फार्मर बने हुए हैं और बहुत सी ऐसी लाइनें हैं जिनकी मैंने उनको बोला है इनको अंडरग्राउंड किया जाए जिससे लोगों को दिक्कत ना आए, लेकिन अभी तक उसमें कोई कार्रवाई नहीं हुई है और कम से कम तीन साल हो गए, हर बार मीटिंग होती है, टीपीडीएल वालों से वो कभी बोलते हैं ईटीसी में मीटिंग रखेंगे, ईटीसी में मुद्दा रखेंगे लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा। मैं अब ये चाहता हूं कि आपके माध्यम से ये बात रखी जाए और इसपर कार्रवाई की जाए और तुरंत वहां का क्षेत्र का काम हो, धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** श्रीमान दुर्गेश पाठक जी।

**श्री दुर्गेश पाठकः** धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे 280 के बीच में बोलने का मौका दिया। मेरी विधान सभा से जुड़ा है जबकि मुझे लगता है पूरी दिल्ली के लोग इस मुद्दे से बहुत ज्यादा परेशान होंगे। आए दिन हम देख रहे हैं कि अध्यक्ष महोदय दिल्ली के अंदर ट्रैफिक की समस्या बहुत ज्यादा बढ़ती चली जा रही है। 5 किलोमीटर, 6 किलोमीटर, 10 किलोमीटर की यात्रा भी एक-एक, डेढ़-डेढ़ घंटे लगते चले जा रहे हैं और मेरी विधान सभा में खासकर शंकर रोड और पूसा रोड जो एक तरीके से नई दिल्ली

को वेस्ट देहली से जोड़ता है, आप शाम के समय अगर चलें जाए तो छोटी सी एक किलोमीटर का स्ट्रैच भी पास करने में आपको आधा-आधा घंटा लग जाता है और मुझे लगता है ये पूरी दिल्ली की समस्या है। तो माननीय मंत्री जी के माध्यम से, आपके माध्यम से हम लोग ये जानना भी चाहेंगे कि इसके ऊपर दिल्ली सरकार कैसे इस पूरी समस्या को खत्म किया जाए और लोगों को सहूलियतें मिलें क्योंकि बहुत सारे लोगों की काफी जिंदगी तो ट्रैफिक में और गाड़ियों में ही निकल जाती है। सुबह दो घंटा लग जाता है, शाम को दो घंटा लग जाता है। अगर उसमें कमी होगी तो शायद वो अपने परिवार के साथ और दूसरे कामों में समय बिता सकते हैं। साथ ही साथ मेरी विधान सभा के अंदर 4 पीडब्ल्यूडी के रोड हैं और मुझे बड़ा गर्व होता है अपनी सरकार का रोड डिजाइनिंग का काम देखकर, लगता है जैसे की हम यूरोप में घूम रहे हैं और मेरी ये लालच भी है और मेरी ये बड़ी विनती भी है हमारी मंत्री महोदया भी यहां पर हैं कि मेरे यहां की इन पांचों रोड़ों को इस प्रोजैक्ट में शामिल किया जाए और जिससे हम लोग भी इस एक जो वर्ल्ड क्लास अनुभव है उसका हम अनुभव ले सकें, आपने मुझे बोलने का मौका दिया बहुत-बहुत धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** ये दुर्गेश जी आपने वेदप्रकाश शास्त्री मार्ग ये पांचों रोड एमसीडी से रिलेटिड है।

**श्री दुर्गेश पाठकः** नहीं सर ये पीडब्ल्यूडी के हैं, वेदप्रकाश शास्त्री मार्ग, पूसा रोड, शंकर रोड, गिरधारी लाल गोस्वामी मार्ग और ओपी भारती मार्ग।

**माननीय अध्यक्षः** इन्हीं रोडों पर प्रोब्लम है।

**श्री दुर्गेश पाठकः** जो ट्रैफिक वाली ज्यादा प्रोब्लम भी इसी रोड पर ही है।

**माननीय अध्यक्षः** ठीक है।

**श्री दुर्गेश पाठकः** थैंक्यू।

**माननीय अध्यक्षः** सही राम जी।

**श्री सही रामः** धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय मैं बोलने से पहले चाहूंगा की इस गम्भीर समस्या पर आप खुद भी संज्ञान लेंगे और उम्मीद करता हूं कि आप मंत्री जी को भी आदेश देंगे। अध्यक्ष महोदय, मुझसे मेरी विधान सभा के कुछ लोग तीन दिन पहले मिलने आए। उन लोगों ने मुझे आकर बताया की वे लोग तुगलकाबाद विधान सभा क्षेत्र में लाल कुआँ लालबत्ती पर, बंजारा बस्ती, सपेरा बस्ती और लोहार बस्ती, ये तीन बस्ती वहां झुग्गी वालों की हैं। उन्होंने बताया की आज से दो साल पहले दिल्ली आश्रय सुधार बोर्ड व मैट्रो रेल के अधिकारी हमारी झुग्गियों का सर्वे कर रहे थे और हमें झुग्गी के बदले फ्लैट देने का भरोसा दिया था। लेकिन कुछ दिन पहले उन्होंने हमें अपने कार्यालय

बुलाया, फलैट देने से मना कर दिया और उन दिल्ली आश्रय सुधार बोर्ड के अधिकारियों द्वारा कहा गया है कि आपके फलैट रद्द कर दिए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आज आपका ध्यान दिल्ली सरकार के आदेश की तरफ दिलाना चाहूंगा जिसमें साफ कहा गया है कि 2015 से पहले बनी हुई झुग्गियों को बगैर कहीं दूसरी जगह बसाए नहीं हटाया जा सकता। और एक बात की तरफ और आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि हर चुनाव में चाहे निगम का चुनाव हो, चाहे विधान सभा का चुनाव हो या लोकसभा का चुनाव हो। हर चुनाव में केंद्र सरकार का एक नारा रहता है कि जहां झुग्गी वहीं मकान। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा कि 1997 में जब इंद्रकुमार गुजराल जी देश के प्रधानमंत्री बने, उस समय ये झुग्गियाँ आश्रम की जो लालबत्ती है, आश्रम चौक पर वहां थी। उनकी सुरक्षा को देखते हुए। मैं तो कहूंगा कि ईलिगल तौर पर आश्रम चौक से इन झुग्गियों को हटाकर लाल कुआँ की लालबत्ती पर बसाया गया था। इसी तरह एक मसला कल आपके सामने और भी आया होगा। खानपुर से जो अजय दत्त जी ने बताया। मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि वो जो झुग्गियां तोडी गई हैं ईलिगल तोडी गई है। तकरीबन 50 साल से वो झुग्गी वाले उसी झुग्गी में ही रहते थे, वहीं अपनी रोजी रोटी चलाते थे। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहूंगा कि सरकार और मंत्री इस पर ध्यान दें और जब तक इनको वैक्लपिक व्यवस्था इनकी नहीं कर दी जाती। दूसरी जगह बसाने की व्यवस्था नहीं कर दी जाती तब तक इनको वहां से ना हटाया

जाए। इतनी गम्भीर समस्या पर बोलने के लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी।

**माननीय अध्यक्षः** सुरेंद्र कुमार जी।

**श्री सुरेंद्र कुमारः** माननीय अध्यक्ष जी, आपने 280 में बोलने का मौका दिया उसके लिए धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से माननीय उद्योग मंत्री जी का ध्यान अपनी विधान सभा गोकल पुर की तरफ दिलाना चाहता हूं। मेरे यहां क्षेत्र में तीन औद्योगिक क्षेत्र हैं, जिनकी दयनीय स्थिति है को लेकर उधर ले जाकर मैं दिखाना चाहता हूं कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक मंडोली फेस वन है, एक मंडोली फेस–।। है, एक ज्वाहर नगर है। वहां पर उनकी रोडें खराब हैं और यहां विकास के नाम पर कुछ भी नहीं हुआ। माननीय अध्यक्ष जी इन इलाकों की सडकों में चार–चार फुट गड्ढे हो चुके हैं। पूरे साल जल भराव की स्थिति बनी रहती है। इन इलाकों में वहां पर एक हजार करीब फैक्ट्रियां हैं जिनमें वहां गरीबों को रोजगार देने का भी काम किया जाता है। इसके साथ–साथ वो टैक्स भी देते हैं, जीएसटी भी देते हैं, इन्कम टैक्स भी देते हैं जो इनकी आय का होता है। वो देश के निर्माण के लिए, राष्ट्र के निर्माण के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान भी देते हैं। माननीय अध्यक्ष जी आपसे गुजारिश करता हूं कि इस इलाके के विकास के लिए बिना देरी काम शुरू किये जाएं। इन तीनों औद्योगिक क्षेत्रों को तुरन्त नियमित किया जाए, रेगूलराईज किया जाए जिससे कि क्षेत्र का डेवलपमेंट हो सके और यहां उद्योगपतियों को

राहत मिल सके। दिल्ली सरकार काफी इलाकों में डेवलपमेंट का काम कर रही है। तो मैं निवेदन करूंगा कि डीएसएसआईडीसी को आदेश करें कि इसको भी डेवलपमेंट करने का काम करे। धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** श्रीमान कुलदीप जी। कुलदीप जी।

**श्री कुलदीप कुमारः** धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी मेरी विधान सभा कोंडली के अंदर दो कालोनी हैं एक मुल्ला कालोनी और राजबीर कालोनी। ये दोनों बहुत घनी आबादी के क्षेत्र हैं और यहां पर एक रैन बसेरा होता था अध्यक्ष जी जिसके अंदर ग्राउंड फ्लोर पर और फस्ट फ्लोर पर पहले बहन बेटियों की शादी के लिए इसकी बुकिंग चालू होती थी। लेकिन अध्यक्ष जी पिछले सात आठ महीनों से डयूसिब के द्वारा इसकी बुकिंग को बंद कर दिया गया है और आसपास बहन बेटियों की शादी के लिए कोईऐसी जगह नहीं है जहां पर वो दूसरी जगह पर शादी कर पायें। लोग बहुत गरीब तबके के हैं। इसकी बुकिंग बंद कर दी गई है जिसके कारण वहां के लोगों में अध्यक्ष जी बहुत रोष है। मैं डयूसिब को कई बार लगातार इसके लिए पत्र लिख चुका हूं लेकिन वो इसको चालू नहीं कर रहे हैं। मेरी आपसे विनती है अध्यक्ष जी कि आप उन अधिकारियों को आदेश दें कि जिसको गाजीपुर पॉकेट सी रैन बसेरे के नाम से जाना जाता है। इसकी बुकिंग को ग्राउंड फ्लोर और फ्स्ट फ्लोर को तुरन्त प्रभाव में चालू कराया जाए और इसके साथ-साथ अध्यक्ष जी ऐसी बहुत सारी जगह हैं जहां पर जो हमारे समुदाय भवन थे अध्यक्ष जी, उनमें आजकल सीआरपीएफ की जो

टुकडियां हैं वो उसमें ठहरी हुई है। लोकल लोगों की आजकल वहां पर शादी विवाह करना मुश्किल हो गया है। तो मैं चाहता हूं कि उस पर भी आप एक बार आदेश दें। पहले भी ये प्रश्न उठा था विधान सभा में। तो इस पर आप अधिकारियों को आदेश दें। धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** अब्दुल रहमान जी।

**श्री अब्दुल रहमानः** धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, मेरी विधान सभा सीलम पुर में एक जगप्रवेश चंद्र नाम से हॉस्पिटल है जो पूरे नार्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट का एकमात्र हॉस्पिटल है अध्यक्ष महोदय। उसमें आए दिन एक्स–रे मशीन, आये दिन अल्ट्रा साउंड मशीन खराब रहती है। वो दो सौ बैड का हॉस्पिटल है अध्यक्ष महोदय। पूरे नार्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट का इकलौता एक हॉस्पिटल सिर्फ दो सौ बैड का जहां किसी तरह की कोई सुविधा नहीं है अध्यक्ष महोदय। वहां पर ना वैंटिलेटर है, ना वहां वो है एमआरआई, सीटी स्कैन या कोई सुविधा वहां नहीं है अस्पताल में। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से कहना है कि आप मंत्री महोदय को आदेश करें कि वहां पूरे इसमें नार्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में इकलौते हॉस्पिटल को कम से कम पांच सौ बैड का किया जाए और वहां तमाम सुख सुविधाएं जो एक हॉस्पिटल को हॉस्पिटल बनाती हैं, वो उसमें दी जाए। अध्यक्ष महोदय, एक बात और कहना चाहता हूं कि जो सरकार की तरफ से टैस्ट कराये जाते हैं उनकी पहले एक लिस्ट थी पूरी कि वो पहचान पत्र लेकर हॉस्पिटल उसको दे दिया करता

था भई टैस्ट करा लो। तो वो एक दो किलोमीटर के दायरे में जो सेंटर होते थे मरीज वहां जाकर करा लेता था। जगप्रवेश चंदर हस्पताल ने क्या किया है कि सर जो यमुना विहार या जो आस-पास के सीलमपुर एरिया हैं वहां के जितने भी सेंटर है उनको हटा करके और छः किलोमीटर पांच किलोमीटर आठ किलोमीटर दूरी पर जो सेंटर है उनको जोड रहे हैं। तो उन सेंटरों को वापिस जोडा जाए जो नजदीक के सेंटर हैं ताकि हम जो सुविधा हमारी सरकार मरीजों को दे रही है फ्री टैस्ट की उसका आसानी से लाभ उठा सकें ना कि उनको परेशानी हो। बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

**माननीय अध्यक्षः** जय भगवान जी।

**श्री जय भगवानः** आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाह रहा हूं कि दिल्ली के अंदर जब से आम आदमी पार्टी की सरकार आई है तब से लगातार दिल्ली सरकार के द्वारा ऐतिहासिक कार्य किये जा रहे हैं चाहे वो बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य चाहे मैं स्ट्रीट् स्कैपिंग की बात करूं, चाहे वाटर बॉडी को रेनोवेट करने की बात करूं, लगातार हमारी सरकार ने काम किया है और युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए भी दिल्ली सरकार लगातार प्रयासरत है। खेल भावना को बढ़ाने के लिए दिल्ली सरकार के द्वारा नये-नये हमारे दिल्ली के अंदर स्टेडियम, सिंथेटिक ट्रैक, स्पोर्ट्स कॉम्पलैक्स, स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी और स्कूलों के अंदर भी खेलों को बढ़ावा दिया

जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, चाहे वो आउटडोर गेम हो या इंडोर गेम हो हर मामले में दिल्ली सरकार द्वारा हर क्षेत्र में कार्य किये जा रहे हैं। दिल्ली सरकार के स्टेडियमों और ट्रैकों स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में निम्न प्रकार के खेल खेले जाते हैं। तीरंदाजी, बाक्सिंग, कुश्ती, एथेलेटिक्स, निशानेबाजी, टैनिस, खो-खो, बास्केटबॉल, जिम्नास्टिक, हॉकी, जूडो, वेट लिफ्टिंग, टेबल टेनिस, तैराकी, शूटिंग, फुटबाल और बैडमिंटन। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि दिल्ली देहात में क्योंकि दिल्ली देहात और बाहरी दिल्ली के इलाकों में जो ग्रामीण पृष्ठभूमि में जो ज्यादातर लोग हैं वो खेलों से जुड़े हुए हैं और चाहे वो आपके ओलंपिक गेम हैं, चाहे एशियन गेम हैं, चाहे कॉमनवेल्थ गेम हैं, चाहे वो जूनियर लेवल है, चाहे वो सीनियर लेवल है हर तरीके से जो बच्चे हैं जो युवा हैं वो मैडल लेकर के आते हैं और जो कोच हैं उनको बहुत ही मेहनत के साथ आग में तपाकर के सोना बनाने की कोशिश करते हैं उनको निखारने की कोशिश करते हैं कि जो बच्चा है, जो खिलाड़ी है, वो देश का नाम रोशन करे, दिल्ली का नाम रोशन करे। अध्यक्ष महोदय, बहुत ही गंभीर मुद्दा है कि हम थोड़ा सा गुरुओं की तरफ, कोचों की तरफ हमें सोचने की जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, जैसे की पहले कहा गया है कि गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा, गुरु साक्षात परब्रह्म् तसमे श्री गुरुवे नमः तो मेरा कहने का मतलब है अध्यक्ष महोदय की कोचों को द्रोणाचार्य अवार्ड, अर्जुन अवार्ड और ध्यानचंद अवार्ड और भी कई प्रकार के अवार्ड गुरुओं

को दिये जाते हैं लेकिन आज जो गुरु है वो पूरा जीवन अपना खिलाड़ी को निखारने में लगा देता है और दिल्ली के अंदर जो उसको पेंशन दी जा रही है वो 5 हजार रुपये दी जा रही है। अध्यक्ष महोदय चूंकि मैं दिल्ली देहात क्योंकि बवाना विधानसभा दिल्ली देहात में है एक तरीके से और मेरे इलाके से काफी खिलाड़ी निकलकर के आते हैं। हर गांव के अंदर खिलाड़ी हैं कोई कुश्ती में है, कोई बॉक्सिंग में है, कोई किसी में है तो उनकी डिमांड रहती है कि जो हमारे गुरु हैं हमारे लिए जीवनभर हमारे लिए लगे रहते हैं और जो उनका जो अंतिम समय है, जब वो रिटायरमेंट हो जाते हैं तो उनकी जो पेंशन है वो उन्हें 5 हजार रुपये दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से आपसे कहना चाहता हूं कि जो आसपास के जो राज्य हैं चाहे वो उत्तर प्रदेश है, चाहे वो राजस्थान है, चाहे वो हरियाणा है या कोई और भी राज्य है उन सभी के अंदर जो कोच है उनके लिए 20 से 25 हजार रुपये पेंशन दी जा रही है और पूरी दिल्ली के अंदर ऐसे जो अर्जुन अवार्डी, द्रोणाचार्य अवार्डी या जो हमारे ध्यानचंद अवार्डी कुल 43 लोग हैं पूरी दिल्ली के अंदर जिनको पेंशन 20 से 25 हजार रुपये मिलनी चाहिए अध्यक्ष महोदय। मेरा आपसे सदन के माध्यम से निवेदन है कि उन लोगों को क्योंकि अब वो रिटायरमेंट भी हो चुके हैं और वो चाहते हैं कि उनकी जो पेंशन है वो बढ़ाई जाए। तो अध्यक्ष महोदय मैं सदन के माध्यम से आप सभी से निवेदन करता हूं कि उनकी जो पेंशन है वो 20 से 25

हजार रुपये करी जाए जिससे वो अपना जीवन-यापन अच्छी तरीके से कर सकें और अच्छी तरीके से बच्चों को ट्रेनिंग दे सकें जिससे भारत का नाम रोशन हो। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं जय भीम, जय भारत, नमस्कार।

**माननीय अध्यक्षः** श्रीमान मदन लाल जी।

**श्री मदन लालः** धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय मेरे क्षेत्र में पानी के बिलों का भुगतान, निबटारा और बिल जो लोगों को दिये जाते हैं उसका दफ्तर पहले मेरी विधानसभा कस्तूरबा नगर में ही था लोगों को आने-जाने में बहुत सुविधा होती थी और नजदीक के नजदीक लोगों को अपने बिल ठीक करवाने में भी आसानी होती थी। वो बिल्डिंग के टूटने के बाद ये जेडआरओ आफिस गिरी नगर में चला गया। गिरी नगर अध्यक्ष महोदय मेरे क्षेत्र से काफी दूर है, वहां बस की सुविधा भी नहीं है और मैडम आतिशी जी के क्षेत्र में है। लिहाजा हम बहुत ज्यादा बोलने में भी डरते हैं पर अध्यक्ष महोदय लोगों की इनकन्विनियेंस को देखते हुए चूंकि वो अगर कालकाजी के कस्तूरबा नगर क्षेत्र से मिलते हुए एरिया में होता तो भी उससे काम चल जाता पर चूंकि वो काफी दूर है और वो एरिया थोड़ा सा बस और यातायात की सुविधा से दूर रहता है और ज्यादातर बिलों का भुगतान बुजुर्ग लोग ही करते हैं लिहाजा बहुत ज्यादा इनकन्विनियेंस लोगों को होती है और मुझे उम्मीद है हमने पीछे जल मंत्री भारद्वाज जी से बात भी की थी जब वो वाइस चेयरमैन थे तो मैं आपके माध्यम से उनका ध्यान

इस क्षेत्रीय समस्या के प्रति उठाना चाहता हूं और आपके द्वारा उनसे निवेदन करता हूं, आपके थ्रू उनसे निवेदन करता हूं की वो शीघ्र इस पर संज्ञान लें और उस जेडआरओ आफिस को लाजपत नगर में जहां एक जेडआरओ आफिस हमारी दूसरी विधानसभा में ही सही जंगपुरा में चल रहा है जो बिलकुल हमारी विधानसभा से सटा हुआ क्षेत्र है और वहां होने के बाद चूंकि वहां आलरेडी चल भी रहा है, इन्फ्रास्ट्रक्चर भी है वहां लोगों को बहुत ज्यादा सुविधा हो जायेगी। तो मैं आतिशी जी को भी धन्यवाद देता हूं की वो काफी कौपरेट करती हैं पर फिर भी लोगों की समस्याओं को देखते हुये ये आवश्यक है कि वो हमारे क्षेत्र में हो और लोगों के नज़दीक हो आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** सुश्री भावना गौड़ जी।

**सुश्री भावना गौडः** धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय 280 के अन्तर्गत पालम विधानसभा के साध नगर वार्ड में दिल्ली जल बोर्ड की सीवर लाइन डालने का कार्य किया जा रहा है। इसका वर्क आर्डर मैसर्स कृष्णा कॉन्ट्रैक्टर को सितम्बर 2019 में जारी किया गया था, कार्य को पूरा करने की समय सीमा दो वर्ष तय की गई थी। अध्यक्ष महोदय कहाँ 2019 और कहाँ 2023, अध्यक्ष महोदय आज लगभग चार वर्ष हो गये 50 परसेंट कार्य भी अभी तक पूरा नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, मेरे साध नगर वार्ड की हालात अभी अत्यन्त गंभीर हैं अब तो हालात यह है की मुझे स्वयं भी लोगों से बात करने में झिझक होने लगी है की आखिर ठेकेदार

की मनमानी की वजह से मैं क्षेत्र के लोगों को क्या जवाब दूं, लगातार बहुत सारी मीटिंग करने के बावजूद भी सभी अधिकारियों की जानकारी में होने के बावजूद भी ठेकेदार लगातार मनमानी कर रहा है। लोगों के कनैक्शन ना जुड़ने के कारण गली का पानी, गंदा पानी, लैट्रिंग-बाथरूम का पानी बैक मारकर उनके घरों में घुसता है जिसके कारण लोगों का जीवन नारकीय हो गया है। अध्यक्ष महोदय, सवाल यह भी है की आखिर ठेकेदार की मनमानी कब तक चलेगी, कब तक लोगों को नारकीय जीवन जीने की सज़ा को भुगतना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, सवाल यह भी है की ठेकेदार निर्धारित समय सीमा को पार करके लगभग दो साल आगे निकल गया है पर काम में किसी भी प्रकार की कोई प्रगति नहीं है। आखिर अधिकारी चुप क्यों हैं, सवाल यह भी है की ठेकेदार द्वारा कार्य पूरा ना किये जाने के बाद विभाग कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा? अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र के लोग जो नरक का जीवन जी रहे हैं प्लीज़ उन्हें बचाईये, ठेकेदार को या तो ब्लैक लिस्ट करिये या फिर उससे काम करवाईये। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं की ये इस तरह की समस्यायें जो क्षेत्र में होती हैं सबसे पहले हम प्रयास करते हैं की अधिकारियों के माध्यम से हम उन्हें स्वंय ही सोल्व कर लें लेकिन जब वो सोल्व नहीं हो पाती हैं तो शायद हमारा आखिरी मुकाम ये हाउस होता है जहां हम अपनी बात रखें और ये उम्मीद करें की इन सवालों का हल हमें मिलेगा बहुत-बहुत धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** ऋतुराज गोविंद जी।

**श्री ऋतुराज गोविंदः** बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने 280 के तहत मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, पूरे दिल्ली में हम सब लोग जहां भी रहते हैं हमारे घरों में सब्जी है, फल है जो छोटी-छोटी चीज़ें होती हैं रोज़मर्रा की लाइफ में वो किसी ना किसी वीकली मार्किट से हमारे घर के परिवार के सदस्य खरीदकर के लाते हैं। वीकली मार्किट में जो सब्जी का रेहड़ी लगाते हैं, फल का लगाते हैं या छोटी-छोटी जरूरतों का लगाते हैं ये हम सबके समाज में पूरे कैपिटल के अंदर में एक बहुत बड़ा रोल प्ले करते हैं हम सबके परिवार में जीवन में। मैं जिस कॉन्सिटिट्वेंसी को रिप्रज़ेन्ट करता हूं अध्यक्ष महोदय वो 99 प्रतिशत अनॉथराइज़ कॉलोनी है और वहां पर रेहड़ी-पटरी लगाने वाले लोग गरीब प्रवासी लोग 15 से 20 हज़ार परिवार ऐसा है जोकि रेहड़ी-पटरी के माध्यम से ही उनका पूरा परिवार चलता है, पूरी अर्थव्यवस्था चलती है और 15 से 20 हज़ार परिवार जो रेहड़ी-पटरी लगाता है वो बाकी सब लोगों के जीवन में एक बहुत बड़ा रोल प्ले करता है, उनको फ्रैश सब्जियां और ये सब चीज़ें, इससे उनको रोज़गार चलता है सब चीज़ें चलती हैं जो सबसे लोअर मिडिल क्लास परिवार से आते हैं अपना परिवार चलाते हैं अपना बच्चों का ख्याल रखते हैं परिवार का ख्याल रखते हैं आज उनके जीवन पर एक बहुत बड़ा संकट आ चुका है क्योंकि ये गरीब लोग हैं प्रवासी लोग हैं कोई अखबार नहीं छापता इनका दर्द, मैं आपके माध्यम से

बहुत विनम्रता से एक बात कहना चाहता हूं की दिल्ली के पुलिस कमिश्नर को ये हाउस स्ट्रीक्टली लिखे की जिस तरीके से रेहड़ी-पटरी वालों को लगातार पुलिस वाले परेशान कर रहे हैं, उनको डंडे मारते हैं उनका extortion करने की कोशिश करते हैं, पैसे की उगाही करने की कोशिश करते हैं। आप एक चीज़ बताईये एक कॉन्सिटिट्वेंसी 99 परसेंट अनॉथराइज़ है वहां पर कुछ भी ऑथराइज है ही नहीं तो बाज़ार कैसे ऑथराइज़ हो जायेगा, कुछ भी ऑथराइज़ नहीं है ना सड़क ऑथराइज़ है ना मकान ऑथराइज़ है ना प्लॉट ऑथराइज़ है कुछ भी नहीं है,

..व्यवत्राान...

**श्री ऋतुराज गोविंदः** एमएलए ऑथराइज़ है क्योंकि वो वोट से चुनकर के आता है, वोटर ऑथराइज़ है, वोटर ऑथराइज़ है एमएलए ऑथराइज़ है लेकिन, लेकिन उसको लिगेल्टी के नाम पर में की ये पास नहीं है फेल नहीं है अरे तुम्हारा थाना पास है क्या?..

**माननीय अध्यक्षः** ऋतुराज जी हो गया।

**श्री ऋतुराज गोविंदः** जिस थाने में तुम बैठे हो, जहां से पुलिसिया हुकुमत चलाते हो, कच्ची कॉलोनी का वो थाना भी अनॉथराइज़ है।..

**माननीय अध्यक्षः** ऋतुराज जी इधर भी सुन लीजिये, जो लिखा है उससे ज्यादा जा रहे हैं आप।

**श्री ऋतुराज गोविंद:** नहीं अध्यक्ष जी मैं उसी पर आ रहा हूं।..

**माननीय अध्यक्ष:** नहीं सीमा, सीमा को मत लांघिये, एक बार डिसीज़न हुआ है तो उसको फॉलो करिये।

**श्री ऋतुराज गोविंद:** एमसीडी और पुलिस का जो दमगने है मैं देख रहा हूं कि हमारे एमसीडी के प्रभारी भी यहां बैठे हैं, मैं उनसे भी ध्यानाकर्षण चाहता हूं। एमसीडी और पुलिस का जो दमगने है और जिस तरीके का अत्याचार वो अत्यन्त पिछड़े लोगों पर कर रहे हैं इकनॉमिकली, रेहड़ी-पटरी वाले जो लोग हैं 15-20 हज़ार परिवार चलाते हैं। भारत के प्रधानमंत्री बोलते हैं रोज़गार नहीं है तो पकौड़े तलो, अब पकौड़ा तलने के लिये रेहड़ी लगाओ तो पुलिस भेज देते हैं, पुलिस के थ्रु extortion करते हैं, उनको परेशान करते हैं, तंग करते हैं। अरे आपकी दोस्ती अडानी से है हमारी दोस्ती तो उन्हीं गरीब लोगों से है।..

**माननीय अध्यक्ष:** ऋतुराज जी देखिये, ये सीमा को लांघोगे, मुझे दिक्कत होगी। प्लीज

**श्री ऋतुराज गोविंद:** सीमा नहीं लांधेंगे अध्यक्ष जी, मैं तो विषय पर ही आ रहा हूं।..

**माननीय अध्यक्ष:** नहीं ये, आपका नंबर इसलिए आ सका है बारहवां कि बाकी सदस्यों ने पढ़ा हुआ बोला है। अगर वो भी इसी ढंग से बोलते तो आपका नंबर ही नहीं आता।

**श्री ऋतुराज गोविंद:** अध्यक्ष जी, हाथ जोड़कर निवेदन है, ये हाउस इस बात पर सहमत होगा, सब लोगों के क्षेत्र में इस तरह की प्रोब्लम है। लगातार परेशान किया जा रहा है। पंक्ति में खड़े हुए अंतिम व्यक्ति के बारे में अगर कोई सुनेगा तो आप ही सुनेंगे और आप ही के माध्यम से समाधान होगा। पुलिस कमिश्नर को चिट्ठी लिखिए कि हाउस चाहता है कि कोई भी रेहड़ी-पटरी वाले को अगर परेशान करोगे, ये 15-20 हजार वाले रेहड़ी-पटरी वालों को ...

**माननीय अध्यक्ष:** श्री अखिलेशपति त्रिपाठी जी। अखिलेशपति त्रिपाठी जी।

**श्री ऋतुराज गोविंद:.** धावा बोल देंगे। ये ही करना पड़ेगा कि तो ये भी करेंगे और साथ में एमसीडी को भी लिखिए, उनके एमसीडी कमिश्नर को हाउस में बुलाइये..

**माननीय अध्यक्ष:** आप बैठिये मैं नाम बोल चुका हूं।

**श्री ऋतुराज गोविंद:** और उनसे कहिए रेहड़ी पटरी वालों को परेशान करना बंद करो,..

**माननीय अध्यक्ष:** ऋतुराज जी,

**श्री ऋतुराज गोविंद:** रेहड़ी पटरी वालों को परेशान करना बंद करो, रेहड़ी पटरी वालों को परेशान करना बंद करो, ये चीज बर्दाश्त नहीं करेंगे अध्यक्ष महोदय।

**माननीय अध्यक्षः** देखिये मैंने उस दिन प्रार्थना की थी। मैं माननीय सदस्यों से प्रार्थना कर रहा हूं। आपको ज्यादा बोलना है तो ज्यादा लिख कर दे दीजिए। नहीं तो ये जो 20-20 नंबर आ रहे हैं, ये आयेंगे नहीं, अगर ऋतुराज जी की तरह से सभी ऐसे समय लेने लगे, नंबर नहीं आयेंगे विधायकों के, ये विचार कर लिजिए जैसा सदन तय करे। उनको समय मिलना चाहिए। अखिलेशपति त्रिपाठी जी। (अनुपस्थित)। हाजी युनूस।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** जिनके हैं, मेरे पास नाम लिखे हुए हैं, मैं देख लूंगा। मैं, अभी देखिये डिस्टर्ब न करिये प्लीज। बोलिये शुरू करिये।

**श्री हाजी युनूसः** धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान अपनी विधान सभा के एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर दिलाना चाहता हूं। मेरी विधान सभा में अग्रवाल स्वीट्स से मुखिया मार्केट तक का रोड जो कि एमसीडी के अंडर आता है। अग्रवाल स्वीट्स से शिव विहार तक का जो हिस्सा है, ये गोकलपुरी विधान सभा के अंदर आता है। पूरी दिल्ली में शायद पहली ऐसी विधान सभा होगी कि जिसका अपना कोई रोड नहीं है। एक तरफ भजनपुरा से करावल नगर चौंक तक का जो रोड है, वो करावल नगर विधान सभा में आता है। दूसरी तरफ वृजपुरी पुलिया से शिव विहार तक का जो रोड है, ये गोकलपुरी विधान सभा के अंदर आता है और ये दोनों

ही रोड एमसीडी के अंडर आते हैं। शिव विहार तिराहा वाला रोड से जो रास्ता है, इससे लगभग वृजपुरी  होकर तीन से चार लाख लोग डेली इस पर आवागमन करते हैं, गुजरते हैं और इसपर एक मर्तबा हमारे डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया जी ने भी इसका दौरा करा था। मेरी आपसे अनुरोध है। आपके माध्यम से अनुरोध है कि इस रोड को, ये मात्र 40-45 फुट का रोड है और इस पर सुबह से शाम तक जाम लगा रहता है।

मेरी आपके माध्यमम से ये अनुरोध है कि इस रोड को चौड़ा कर दिया जाए। तीन तीन विधान सभा के लोग इस रोड्स से होकर गुजरते हैं। करावल नगर, गोकलपुरी और मेरी अपनी विधान सभा का तो ये मेन रोड गोकलपुरी का रोड है, लेकिन मेरी अपनी विधान सभा का ये मेन रोड है। इसको चौड़ा करने का आपके द्वारा मेरा अनुरोध है। मेरी जनता और मैं आपका सदैव अभारी रहूंगा। जय हिंद, जय भारत। धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** अजय महावर जी।

**श्री अजय कुमार कुमार महावरः** अध्यक्ष जी, धन्यवाद। मैं अध्यक्ष जी आपसे अनुरोध करता हूं कि आदरणीय जल मंत्री का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि दिल्ली जल बोर्ड के जितने भी सीवर और नाले हैं, उनकी जो गाद निकलती है, उसके निस्तारण की व्यवस्था कहीं भी नहीं हैं और चाहे वो दिल्ली नगर निगम हो, चाहे वो डीडीए हो, चाहे वो सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण

विभाग हो, कोई भी अपनी जमीन पर उस गाद को डालने के लिए नहीं देता है और जल बोर्ड के सीवर के अधिकारी इसके लिए दर-दर ठोकर भी खाते हैं, परेशान रहते हैं और इससे गाद महीनों सड़क पर पड़ा रहता है अध्यक्ष जी और 15-15 दिन, 20-20 दिन, 25-25 दिन पड़ा रहता है, जिसके कारण क्षेत्र के निवासी बहुत ज्यादा परेशान होते हैं।

ये समस्या सिर्फ मेरे क्षेत्र की नहीं है सर, ये पूरी दिल्ली की समस्याएं हैं, इसीलिए आपके माध्यम से मेरा मंत्री महोदय से निवेदन है कि मेरी विधान सभा समेत सारी दिल्ली की विधान सभाओं के नालों की सफाई से निकलने वाले गाद के निस्तारण की व्यवस्था की एक सुनिश्चित व्यवस्था की जाए, जल्दी से जल्दी ताकि वह गाद नाले में न जाए ताकि वह गाद इधर-उधर न बिखरे।

अध्यक्ष जी, दिल्ली सरकार पिछले 8 सालों से दिल्ली के हर घर में 24 घंटे स्वच्छ जल मुहैया कराने का वादा करती आयी हैं, लेकिन मेरी विधान सभा क्षेत्र घोण्डा में 24 घंटे में मुश्किल से सुबह-शाम दो दो घंटे पानी भी आपूर्ति नहीं हो पा रहा है और ये पानी जो मिल भी रहा है, वह भी काफी दूषित है, इसकी जांच भी आप करा सकते हैं। इसके लिए कहीं न कहीं ध्वस्त सीवर सिस्टम भी जिम्मेदार हैं। यूजीआर को प्रतिदिन जितना पानी मिलना चाहिए अध्यक्ष जी, वह भी जो मांग है और जो निर्धारित किया गया है, निर्धारित पानी को भी पूरे तौर पर नहीं दिया जाता है,

जिसके कारण इंसानियत और मानवता के नाते कम से कम हमारे हिस्से का पानी तो हमें मिलना ही चाहिए। एक एक बूंद पानी के लिए हमें संघर्ष करना पड़ता है। आने वाली गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति और भी खराब होने की आशंका है अध्यक्ष जी, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से निवेदन करता हूं कि वो मेरी घोण्डा विधान सभा के जो निश्चित पानी की मात्रा तय हुई है, वो पूरी पानी की मात्रा यूजीआर में दें और स्वच्छ पानी देने का प्रयास करें, जिससे मेरे क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ पानी मिल सके। बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी।

**माननीय अध्यक्षः** जरनैल जी, मैं आपसे प्रार्थना कर रहा हूं आपने दो लाइन लिखकर छोड़ दिया, मैं आगे से ऐसे स्वीकार नहीं करूंगा। आज लास्ट.. आपने पीछे भी ऐसे ही किया था, आज भी ऐसा ही है।

**श्री जरनैल सिंहः** थैंक यू स्पीकर साहब। सर, ये जो मेटर है ये दिल्ली की सड़कों पर जो ट्रैफिक जाम लग रहा है उससे संबंधित है और ट्रैफिक जाम जो लग रहा है वो अतिक्रमण की वजह से लग रहा है। बीएसईएस के या अदर जो पावर सप्लायर कंपनिस हैं उनके ट्रांसफार्मर और खम्बों की वजह से, जो कई बार सड़क के किनारे और कई बार सड़क के लगभग बीच में लगे होते हैं ट्रांफार्मर तक और सड़क की इतनी चौड़ाई कम रह जाती है कि सड़क पर लंबे-लंबे जाम लग रहे हैं। मेरे को लग रहा है ये समस्या खाली मेरी विधान सभा की ही नहीं है, पूरी दिल्ली में

इस तरीके के बहुत सारे ट्रांसफार्मर्स लगे हैं जिनकी वजह से सड़क की चौड़ाई कम हो जा रही है और लंबे जाम लग रहे हैं। तो बिजली की जो कंपनियां हैं पावर सप्लाई करने वाली उनको कोई निर्देश दिये जाएं कि जो भी इस तरीके की सड़कों पर ट्रांसफार्मर लगे हैं उनको हटाया जाए ताकि इस ट्रैफिक जाम से निजात मिल सके। थैंक यू अध्यक्ष जी।

**माननीय अध्यक्षः** नहीं, इसकी जहां आपके एरिया में ऐसा है, ट्रांसफार्मर लगे हैं उनको आइडेंटीफाई करके लिस्ट मुझे दीजिए।

**श्री जरनैल सिंहः** स्पीकर साहब, बहुत बारी, यहां भी दे देता हूं।

**माननीय अध्यक्षः** लिस्ट दीजिए अब।

**श्री जरनैल सिंहः** मैं दे देता हूं स्पीकर साहब।

**माननीय अध्यक्षः** श्रीमती बंदना कुमारी जी।

**श्रीमती बंदना कुमारीः** धन्यवाद अध्यक्ष जी। हमारे विधान सभा के शालीमार बाग में बीजी-1, जे.जे.कलस्टर है, वहां पर, लगभग 2 साल पहले वहां के लोगों ने फ्लैट को आबंटन करने के लिए, डीडीए की फ्लैट मिलने के लिए उन्होंने एक लाख चालीस हजार रूपया डीडीए को जमा किया, आनन-फानन में सभी साथी ने, कोई कर्ज लेकर, कोई कुछ गिरवी रखकर, कोई, हर अपने-अपने तरीके से उन्होंने व्यवस्था की पैसे की और एक लाख चालीस हजार

रूपया डीडीए को जमा कर दी। लगभग ढाई सौ लोग ऐसे हैं जिन्होंने अपना पैसा जमा कर दिया और आज तक आजकल-आजकल-आजकल करते-करते ढाई साल से ऊपर हो गया, किसी को अभी मकान नहीं मिली है। वहां पर बेसिक सुविधा, न कूड़ा उठाने वाली गाड़ी वहां जा पाती है, न टॉयलेट लगाने के लिए जमीन है जो टॉयलेट नया बना सकें वहां पर, न डीडीए से एनओसी मिलती वहां पर टॉयलेट बनाने के लिए। न नाली बनाने की अंदर नाली बनाने की जगह है जहां उनको बेसिक सुविधा दे सकें। तो अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं डीडीए के वीसी साहब से, एलजी साहब से निवेदन करना चाहती हूं जो, जिन लोगों ने अपना पैसे की जुगाड़ करके, तिल-तिल पैसे इकट्ठा करके, काई ब्याज पर लेकर, कोई अपने सामान को गिरवी रखकर पैसा जमा किया है तो उन्हें जल्द से जल्द ये सेशन, नया सेशन जब शुरू होगा, बच्चों की पढ़ाई के लिए अप्रैल से सेशन शुरू होगा उससे पहले उनको जल्द से जल्द घर आबंटन कर दिया जाए ताकि उनको आगे अपना जीवन-यापन करने में और सारी बेसिक सुविधा उनको मिल सकें। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी। ये बहुत ही गंभीर मुद्दा है और इसको आपके माध्यम से डीडीए के साथियों के संज्ञान में लाया जाए, धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** श्री सोमनाथ भारती जी।

**श्री सोमनाथ भारतीः** अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, आपने 280 में जो मैंने सब्मिट किया था उसको उठाने का मौका

दिया। अध्यक्ष महोदय, ट्रैफिक कंजेशन एक बहुत बड़ा सोर्स है एनवायरन्मेंटल पॉल्यूशन का। मैं पिछले 8 साल से मेरे क्षेत्र के दो कंजेस्टेड इलाको को डिकंजेस्ट करने के लिए रिक्वेस्ट दे रखी है पीडब्लूडी को और कल मेरे पास सूचना प्राप्त हुई कि वो प्रोसेस में है। तो 8-8 साल लेते हैं सिर्फ इतना बताने के लिए कि प्रोसेस में है। मेरे क्षेत्र में पंचशील फ्लाईओवर है वहां पर घंटो जाम लगा रहता है। आईआईटी फ्लाईओवर है वहां घंटों जाम लगा रहता है। दोनों फ्लाईओवरों के नीचे मैं अंडरपासिस की रिक्वेस्ट पिछले 8 साल से कर रहा हूं, लगातार कर रहा हूं और वो टालमटोल के अलावा कुछ करते नहीं हैं। पता नहीं कैसे मालूम पड़ गया उनको कि भई कल हम उठाने वाले है, आज उठाने वाले है। तो कल एक चिट्ठी आई उनकी तरफ से, पता नहीं आपके यहां से लीक हो गया, कि जी वो अंडर प्रोसेस में है। लेकिन मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि अधिकारियों को आदेश दें कि जो अंडर प्रोसेस में है उस पर कोई टाइमलाइन डिफाइन करके बताये, जिससे मेरे क्षेत्र के अंदर दो सिग्निफिकेंट कंजेस्टेड इलाके हैं उनको डिकंजेस्ट किया जा सके। धन्यवाद, थैंक यू।

**माननीय अध्यक्षः** श्री सोम दत्त जी।

**श्री सोम दत्तः** धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान यूडी विभाग और एमएलए फंड केसिस की ओर दिलाना चाहता हूं। अध्यक्ष जी, पिछले साल यूडी डिपार्टमेंट ने एक ऑर्डर जारी किया कि एमएलए फंड के

जितने भी केसिस हैं उन सबको क्लब किया जाएगा और उन सबका सिंगल टेंडर किया जाएगा। अध्यक्ष जी, ये ऑर्डर बिल्कुल भी प्रैक्टिकल नहीं है और इस ऑर्डर से कामों के अंदर बहुत ज्यादा डिले हो रही है। पहले जो काम डेढ़ या दो महीने में एग्जीक्यूट हो जाता था, इस ऑर्डर के आने के बाद वो ही काम होने में 6-6, 7-7 महीने लग रहे हैं। एग्जाम्पल के लिए मैं आपको बताना चाहूंगा कि एमएलए फंड से मान लीजिए मैंने 4 सड़कें बनाने के लिए एस्टीमेट जमा कराया, पहले उन 4 सड़कों के इंडीविजुअल टेंडर लगते थे, 4 अलग-अलग कांट्रेक्टर आते थे और वो अपने काम को, सब पर सिंगल-सिंगल काम होता था, जल्दी से जल्दी एग्जीक्यूट कर दिया करते थे। अब एक ही कांट्रेक्टर आयेगा क्योंकि टेंडर ही सिंगल होगा उसके अंदर और वो एक कांट्रेक्टर उन 4 सड़कों को बनाने में 6 महीने, 8 महीने, 10 महीने का टाइम ले लेगा। और इस तरह का कभी भी कोई भी ऑर्डर दिल्ली विधान सभा, यूडी ने कभी नहीं किया लेकिन ये पिछले कुछ समय से ही ये ऑर्डर लागू हुआ है। पूरी दिल्ली में किसी एजेंसी ने ऐसा ऑर्डर पास नहीं किया। ये कामों को डिले करने का एक प्रयास है। आपके माध्यम से मेरी रिक्वेस्ट है कि एमएलए फंड के केसिस से यूडी डिपार्टमेंट का ये जो ऑर्डर है, इस ऑर्डर को कैंसिल कराया जाए ताकि जनता के काम जल्दी और समयब) रूप से हो सकें।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** ये सोम दत्त जी की समस्या..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** एक सेकंड मैं बात कर लूं पूरी। मैंने यूडी सेक्रेट्री को बुला करके काफी देर बातचीत की कॉरपोरेशन के चुनाव से पहले, लेकिन वो एडामेंट थे, ये विषय आज उठा है मैं सदन की सहमति चाहता हूँ। अगर सदन इस समस्या से सहमत हो, हाँ कहें, जो सहमत नहीं ना कहें।

**(सभी माननीय सदस्यों द्वारा सहमति दी गई।)**

**माननीय अध्यक्षः** ठीक है बैठिये, श्री शिवचरण गोयल जी।

**श्री शिवचरण गोयलः** धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मेरे क्षेत्र वार्ड 89 करमपुरा की गंभीर समस्या को उठाने का अवसर दिया। मेरी एक सड़क है जो नजफगढ़ से जखीरा की तरफ जाती है, शिवाजी मार्ग और इस पर ये पूरा नजफगढ़ से लेकर लाखों व्हिकल्स रोज निकलते हैं, लेकिन जब वो मोती नगर चौक से जखीरा की तरफ जाते हैं और जखीरा से मोती नगर चौक को जाते हैं तो उनके लिए दो सड़कें हैं एक रामा रोड और एक शिवाजी मार्ग और इस रोड पर बैंक्वेट्स की भारी तादात है। काफी शोरूम बने हुए हैं कार के जिनसे यहां पर घंटो का जाम लगा रहता है। इन शोरूम के पास ना तो पार्किंग का कोई साधन है क्योंकि आये दिन सुबह शाम फग्ंसन होते हैं और इसी तरह से जो

कार शोरूम है, ये अपनी गाड़ी सेल करते हैं तो सारी व्हिकल्स ऑन दा रोड होते हैं। तो मेरे उसी रोड के उपर एक दमकल केंद्र भी है और साथ ही एक आचार्य भिक्षु हॉस्पिटल है सरकारी जिसमें कोई भी अनहोनी होती है तो वहां से वो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां निकलती हैं और वो अपने समय से नहीं पहुँच सकती और जो एम्बूलेंस को भी निकलना होता है वहां से वो ना निकलने की वजह से और जितने भी लोग निकलते हैं वहां से चाहे कोई भी उस विधानसभा से निकलता है तो वहां पर घंटो का जाम होता है और ये सारे जितने भी आपके बैंकेट बने हुए हैं, कार शोरूम बने हुए हैं, ये मानक दंडो पर पूरा नहीं उतरते। ना तो किसी के पास फायर का एनओसी है ना इनके पास एमसीडी का लाइसेंस है। तो ये गंभीर समस्या ये दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। आप इसकी जो इन्क्रोचमैंट है इसको खत्म करवाएं और जो भी इसके अंदर एजेंसिया हैं उनको निर्देश दिया जाए कि ये जो कार पार्क रोड पर कर रहे हैं या किसी तरह का भी कर रहे हैं, इसके उपर कठोर से कठोर उस पर कदम उठाएं। शुक्रिया, धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** धन्यवाद। श्री अजय दत्त जी।

**श्री अजय दत्तः** धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, आपने मुझे मेरे खानपुर वार्ड में एक बहुत ही गंभीर समस्या पर बोलने का मौका दिया। खानपुर वार्ड में करीबन पाँच साल पहले सीवर का एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट माननीय मुख्यमंत्री द्वारा पास किया गया और उसमें सीवर डलना था, उसकी

सीवर डलने की कंप्लीशन की जो तिथि थी वो दो साल में पूरी होनी थी, लेकिन कॉन्ट्रेक्टर की नाकामी की वजह से वो खिंचता गया और आज 5 साल हो गये। तो मैंने डिपार्टमेंट को लिखकर भेजा उनको कहा कि इस कॉन्ट्रेक्ट को कैंसिल करो दूसरा लेकर आओ। अभी पिछले 6 महीने से ये चल रहा है कि उसको कैंसिल कर दिया गया है, दूसरे को लो रहे हैं, दूसरे को ला रहे हैं और आधा सीवर खराब कर दिया गया है और एक पूरी कॉलोनी राजू पार्क वहां पर सीवर अभी तक शुरु नहीं किया गया है। तो वहां के लोग बहुत दुखी हैं और आये दिन ये समस्या चलती रहती है और मैंने हमारे जलबोर्ड के वाइस चेयरमैन साहब के साथ दो बार मीटिंग की, विभाग के साथ मीटिंग की, सीईओ को मैंने पत्र लिखे, लेकिन अभी तक इस पर कुछ नहीं हो रहा है औरएक और गली है पीको वाली गली जोकि खानपुर एक्टेंशन में है वहां पूरी गली में नाली का पानी भर जाता है तीन–तीन, चार–चार दिन तक और उसको फिर सकर से निकाला जाता है, तो बहुत गंभीर समस्या है अध्यक्ष जी। तो मैं आपके माध्यम से जलबोर्ड के सीईओ तक ये आवाज पहुँचाना चाहता हूँ और हमारे माननीय जलमंत्री से दुबारा से मैं रिक्वेस्ट करना चाहता हूँ कि ये जो बचा हुआ सीवर है इसको जल्द से जल्द डलाएं क्योंकि बारिश का समय आने वाला है, सीवर गलत डला हुआ है, पूरी कॉलोनी में पानी भर जाएगा। तो इस पर तुरंत कार्यवाही करके सीवर डलवाया जाए। धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** अजय दत्त जी हो गया, हो गया। धन्यवाद। रामवीर सिंह बिधूड़ी जी।

**श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष):** आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से दिल्ली के किसानों की कुछ गंभीर समस्याओं पर ध्यान माननीय मंत्री जी को दिलाना चाहता हूँ। किसान की जमीन जो एक्वायर की जाती है, उसकी मुआवजा राशि लगभग तीस साल पहले तय की गई थी। उसके बाद सरकारें आईं, सरकारें चली गईं, किसान की जमीन जो एक्वायर की जाती है, उसमें कोई बढ़ोत्तरी की नहीं गयी। हाल ही में दिल्ली में किसानों की जो जमीन एक्वायर हुई है, वह 22 लाख रुपया एकड़ के हिसाब से एक्वायर की गई हैं। और हमारे मुख्यमंत्री जी ने ये वायदा किया था कि दिल्ली में यदि किसान की जमीन एक्वायर की जायेगी तो कम से कम 5 करोड़ रूपया प्रति एकड़ के हिसाब से किसान को मुआवजा दिया जायेगा। मैं दिल्ली के मुख्यमंत्री जी से मांग करता हूँ कि किसान की जमीन यदि एक्वायर की जाए, मुआवजे राशि में बढ़ोतरी की जाए। और एक दूसरा बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है यदि आज किसान की मृत्यु हो जाये तो वह जमीन किसान के बेटे और बेटी के नाम पर ट्रांसफर नहीं हो रही है। मुटेशन पर रोक लगी हुई है। तो मैं आदरणीय अध्यक्ष जी आपके माध्यम से आदरणीय मुख्यमंत्री जी से भी और आदरणीय मंत्री जी से मांग करूंगा कि मुटेशन पर जो रोक लगी हुई है। उसको हटाया जाए यदि किसान की मृत्यु हो जाए तो जो भी

किसान के लीगल हियर्स हैं उनके नाम पर जमीन ट्रांसफर की जाए। आदरणीय अध्यक्ष जी दिल्ली में जब किसानों की जमीन एक्वायर की जाती है तो उसके बदले में किसानों को अल्टरनेटिव रेजिडेंन्शियल प्लॉट दिये जाते हैं। दिल्ली में हजारों लोगों ने हजारों किसानों ने लैंड एण्ड बिल्डिंग डिपार्टमेंट में ऑल्टरनेटिव रेजिडेंन्शियल प्लॉट के लिए आवेदन किया हुआ है। हजारों केस लैंड एण्ड बिल्डिंग डिपार्टमेंट में पेंडिंग पड़े हैं। लैंड एण्ड बिल्डिग डिपार्टमेंट का काम केवल डीडीए को ये बताना है कि हाँ फला किसान की जमीन एक्वायर हुई है उसका मुआवजा किसान ने ले लिया है और सरकार ने पजेशन ले लिया है तो लैंड एण्ड बिल्डिंग डिपार्टमेंट यदि डीडीए को ऑल्टरनेटिव रेजिडेन्शियल प्लॉट देने के लिए रिकमेंड कर देगी तो दिल्ली के लगभग 52 हजार किसानों को अच्छी–अच्छी कॉलोनियों में ऑल्टरनेटिव रेजिडेन्शियल प्लॉट मिल जायेंगे। मैं आपके माध्यम से इस मामले में आदरणीय मुख्यमंत्री जी इंटरवीन करें और जितने मामले लैंड एण्ड बिल्डिंग डिपार्टमेंट में किसानों के पेंडिंग पड़े हैं उनको जल्दी–से–जल्दी उनको क्लीयर करवायें। डीडीए के पास रिकिमेन्डेसन भिजवायें जिससे कि हम डीडीए से बातचीत करके किसानों को आल्टरनेटिव रेजिडेन्शियल प्लॉट दिलवा सकें। ये ही मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता था। अध्यक्ष जी आपने मुझे समय दिया बहुत–बहुत धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** 12 बज गये हैं पूरे। ये आज सबसे ज्यादा शांतिपूर्वक चला 22 टेकअप हुए। मेरे कार्यकाल में ये सबसे अच्छा

समय रहा है। मैं माननीय साथियों को इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** ये परम्परा मत डालिए। ये परम्परा डाल दी तो फिर एण्डलेस होगा। नहीं प्लीज।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** ये मैंने आज का समय बढ़ाया, ये एण्डलेस होगा, एण्डलेस।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं प्लीज। अल्पकालिक चर्चा..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं मैं कोई समय नही बढ़ा रहा हूँ प्लीज।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** पहले आठ नहीं आते थे आज 22 आ गए ये कम बात है क्या।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं अब नहीं प्लीज।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** ये जनरल पर्पज कमेटी पास करेगी। मान लीजिए टेकअप करिये। चलिए अब,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** हां मैं दे रहा हूँ भई आ रहा हूँ। मुझे प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों से नियम 55 के अतंर्गत अल्पकालिक चर्चा की सूचनायें प्राप्त हुई हैं। आज पहले से ही एक अल्पकालिक चर्चा सूचिबद्ध है। मैं पूर्व में भी ये बता चुका हूँ कि कार्यसूची में सूचिबद्ध विषयों के अलावा किसी अन्य विषय पर चर्चा नहीं किया जायेगा। इसलिए किसी भी सूचना को मैं स्वीकार नहीं कर पाऊंगा। सदस्य इस बारे में भलीभांति परिचित हैं और सदन का समय खराब न करें।

**श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः** अध्यक्ष जी, हमारा एक.

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** हो गया प्लीज।

**श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः** तीन साल में हमारा एक भी शार्ट ड्यूरेशन डिस्कशन एस्केप्ट नहीं हुआ.. तो आदरणीय अध्यक्ष जी आप विधान सभा का रिकॉर्ड उठाकर देखिए।

**माननीय अध्यक्षः** भई ये कल का आया हुआ है मेरे पास, ये.

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** ये कल का मेरे पास आया हुआ है, ऑलरेडी आया हुआ है कल का। कल ही मैंने आदेश दिया।

...व्यवधान...

**श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः** मैंने तो 14 तारीख को दिया है.

**माननीय अध्यक्षः** चलिए।

**श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः** ये तो कल आया है मैंने तो 14 तारीख को दिया है आदरणीय अध्यक्ष जी।

**माननीय अध्यक्ष महोदयः** कल ले रहा हूँ आपका।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** बैठिए, प्लीज।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं देखिए बिधूड़ी जी, जो मैंने डिसीजन ले लिया, ले लिया, प्लीज। मेरी हाथ जोड़ के रिक्वस्ट है।

...व्यवधान...

**श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः** मैं कहता हूं कि आप यदि 4 शार्ट ड्यूरेशन डिस्कशन

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** कल आपने अविश्वास प्रस्ताव का दिया हुआ है वो मैं टेकअप कर रहा हूँ आपका।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** कल अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया हुआ है ना आपने।

**श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः** हां जी,

**माननीय अध्यक्षः** वो मैं कल टेकअप कर रहा हूँ।

**श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः** ठीक है अध्यक्ष जी लेकिन ये तो.

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं वो अब हो गया है। कल टेकअप कर रहा हूँ। अब ये ना कहें टेकअप नहीं करा। कर रहा हूँ मैं, बैठिए प्लीज।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** श्रीमान मदन लाल जी शुरू करिये भई।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिए, मदनलाल जी शुरू करिये प्लीज।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** शुरू करिये।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** धन्यवाद अध्यक्ष महोदय आपने मुझे रूल 55 के तहत..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** बैठिए।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** कल, कल इस विषय पर बजट में खूब चर्चा हो चुकी है।

**श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः** दिल्ली विधान सभा से रिलेटिड नहीं है।

**माननीय अध्यक्षः** कोई बात नहीं।

**श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः** जिस शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन का आपने..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** ये प्राईवेट कंपनी है, ये प्राइवेट कंपनी है, और दिल्ली के बहुत लोग हैं जो एलआईसी से जुड़े हुए हैं।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** एक सेकेंड,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** एक सेकेंड भई आप बोलेंगे तो कैसे काम चलेगा।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** भई आप बोलेंगे..

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** अध्यक्ष महोदय, इन्हें बाहर मत निकलने देना। अध्यक्ष महोदय, इनको बाहर मत निकलने देना।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** हां मैंने रूल देख लिया है। मैं दे रहा हूं इसपे व्यवस्था। मैं इसपे डायरेक्शन दे रहा हूं। मैंने पढ़ लिया है। सबकुछ पढ़ने के बाद मैंने एक्सेप्ट किया है। अब मदन लाल जी, बैठिये। दो मिनट, मैं इनको रूलिंग दे दूं।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** बैठिये प्लीज।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** मैं रूलिंग दे रहा हूं आप बैठिये। मैं रूलिंग दे रहा हूं इस पर आप बैठिये।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** सुनेंगे या नहीं सुनेंगे।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** हां मैंने देख लिया है। मैंने देख लिया है सब। अब मैंने देख लिया है सारा भई। सब देख लिया है मैंने। मैंने देख लिया है सारा। मैं तभी बोल रहा हूं।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिये। आपने बोल लिया, आप लिख के दे दीजिये मैं, मुझे लिख के दे दीजिये। मैं इस पर डायरेक्शन दे दूंगा।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आप बैठिये।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के लोगों का करोड़ों रूपया अडानी ग्रुप ने खा लिया है..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** बैठिये, बैठिये। मैं माननीय सदस्यों से प्रार्थना कर रहा हूं बैठिये।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** क्या दिल्ली के लोगों ने अडानी की कंपनियों में शेयर का पैसा नहीं लगाया हुआ?

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** ये दिल्ली के लोगों के साथ विश्वासघात है. .

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** दिल्ली के लोगों ने शेयर का पैसा नहीं लगाया हुआ है। आप सुनेंगे अब। क्या दिल्ली के लोगों का अडानी की शेयर कंपनियों में लगा पैसा डूब नहीं गया?

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** पैसा दिल्ली के लोगों का भी है।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** बैठिये। कौन करेगा दिल्ली के लोगों की रक्षा।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** ये दिल्ली के लोगों का भी पैसा है।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** दिल्ली की जनता का पैसा डूबा है। दिल्ली की जनता का पैसा डूबा है।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** बैठिए। चलिए मदन लाल जी।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** भई ये चर्चा हो रही है। आपको बैठना है बैठिये, मैं डिस्टर्ब नहीं होने दूंगा। मैं हाथ जोड़ के प्रार्थना कर रहा हूं बैठिये, बैठिये।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** दिल्ली के लोगों का पैसा डूब जाये मैं आंखें बंद रखूं? एलआईसी में डूब जाये दिल्ली के लोगों का पैसा..

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** चर्चा में भाग ले लेना आप भी।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** बैठिये।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** आप भी चर्चा में भाग ले लेना, आपको मौका देंगे

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** मदन लाल जी बोलिये। बोलिये प्लीज बोलिये।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** धन्यवाद।

...व्यवधान...

(प्रतिपक्ष के सदस्यों द्वारा नारेबाजी की गई।

**माननीय अध्यक्षः** देखिये, महाजन जी, मैं चेतावनी दे रहा हूं आप नारेबाजी कर रहे हैं, आप बैठ जाईये। मैं चेतावनी दे रहा हूं।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आपको चेतावनी दे रहा हूं। चेतावनी दे रहा हूं आपको।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चेतावनी दे रहा हूं आपको।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** मदन जी बोलिये।

**श्री मदन लालः** अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। सबसे पहले तो मैं धन्यवाद करना चाहूंगा हमारे विपक्ष के साथियों का और साथ के साथ एलओपी महोदय का कि उन्होंने हम पर कृपा की है और XXX1 और अडानी के नेक्सस को सुनना स्वीकार कर लिया है। आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

...व्यवधान...

(प्रतिपक्ष के सदस्यों द्वारा पुनः नारेबाजी की गई।)

**माननीय अध्यक्षः** मार्शल्स महाजन जी को बाहर करें। मार्शल्स महाजन जी को बाहर करें। मैं रूलिंग दे रहा हूं न। आप सुनने तो दें। मैं रूलिंग दे रहा हूं। मैंने सुन लिया है, मैंने सुन लिया है। मैंने सुन लिया है। आप बैठाईये सबको। मदन जी, मदन लाल जी।

**श्री मदन लालः** सर। बैठने दो। सर बैठने दो।

**(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार मार्शल्स द्वारा श्री जितेंद्र महाजन को सदन से बाहर ले जाया गया।)**

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आप प्रधान मंत्री का नाम न लीजिये, प्रधान मंत्री शब्द इस्तेमाल करिये।

**श्री मदन लालः** सर नहीं लेंगे।

**माननीय अध्यक्षः** प्रधान मंत्री बोल लीजिये। लेकिन 'मोदी' शब्द इस्तेमाल न करें। ये कार्यवाही से 'मोदी' हटा दिया जाये।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** सर नहीं लेंगे।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** अब मैं रूलिंग दे रहा हूं आप सुनने को तैयार नहीं है। मैंने बोल दिया है, मैंने बोल दिया है मोदी का नाम हटा दिया जाये। प्रधान मंत्री, वहां प्रधान मंत्री बोला जाये। ऐसे नहीं, बैठिये। चलिये। माननीय सदस्य ध्यान रखेंगे। चलिए।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** सर, अध्यक्ष महोदय आपके आदेशानुसार

...व्यवधान...

(प्रतिपक्ष के सदस्यों द्वारा पुनः नारेबाजी की गई।)

**माननीय अध्यक्षः** वो चाहते हैं शोर मचे, चर्चा न हो।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** अध्यक्ष महोदय आपका बहुत बहुत धन्यवाद और आपके आदेशानुसार मैं बिल्कुल उनका नाम नहीं लूंगा जो इस सारे षडयंत्र के पीछे है। बिल्कुल नहीं लूंगा।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** अरे भई कौन बोला है ये?

**श्री मदन लालः** महोदय,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं क्यों बोल रहे हैं ये। मैं हाउस 15 मिनट के लिये एडजर्न करता हूं।

...व्यवधान...

(सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिये स्थगित की गई।)

**सदन अपराह्न 12.28 बजे पुनः समवेत हुआ ।**

**माननीय अध्यक्ष महोदय (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।**

**माननीय अध्यक्षः** माननीय सदस्यों गणों से प्रार्थना है इस चर्चा में नाम ना उच्चारण किया जाए, मेरी प्रार्थना है। चलिए मदनलाल जी।

**श्री मदनलालः** धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, और आपने मुझे नियम 55 के तहत अडानी के इस देश को लूटने के मुददे पर देश की जनता के साथ-साथ जिस तरीके से दिल्ली के लोगों को लूटा गया है, जिस तरीके से सरकार को लूटा गया है उस पर चर्चा करने के लिए मुझे इजाजत दी है उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता

हूं। अध्यक्ष महोदय, लास्ट पैन्डेमिक जो 2022 में कोरोना वायरस के कारण हुआ जिसमें लाखों लोग मरे। दुनिया के हर बिजनैस मैन ने अपना बिजनैस खोया, केवल एक आदमी इस धरती पर था जो दुनिया का तीसरा रिचैस्ट आदमी बन गया। ये केवल और केवल इसके पीछे कारण था कि जिनका हम नाम नहीं ले पा रहे हैं उनकी दोस्ती थी अगर आप देखें तो ब्लूम बर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा कि टॉप टेन में उनका नाम आ गया when the deadly virus was killing in 2022 अगर हम जानें कि ये कैसे हो गया तो हमको जानना चाहिए कि एक छोटे से टैक्सटाइल मर्चेंट परिवार में जन्मे अडानी जी का जो नैक्सेस है बिजनैस मैन और पोलिटिशियन का ये केवल उसकी वजह थी 2002 में when he was the Chief Minister of गुजरात, दोस्ती हो गई अब चीफ मिनिस्टर से दोस्ती हो गई तो आप समझो कुछ भी हो सकता है। यही कारण था कि जब सब लोगों का बिजनैस डाउन हो रहा था, केवल वही पनप रहे थे।

**श्रीमती राखी बिरला:** कहां के चीफ मिनिस्टर।

**श्री मदनलाल:** गुजरात के।

**श्रीमती राखी बिरला:** अच्छा।

**श्री मदनलाल:** मैं बता दूंगा, आहिस्ता-आहिस्ता बताउंगा। मैंने 2002 कहा।.. मैं माननीय सदस्यों से..

**माननीय अध्यक्षः** राखी जी इस विषय पर चर्चा नहीं हो पाएगी।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** मैं निवेदन करूंगा आहिस्ता-आहिस्ता आ रहा हूं। 2002 में जब गुजरात में वॉयलेंस हुए और उस समय वो चीफ मिनिस्टर थे, दुनिया में किरकिरी हुई। लोगों को लगा ये प्रायोजित था, लोगों को लगा ये state sponsored था और सारी दुनिया में इसकी चर्चा हुई और अपनी..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** भई आप चर्चा में भाग लेके बोलिए ना?

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आप चर्चा में लीजिएगा। आपकी बारी आएगी जब बोलिएगा। आपकी बारी आएगी जब बोलिए। नहीं बिधूड़ी जी, बिधूड़ी जी ऐसे नहीं।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** ऐसे नहीं।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** सुप्रीम कोर्ट का आज का ही निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट का आज का ही निर्णय है गुजरात में रेप किए जिन

लोगों को छोड़ा गया है। सुप्रीम कोर्ट का कल का निर्णय है। कल का निर्णय है..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आप देखिए अखबार उठा के, आप देखिए अखबार उठा के।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** बैठिए आप, बैठिए, आपके विपक्ष के लोगों की बारी आएगी उसमें बोलिए आप।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आपको चर्चा में भाग लेना है ना। चर्चा में भाग नहीं लेना क्या? चर्चा में भाग लेना है ना? चलिए

...व्यवधान...

**श्री मदनलालः** अध्यक्ष महोदय, गुजरात में सत्ता में बैठे लोगों की बहुत किरकिरी हुई। अब अपनी इमेज को सुधारने के लिए तत्कालीन सरकार ने वाइब्रेंट गुजरात के नाम पर एक वर्ल्ड समिट की पूरी दुनिया के देशों के साथ मिलकर, दुनिया के लोगों को इनवाइट करके वाइब्रेंट गुजरात करके एक समिट ओरगनाईज की और ओरगनाईज करने के पीछे केवल एक आदमी का सहारा लिया गया वो अडानी था।

...व्यवधान...

**श्री मदनलालः** भाई मेरे बाद बोल लेना कोई दिक्कत नहीं।

**माननीय अध्यक्षः** आप अपनी बात बोलते रहिए। उनको बोलने दीजिए प्लीज। आपको अपनी बात बोलते रहिए।

**श्री मदनलालः** और उसके बाद प्रायोजित तरीके से स्पॉन्सर्ड तरीके से गुजरात मॉडल के नाम पे दुनिया को बहकाया जाने लगा। ये वो समय था जब 2014 का इलैक्शन नजदीक था।..

**माननीय अध्यक्षः** कुलदीप जी, देखिए मैं बीच में कोई कमेंटस नहीं चाहता हूं।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं आप कमेंटस क्यों कर रहे हैं बीच में किसी के लिए भी।

**श्री मदनलालः** अध्यक्ष महोदय 2014 का इलैक्शन आया और गुजरात मॉडल के नाम पर अडानी ग्रुप की मदद से वो इलैक्शन जीत लिया गया, 2014 का।

...व्यवधान...

**श्री मदनलालः** 2014

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिए, चलिए।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** मेरी बात सुनिए, आप उस चर्चा का उत्तर दीजिएगा ना, चर्चा का उत्तर में लीजिएगा आप। आप अपनी बात रखिएगा। आप अपने..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिए मदन लाल जी, मदन लाल जी।

**श्री मदनलालः** सर, थैंक्यू।

**माननीय अध्यक्षः** विषय पर रखिए आप। आप मेन विषय पर रखिए।

...व्यवधान...

**श्री मदनलालः** Sir soon thereafter 2014 के तुरंत बाद से..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** राखी जी ऐसे तो चर्चा नहीं हो सकती।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** अरे आप भी तो, आपके सब लोग केजरीवाल, केजरीवाल नारे लगा रहे हैं। आपके सब लोग केजरीवाल नारे नहीं लगा रहे, नाम नहीं ले रहे आपके सब लोग। सब लोगों ने नाम नहीं लिया केजरीवाल जी का। क्या-क्या नाम लिया आप लोगों ने।

क्या-क्या बोला है, आप भी उसमें सम्मिलित हैं। वो बोलते हैं तो दर्द होता है, परेशानी होती है।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** हाँ बैठ जाइये।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** चलिए।

...व्यवधान....

**श्री मदनलालः** अध्यक्ष महोदय,

...व्यवधान....

**श्री मदन लालः** अध्यक्ष महोदय, मैं अपने आपको संयम करने की पूरी कोशिश कर रहा हूं, धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, उनके प्रधानमंत्री बनते ही अडानी जी ने दिन-रात, दिन दुनी और रात चौगुनी तरक्की करनी शुरू कर दी क्योंकि ये एक ऐसा वाक्या था जिसके कारण दुनिया को लगा कि अब अडानी इस देश पर परोक्ष रूप से शासन करेगा, परोक्ष रूप से, भाई साहब।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** भई मेरी बात सुनो ये ठीक नहीं है, आपको बारी मिलेगी आपको समय मिलेगा, आपने जो बात कहनी है नोट करनी है, इसके अंदर करिए।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** मैंने बोल दिया ना। भई आप गुजरात के दंगों की तो चर्चा कल सुप्रीम कोर्ट ने की है, अखबार पढ़ लीजिए।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** बैठिए आप बैठिए, बैठिए।

...व्यवधान....

**श्री मदनलालः** अध्यक्ष महोदय, फाइनेंसियल टाइम्स ने क्या लिखा, एक बहुत रैपूटिड अखबार है, उसने लिखा He मैं नाम नहीं ले रहा हूं क्योंकि आपने मुझे आदेश दे रखा है नाम नहीं लेना। The Prime Minister elected flew into the national capital from Gujarat in Adani's private jet. ये पूरी हैडलाइनस थी, अखबारों की और फाइनेंसियल टाइम्स अगर इतना लिख रहा है तो दुनिया को लगा की अब ये आदमी है जो हिंदुस्तान पर परोक्ष रूप से ही सही पर बिजनेस करना हो तो केवल इनसे करो, अगर फॉर्चून बनाना है तो इनसे मिलो, क्योंकि हिंदूस्तान की सरकार अब इनके कब्जे में है, इनके हाथ में है और आज के दिन उनका जहाज कितना है पता है। जो कभी अडानी के प्राइवेट जैट में दिल्ली आए प्रधानमंत्री बनने को, आज 8 हजार करोड़ के जहाज में सफर करते हैं। ये एक ऐसा सिंबल था जो उनके दोनों के concurrent rise to power कर रहा था, दोनों की concurrent rise हो रही थी पावर में। अध्यक्ष महोदय, अलजजीरा ने एक और exposition

किया है एक और expose किया है इनका नैक्सस और उसने लिखा हाउ उनकी सरकार gave business favours and tweaked the laws to benefit Adani"s boosting his coal business, despite supreme court ruling.

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** भई बिधूड़ी जी ऐसे, ऐसे नहीं चलेगा, आप आप जवाब दीजिएगा ना, आपको किसने, आप भी चर्चा में भाग लीजिएगा, चर्चा में भाग लीजिएगा, चर्चा में भाग लीजिए, बात करिएगा, चर्चा में भाग लेकर बात कर,

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** नहीं,

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** आपने चर्चा में भाग लेना है ना, उस वक्त बोलिएगा। नोट करिए।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** कहाँ पाकिस्तान का नाम लिया उन्होंने। कब पाकिस्तान का नाम लिया है। पाकिस्तान, कब पाकिस्तान का नाम लिया है। आपको तो या तो पाकिस्तान दिखाई देता है, कुछ भी बोले पाकिस्तान दिखाई देता है। चलिए अब चलिए, मदन लाल जी वो बड़े संयम से चल रहे हैं।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** वो बहुत संयम चल रहे हैं, पूरा संयम चल रहे हैं। आप जवाब दीजिएगा ना। जब आपकी बारी आएगी आप जवाब दीजिएगा।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिए।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** भई बिधूड़ी जी आप बोलने नहीं दे रहे हैं, आप बोलने नहीं दे रहे हैं। मैं, देखिए..

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** आप चर्चा में भाग लेंगे ना, उस चर्चा में अपनी बात रखिये नोट कर लीजिए।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** नहीं आप जब बोलेंगे वो शोर मचाएंगे। नहीं आप जब बोलेंगे तब आपको पीड़ा होगी वो शोर मचाएंगे। अब मदनलाल जी, आप बोलिएगा ना, आप जब चर्चा में भाग लेंगे बोलिएगा ये बात, कौन रोक रहा है, आपको कौन रोक रहा है।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** नहीं आप इस ढ़ंग से डिस्टर्ब करेंगे तो एक-एक मैंबर डिस्टर्ब करेगा उनका भी। अब..

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** नहीं आपने जो करना है करिये। नहीं आपको हाउस छोड़कर जाना है चले जाइये। आप..

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** बैठिए, चलिए। मदनलाल जी।

...व्यवधान....

(विपक्ष के सदस्यों द्वारासदन मे नारे बाजी की गई।)

**माननीय अध्यक्षः** अब पाकिस्तान कहां से आ गया।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** बिधूड़ी जी, अब बैठिए।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** अब क्या बोला है उन्होंने, कौन सी ऐसी चीज..

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** क्या बोला है, उन्होंने 'पाकिस्तान' का शब्द, 'पाकिस्तान' नाम का शब्द बोला है उन्होंने? 'पाकिस्तान' का शब्द

बोला है उन्होंने? क्या बात करते हो। हर आदमी का मुंह बंद करते हो 'पाकिस्तान' के नाम से। ये पाकिस्तानी हो गए। जब देखो तब मुंह बंद करते हो। बैठिए प्लीज।

...व्यवधान....

**श्रीमती राखी बिरला:** अध्यक्ष जी, इन्होंने हमारे एक सदस्य की भाषा को बोल रहे हैं पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं, ये रिकॉर्ड में नहीं आना चाहिए।

...व्यवधान....

**श्री मदन लाल:** अध्यक्ष महोदय, कृपया मुझे सुन ले।

...व्यवधान....

(विपक्ष के सदस्यों द्वारा सदन मे नारे बाजी की गई।)

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्ष:** मैं माननीय सदस्यों से प्रार्थना कर रहा हूं। बिधूडी जी बैठिये, दो मिनट सुन लीजिए। माननीय सदस्यगण बैठिये। बैठिये-बैठिये। मैं खड़ा हूं, बैठिये। दो मिनट बैठिये, बैठिये प्लीज। बैठिये। दो मिनट बैठिये। मैं माननीय विपक्ष के सदस्यों को जानकारी देना चाह रहा हूं। अपनी जानकारी को दुरूस्त कर लें। 'अल जजीरा' अखबार जो है पाकिस्तान का अखबार नही है। ये अखबार इरान का है। आप अपनी जानकारी को दुरूस्त कर लें। अब समय न, नहीं। 'अल जजीरा' अखबार पाकिस्तान का नहीं है, वो ईरान

का अखबार है और आपको जानकारी नहीं है, सदन को गुमराह मत करिये।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** बिधूडी जी, मैं ऐसे नहीं बात करूंगा।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** आपने बोला वो पाकिस्तान का अखबार है मैने रूलिंग निकाल दी। अब आप बैठेंगे या नहीं ये बताओ। आप बैठेंगे, सुनेंगे, बैठेंगे या नहीं?

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** अब ये चर्चा होने देनी है या नहीं। चर्चा प्रवीण जी होने देनी है या नहीं।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** राखी जी, राखी जी मैं वार्निंग दे रहा हूं। मैं बहुत सख्ती से वार्निंग दे रहा हूं। आप चर्चा नहीं करवाना चाहते क्या इस पर। उनके जतंच में आ रहे हैं आप। मदन लाल जी चालू करिये।

...व्यवधान....

**श्री मदन लालः** अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** मदन लाल जी बोलिये आप।

...व्यवधान....

**श्री मदन लालः** अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं अपने माननीय सदस्यों से रिक्वेस्ट करूंगा कृपया मुझे सुन लें। 'अल जजीरा' पाकिस्तान का नहीं था, जिसने ये कहा, ये कतर का है,

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** आप फिर क्यों, मदन लाल ली चालू करिये आप। बैठिये।

...व्यवधान....

**श्री मदन लालः** अल जजीरा ने कहा..

...व्यवधान....

**श्री मदन लालः** अल जजीरा exposed, how he, Hon'ble Prime Minister, Government gave business favours and tweaked laws….

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आप बोलिये बोलिये।

...व्यवधान...

(विपक्ष के सदस्यों द्वारा सदन मे नारे बाजी की गई।

**माननीय अध्यक्षः** मैं नाम ले रहा हूं। मैं नाम ले रहा हूं।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** न, मैं कोई, जो आपने बोला मैंने... किसी, कहीं भी अखबार में कोई लिख सकता है। मैं वार्निंग दे रहा हूं अब। मैं वार्निंग दे रहा हूं, ये समझ लीजिए अब।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं आधा घंटा, एक घंटा खराब हो चुका है। सदन का एक घंटा खराब हो चुका है। अब बैठिये।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिये, मदन लाल जी शुरू करिये।

**श्री मदन लालः** सर थैंक यू वैरी मच अध्यक्ष महोदय।

**माननीय अध्यक्षः** आगे बढ़िये इससे आगे बढ़िये।

**श्री मदन लालः** अध्यक्ष महोदय, he tweaked, the laws were tweaked to benefit Adani's…

....व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** भई उनको बोल लेने दो।

**श्री मदन लालः** boosting his coal, despite Supreme Court Ruling cancelling 204 coal minings. तो सुप्रीम कोर्ट को भी बाइपास करके उनको ठेका दिया गया क्योंकि वहां दोस्ती निभानी थी।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** भई ऐसे नहीं काम चलेगा।

**श्री ओम प्रकाश शर्माः** कैसे चलेगा?

**माननीय अध्यक्षः** मुकदमा नहीं किया,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** कोई बात हुई। झूठ बोल रहे हैं तो आप नोटिस दीजिएगा प्रिविलेज का अगर झूठ बोल रहे हैं प्रिविलेज का नोटिस दीजिए आप। ऐसा नहीं चलेगा। आप मुख्यमंत्री बोलें तब बीच में टोकाटाकी करें, चलिए।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** अध्यक्ष महोदय, 2024 के तुरंत बाद अडानी का फार्चून 230 परसेंट बढ़कर 26 बिलियन डालर्स हो गया जो अपने आप में एक बहुत बड़ी छलांग थी। फाइनेंशियल टाइम्स ने लिखा एज आपने मुझे नाम लेने के लिए मना कर रखा है इसलिए मैं नाम नहीं लूंगा,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आप बार-बार रिपीट मत करो।

**श्री मदन लालः** एज ही।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिये।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** अडानी के बारे में एक शब्द लिखा His Rockefeller ये फाइनेंशियल टाइम्स ने लिख दिया कि अचानक इतनी बड़ी वृद्धि और 2014 से 2019 वो पहले 5 साल पार्लियामेंट के उनका नंबर 11 से सेकेंड रिचेस्ट इन इंडिया हो गया। हिन्दुस्तान के पर्दे पर वो दूसरे नंबर के अमीर हो गये जो ग्यारहवें नंबर पर थे, केवल 5 साल में और उनका फार्चून जो पहले 50.4 हजार करोड़ था वो 1.1 लाख करोड़ हो गया। सबके बिजनेस डाउन आ रहे थे, सब लोग हायतौबा मचा रहे थे, सरकारों के फाइनेंशियल कंडीशनंस खराब होने के कारण विकास के कार्य रुक गये थे, लोग छोटी-छोटी बातों पर और हमें अच्छी तरह याद है सरकारों के पास पैसे खत्म हो गये थे क्योंकि लोगों की जान बचाने के लिए मेडिकल इक्युपमेंट भी उस समय उपलब्ध नहीं हुए, आक्सीजन उपलब्ध नहीं हुई। 2023 में अध्यक्ष महोदय, 24 जनवरी, 2023 से पहले यह सिलसिला लगातार चलता रहा और एक आदमी की मदद से इस पूरे देश पर नहीं बल्कि दुनिया पर शासन करने लगा। 24 जनवरी, 2023 को अचानक एक वॉच डॉग हिडन बर्ग ने एक रिपोर्ट छाप दी कि जो हो रहा है वो गड़बड़ है सारा का सारा मेन्युप्लेशन का खेल है और उसके तुरंत बाद..

**श्री ओम प्रकाश शर्माः** ये तो बताओ कौन है?

**श्री मदन लालः** कोई बात नहीं बता देंगे कौन है। उसके तुरंत बाद 110 बिलियन का लॉस 110 बिलियन डालर्स का लॉस एक वीक में अडानी ग्रुप को हो गया। अब आप सोचो कितना बड़ा फार्चून बना लिया झूठ बोलकर, लोगों को धोखा देकर सरकार की मदद से, सत्ता की मदद से। एक वीक के बाद अब हम ये पूछते हैं जब कि हिडन बर्ग कौन है तो हिडन बर्ग अगर कुछ था ही नहीं, अगर हिडन बर्ग नाम का कोई आदमी नहीं था, तो ये 110 बिलियन डालर्स एक वीक में वो नीचे कैसे आ गये, क्यों आ गये। हिन्दुस्तान में तो नहीं हुआ था सारी दुनिया में हुआ है।

...व्यवधान....

**माननीय अध्यक्षः** भई अजय महावर जी ये ठीक नहीं है। अगर अडानी इतना सच्चा था हिडन बर्ग पर मुकदमा क्यों नहीं किया, क्यों नहीं मुकदमा किया उसने। आप बोले जा रहे हैं, पूरा देश परेशान है। गुंडागर्दी नहीं चल पाएगी ये और फिर ये टोकेंगे तो फिर बोलेंगे मुझे। जब आपकी बारी आएगी बोलने की ये सब टोकेंगे, सब टोकेंगे ये, बीच-बीच में कमेंट्स करेंगे और मैं आज रोकूंगा नहीं ये अगर कमेंट्स करेंगे तो, मैं बिलकुल नहीं रोकूंगा जब आपकी बारी आएगी, बैठिये।

...व्यवधान...

**श्री मदन लालः** और उसके बाद अध्यक्ष महोदय उनका जो 19.18 ट्रिलियन रुपये का जो खजाना था 24 जनवरी, 2023 तक

वो गिरकर 3 फरवरी, 2023 को मात्र 10.7 लगभग आधा रह गया वो आधा झूठ फरेब और बेईमानी से कमाया हुआ रुपया था जिसको लोगों ने विश्वास खत्म होने के बाद इतना घाटा पहुंचाया और सेबी क्या कर रही थी। अध्यक्ष महोदय, सेबी की जिम्मेदारी है वॉचडॉग है सरकारी संस्था है केवल उनका काम यही है कि कोई किसी फाइनेंशियल फ्राड तो नहीं कर रहे हैं कोई गड़बड़ तो नहीं कर रहे हैं। हर कंपनी पर नजर रखती है उन्होंने तो कुछ नहीं किया क्योंकि वो नेग्लीजेंट थे और नेग्लीजेंट कोई वैसे ही नहीं होती सरकारी संस्था जब तक ऊपर के आदेश न हों, जब तक आंख बंद न कराई जाए। स्टेट बैंक आफ इंडिया, एलआईसी और तो और जो लोग बेचारे रिटायरमेंट के बाद अपना पैसा चाहते हैं प्रोवीडेंट फंड का उन सबका सारा का सारा पैसा अडानी ग्रुप की तरफ डायवर्ट होता गया। ये नेक्सस था सत्ता का और पॉलीटिशियंस का और बिजनेसमैन का। यहां यही कारण था की मिचुअल बेनिफिट दो लोगों के होते रहे, एक को पैसा चाहिए था इलेक्शन के लिए, सत्ता पाने के लिए, दूसरे को पैसा चाहिए था अपनी इम्पायर को बढ़ाने के लिए और वो इम्पायर के पैसे से फिर सत्ता को दिलवाने के लिए इस्तेमाल करने का। अडानी ग्रुप हिडन बर्ग की रिपोर्ट के बाद जो पहले तीसरे स्थान पर थे अड़तीसवें स्थान पर जा पहुंचे। आप सोचो पैतीसवां स्थान उन्होंने कैसे जंप कर लिया होगा। ये लोगों की आंख में धूल झोंकना था। अध्यक्ष महोदय, एलआईसी का 98.9 प्रतिशत पैसा अडानी ग्रुप पर है।

ऐसा देश जहां 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने की जरूरत पड़ रही हो, ऐसा देश जहां लोगों के विकास पर खर्च करने के लिये पैसे ना हों, लाखों करोड़ ऐसे लोगों के कर्ज़ माफ किये जा रहे हैं और वो कर्ज़ माफी के पीछे क्या कारण है, वो कर्ज़ जो माफ करा जा रहा है वो कर्ज़ का पैसा कहां गया जो माफ हो रहा है, वो किसका बंटवारे में आ रहा है? सर, कल सी. एम. साहब ने एक कविता पढ़ी थी मैं उसे जरूर पढ़ना चाहूंगा क्योंकि मुझे दो-तीन लोगों ने सुना दी, कहता भई कमाल है सी.एम. साहब कविता भी पढ़ लेते हैं, पर ये कविता बड़ी गजब थी। कहता है सबको पता है क्या हो रहा है पर फिर भी वो कविता जरूर पढ़ना। तो सर मैं आपकी इजाज़त से वो कविता जरूर पढ़ना चाहता हूं क्योंकि दिल को छू गई है। वो कविता थी,

घर-घर नाले घर-घर गैस
जिसकी लाठी उसकी भैंस
पकेगा पकौड़ा पकेगी चाय
स्कूल, अस्पताल भाड़ में जाये
अध्यक्ष महोदय,
आम आदमी से मन की बात
और अपने भाई से धन की बात
भई कमाल हो गया।

वाह रे साहब तेरा खेल

ईमानदार को हो गई जेल।

कोई ऐसा है इस देश में जो अडानी जी के जो अभी पीछे port में क्या हुआ था पता नहीं कितने, कितने,.. 30 हज़ार करोड़ की,.. 375 किलो हिरोइन अच्छा हेरोइन, ड्रग्स हमने सोचा 300 मैंने सोचा 375 हिरोइन पकड़ी गईं 375 हेरोइन। सर, एयरपोर्ट खरीद लिये, देश के रेलवे स्टेशन खरीद लिये, वपस refineries खरीद लीं, अरे भाई अब देश खरीदोगे क्या? तो सर हमने तो तौबा कर ली है। 2024 तक तो काटना पड़ेगा, मई 2024 के बाद उम्मीद है ऐसे लोगों से छुटकारा मिलेगा। मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं आपने मुझे इस मौके पर इस प्रश्न को उठाने की, ये बहुत ज्वलंत एक समस्या है इस देश के सामने कि देश को लूटा जा रहा है, उठाने के लिये मुझे मौका दिया मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

**माननीय अध्यक्षः** श्री संजीव झा जी।

**श्री संजीव झाः** बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, नाम पर सवाल खड़े हो रहे हैं तो मुझे किसी का शेर याद आ गया कि

‘‘मेरे जुबां पर जो तेरा नाम नहीं

इसको माफी समझ लेना इंतकाम नहीं’’

अध्यक्ष महोदय, जब ये चर्चा की बात हो रही थी तो कल मैं रिसर्च करने के लिये, जानकारी इकट्ठा करने के लिये बैठा और जब मैं जानकारी इकट्ठा करने लगा तो रात की मेरी नींद हराम हो गई और मुझे लगा कि आज तक के इतिहास का इस देश का सबसे बड़ा स्कैम अडानी ने इस देश के साथ किया है। ताज्जुब तब हुआ जब वो रिपोर्ट hinden berg की आई और उसके बाद सारे स्टॉक धाराशाही हो गया। तो कई सप्ताह तक hash tag चला कि 'I stand with adani.' तो हमने सोचा कि ये "I stand with adani" का hash tag चलाने वाले लोग कौन हैं, क्या ये अडानी के इम्प्लॉई हैं, क्या उनके वो इन्वैस्टर हैं, क्या वो इस देश के बैनिफिशरी हैं? तो मैंने थोड़ा और पलटना शुरू किया, हमने पहले ये देखा कि अडानी के इम्प्लॉइज़ कितने हैं, तो मुझे पता चला कि पूरे देश में अडानी के इम्पलॉई 23 हज़ार हैं, केवल 23 हज़ार जबकि hash tag में tweet 10 million हुये हैं। हमने फिर देखा कि और जो इस देश की कम्पनियां हैं उसके कितने इन्वैस्टर्स हैं। मैं दो-तीन कम्पनियों का नाम लेता हूं बस। हमने ये देखा जब ये लिस्ट निकाला इम्प्लॉईज़ की तो 9 लाख इम्प्लॉई टाटा के हैं, 23 हज़ार अडानी के हैं 9 लाख टाटा के हैं, INFOSYS के 3 लाख हैं, रिलाइंस के ढाई लाख हैं, विप्रो के सवा दो लाख हैं और जो कभी विश्व का नंबर दो कम्पनी बना उसके इम्प्लॉई 23 हज़ार हैं,.. हाँ। उसके बाद फिर हमने ये देखा कि हो सकता है कि जब कोई कम्पनी बहुत ज्यादा टैक्स दे तो sympathiser के होते हैं कि उनके टैक्स

से हमारा, हमारे देश में फायदा हो रहा है। हमने देखा कहीं इसमें उसका नाम तो है कि नहीं है, हमने देखा कि एक साल में सबसे ज्यादा टैक्स रिलाइंस दिया 16 हज़ार 297 करोड़, एस.बी.आई. 13 हज़ार करोड़, टी.सी.एस., टी.सी.एस. हालांकि सारे ग्रुप को जोड़ दीजिये टी.सी.एस. का तो हो जाता है वो 40 हज़ार वो सबसे ज्यादा टी.सी.एस. का है, टाटा का है, एच.डी.एफ.सी. का 12 हज़ार करोड़ टॉप–10 में हमें कहीं अडानी का नाम नहीं मिला। हमने ये देखा कि अगर ये टॉप–2 विश्व का कम्पनी था तो फिर टैक्स कितना दिया है, प्रॉफिट कितना है इसका, 2022 में प्रॉफिट है 1,113 करोड़ रुपये। अब समझिये आप जो विश्व का दूसरे नबंर की कम्पनी है वो रिलाइंस जो जितना टैक्स भर रहा है उतनी उसकी प्रोफिट नहीं है तो फिर ये नंबर–2 की कम्पनी कैसे बन गई,.. हाँ, नंबर–2 की है तो अध्यक्ष महोदय थोड़े मैंने फिर और डिटेल में जानने की कोशिश किया। मैं बहुत पीछे नहीं जाता हूं। शुरूआत से हमारे साथी मदन लाल जी ने बताया है। क्या होता है कि मान लिजिए कोई पावर में आ जाए तो कहता है कि यार भाई अब तुमको जो करना है कर तेरी मौज है क्योंकि भाई के पास पावर है। 'सैंया भए कोतवाल तो डर काहे का'। तो हमने ये देखा कि मुद्रा पोर्ट जब प्रधानमंत्री जी सीएम थे गुजरात का तो मुद्रा पोर्ट में लगभग 16 हजार एकड़ जमीन मुद्रा पोर्ट को दिया गया यानि अडानी को दिया गया और 16 हजार एकड़ जमीन 1 रुपया के रेट पर दिया गया। मैंने देखा कि उसी रिजिम में किसी

और कम्पनी को दिया गया क्या, तो उसी रिजिम में उसी टाईम में लगभग 1100 रु0 पर मीटर के हिसाब से टीसीएस को दिया गया, 6 हजार रु0 पर मीटर के हिसाब से टोरंट को दिया गया और उसके बाद जितनी भी कंपनियां हैं, गुजरात सरकार ने 6 हजार से ऊपर के रेट पर जमीन दिया। तो फिर एक अडानी को कैसे एक रुपये पर मीटर के हिसाब से लैंड मिल गया। मैंने उसका कोस्ट काउंट कर रहा था तो लगभग वो 20 हजार करोड़ का कॉस्ट हो जाता है, उसका वो फ्री में मिल गया। फिर हमने ये देखा कि सीएजी का एक ओब्जर्वेशन था, उसमें गुजरात में फोरेस्ट लैंड को 2015 में लगभग 250 एकड़ फोरेस्ट लैंड दे दिया, जिस पर सैकड़ों करोड़ की पैनल्टी लगाया था एनवायरमेंट ने। फिर 2018 में 1500 एकड़ फोरेस्ट का लैंड दे दिया, एनवायरमेंट ने उसको रोका, न केवल फिर पैनल्टी लगाई लगभग 1000 करोड़ का, न केवल सारे पैनल्टी माफ कर दिया गया बल्कि वहां पर पोर्ट चलाने की इजाजत भी दे दी गयी, जो कि फोरेस्ट का लैंड था।

मेरे यहां एक कॉलोनी है वो ऐसे ही दिखा दिया कि रिज पर है। रिज रिवर के साइड होता है और हमने पूरी हिस्ट्री निकाल ली बुराड़ी की, रिज कहीं पर भी, वहां रिवर था ही नहीं, जंगल था वहां। उस रिज को ये साबित करने के लिए एग्रीकल्चर लैंड है, मुझे छः साल लग गये और सैकड़ों एकड़ फोरेस्ट लैंड ऐसे ही आनन-फानन में दे दिया गया। अब मैंने जब थोड़ी और तफतीश करने की कोशिश करी तो सरप्राइजिंग आंकड़े मुझे मिले। कोल

ब्लॉक का आबंटन हो रहा था, 2008 की बात है। कोल ब्लॉक के आबंटन को प्राईवेट प्लेयर को ऐसे दे दिया गया, रिजिम यूपीए का था।

2013 में सुप्रीम कोर्ट ने वो सारे 206 कोल ब्लॉक के आबंटन को रद्द कर दिया। रद्द इसलिए कर दिया कि प्राईवेट कम्पनी को एक्स्केबेशन एमडीओ कहते हैं, उसको मतलब माइनिंग, डेवलपिंग और ऑपरेटिंग कि माइनिंग वही करेगा, विकास भी वही करेगा फिर उसको जहां ले जाना है, ले भी वही जाएगा तो उसे औने–पौने रेट पर कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उसको अलॉटमेंट को कैंसिल कर दिया।

2014 में बीजेपी की सरकार आ गयी। बीजेपी की सरकार ने फेश ऑक्शन के नाम पर एक पहले लेजिस्लेशन बनाया और देखिये कितना बड़ा ये घोटाला है। उस लेजिस्लेशन के नाम पर इन्होंने फिर वही किया जो पहले हो रहा था, बल्कि उससे बद्तर कर दिया। इन्होंने ये कहा उस समय में लगभग 78 पीएसयू को अलॉट किया गया था और 78 पीएसयु प्राइवेट कम्पनी को ऑक्शन एमडीओ के लिए दे दिया था। अब इन्होंने कहा कि ये जो स्टेट पीएसयु हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्टेट पीएसयू ही केवल अपनी ऑक्शन ले सकता है, वही एमडीओ करेगी। 26 परसेंट से ज्यादा का स्टेक किसी प्राईवेट कम्पनियां का नहीं होगा, लेकिन लेजिस्लेशन के तहत् केन्द्र सरकार ने यह बैकिंग दे दी कि स्टेट पीएसयू चाहे तो किसी को नॉमिनेट कर सकता है। अब 7 ऑक्सशन खदान का एमडीओ

हुआ। सात में छः एमडीओ अडानी का हुआ।अब छः एमडीओ में बड़ी इंटरेस्टिंग बात है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था जिस ऑक्शन को कैंसिल करने के लिए उस ऑक्शन में यह प्रोविजन था कि आप अगर मान लिजिए हमें कोई खदान मिलता है तो 74 परसेंट स्टेट ले सकता है, कोई प्राईवेट कम्पनी, ये पहले था। अडानी के लिए केवल उस क्लॉज को इन्सर्ट कर दिया गया कि स्टेट पीएसयू अगर चाहे तो किसी प्राईवेट कम्पनी को एमडीओ दे सकती है। अब सारे एमडीओ मिल गए अडानी को और उसमें बड़ा इंटरेस्टिंग करप्शन देखिये क्या है कि उस एमडीओ में एक प्रोविजन था, उस प्रोविजन ये कहा गया कि अगर मान लिजिए हमें राजस्थान को या छत्तीसगढ़ पीएसयू को मान लिजिए खदान मिल गया तो सारा कोयला उसी का होगा, लेकिन चाहे वो रिजेक्ट हो या अच्छा कोयला हो, लेकिन अब उस लेजिस्लेशन में ये डाल दिया गया कि अगर कोयला रिजेक्टेड है तो जो एमडीओ कर रही है कम्पनी वो कोयला उसका हो जाएगा। अब इसमें बड़ा खेला अब शुरू हो गया। उस खेल में कोल इंडिया निकालती है कोयला, जो सरकार की अपनी अपनी पीएसयू है, वो कहता है कि 2200 कैलोरीफिक वैल्यू का जो कोयला होगा वो कोयला अच्छा कोयला होगा, वो कोयला आप बेच सकते हैं मतलब दे सकते हैं बिजली उत्पादन के लिए। अडानी ने कहा कि नहीं 4400 कैलोरीफिक वैल्यू का जो कोयला होगा केवल वो ही कोयला देंगे बाकि और, कोयले की अलग-अलग रेट हैं, कैटेगरी हैं, अलग-अलग कैलोरीफिक वैल्यू के हिसाब से। अब

देखिये कि अभी मैंने, छत्तीसगढ का मैं प्रभारी हूं वहां जाता हूं, थोड़ा सा और रिसर्च करने की कोशिश करी, तो हमने ये देखा कि 2022 में 5 मिलियन मीट्रिक टन कोयले का माइनिंग हुआ, हालांकि लोगों ने पहले आरटीआई लगाया, स्टेट की एसोसिएशन ने जवाब नहीं दिया, बोला बहुत मुश्किल है जवाब देना, अडानी ने कहा बहुत मुश्किल है जवाब देना। फिर लोगों ने railway freight पर आरटीओ लगाया और railway freight पर कहा कि कितना कोयला आया, कितने कोयला अच्छे कोयले थे, कितना कोयला खराब कोयला था, इनके अपने एक्ट के अकॉर्डिंग, तो पता चला 5 लाख मिलियन टन में सवा 2 लाख मिलियन टन कोयला रिजेक्टेड कोयला था। अब सवा 2 लाख मिलियन टन कोयला कहां जाता, अडानी का जो अपना प्राइवेट प्लांट है, वहां तो बिजली उससे बनेगी, राजस्थान में जो सरकार का प्लांट है, बिजली उत्पादन हो रहा है वहां वो उससे बिजली नहीं बनेगी। जबकि एक कोल बेयरिंग एक्ट में एक सीएमएसपी एक्ट है, कोल मिनरल स्पेशल प्रोवीजन एक्ट में सेक्शन-5 ये कहता है, जो मैं कह रहा था, ये कानून ये कहता है कि अगर मान लीजिए राजस्थान सरकार का वो माइनिंग है तो वहां सेलेक्टेड हो और या कोयला का बुरादा भी हो तो वो उसका होगा। ये क्यूं होगा,? ये इसलिए होगा कि ताकि इसमें इस तरह का गड़बड़-झाला न हो या रिजेक्टेड कोयला हो तो प्राइवेट को महंगे दाम पर बेचे इसीलिए ये प्रोवीजन लाया गया था। लेकिन ये खेल यहां नहीं है, खेल कहां है मैं अब समझाता हूं

आपको। ये जो 4400 कैलोरीफिक वैल्यू के ऊपर अच्छा कोयला इसलिए वो कोयला बहुत महंगा था, तो जब कोयला महंगा दिया जायेगा तो टैरिफ बढ़ेगा जब टैरिफ बढ़ेगा तो कंपनी को फायदा होगा। इतना ही नहीं कहा, जब ये लगातार अडानी की कंपनी बिजली के रेट बढ़ा रहे थे, 2017 में सुप्रीम कोर्ट बहुत नाराज हुआ और कहा कि अब बिजली के रेट नहीं बढ़ने चाहिए।

आपको ताज्जुब होगा और शर्म से हमारा सिर झुक जाता है अध्यक्ष महोदय कि अडानी ने फिर एक खेल शुरू किया। अडानी ने क्या किया, इंडोनेशिया से कोयला मंगाया, कहा कि ये जो कोयला है इसमें इंडोनेशिया के कोयला की कैलोरीफिक वैल्यू बहुत ज्यादा मिला देंगे तो अच्छा होगा, उसकी कैलोरीफिक वैल्यू, चाहे केवल 3800 कैलोरीफिक वैल्यू था कोयला का। लेकिन ये ही कोयला जो इंडिया में जिस रेट पर मिल रहा था उससे 10 गुणे रेट पर इंडोनेशिया से कोयला लाया गया। ये इसलिए लाया गया कि टैरिफ को बढ़ाया जाए। केवल कोयला ही नहीं, जितने भी उसके इंस्ट्रूमेंट होते हैं, इसमें हमने पीसी भी किया था, सभी इंस्ट्रूमेंट पर 10 गुणा, 20 गुणा रेट बढ़ाकर के इलेक्ट्रिक इस्ट्रूमेंट बाहर से मंगाये गये। और उसके बाद कहा कि कंपनी को घाटा हो रहा है तो टैरिफ उसका बढ़ाया जाए।

डीआरआई ने 2015 में नोटिस दिया था और कहा था कि 27 हजार करोड़ का घोटाला अडानी ने किया है, कोई उसकी जांच अध्यक्ष महोदय नहीं हुई। ताज्जुब तो तब होता है कि जिस

डीआरआई ने इसकी जांच की और जो ऑफिसर जांच कर रहा था उसके यहां ईडी का रेड हो गया, हो गया उसके यहां ईडी का रेड। ये इस देश में हो रहा है। तभी मैंने कहा वो शेर, तभी मैंने कहा था कि,

'मेरे जुबां पर जो तेरा नाम नहीं,

इसको माफी समझ लेना, इंतकाम नहीं।'

तुमने जो काम किया है देश को इंतकाम लेना चाहिए।

तीसरी बात अध्यक्ष महादेय, मैं आता हूं एयरपोर्ट पर। एयरपोर्ट, 7 में से 6 एयरपोर्ट अडानी को दी गई और उसको देने के लिए एक कमेटी पहले बनाई गई, वो कमेटी ने 2 सुझाव दिये। पहला सुझाव कि ये जो एयरपोर्ट कोई खरीदेगा उसको एयरपोर्ट के बिजनेस में कोई अनुभव हो, वो जरूरी नहीं है, पीपीएससी कमेटी बनाई गई थी। दूसरा कि एक कंपनी, पहले कानून ये कहा गया था कि एक कंपनी 2 एयरपोर्ट से ज्यादा की बिडिंग नहीं कर सकती है तो उसको खत्म करने के लिए, कैबिनेट डिसीजन था, उस डिसीजन को खत्म करने के लिए ये पीपीएससी कमेटी

बनाई गई, उस कमेटी ने दो डिसीजन दिये कि एक कंपनी कितने भी कंपनियों पर एयरपोर्ट का बिड कर सकता है पहली बात और दूसरी बात उसने कहा कि उसको अनुभव होने की जरूरत नहीं है। सबको पता है फिर इस क्राइटेरिया में कौन सिंसकरता है। परिणाम ये हुआ अध्यक्ष महोदय कि 7 में से 6 एयरपोर्ट अडानी

को मिल गया। मजे की बात ये है कि कोई भी जो कंट्री का पीएसयू है उसको हम प्राइवेटाइज तब करते हैं जब हमें नुकसान होता है, ये 6 के 6 जो एयरपोर्ट थे ये प्रॉफिट मेकिंग एयरपोर्ट था। और उससे ताज्जुब अब मैं बताता हूं सदन को और इस माध्यम से पूरे देश के लोगों को बताना चाहता हूं मैं कि उसमें भी मुंबई एयरपोर्ट जी.वी.के पावर के पास था, जी.वी.के पावर ने बेचने से मना कर दिया, उसके यहां ईडी की रेड हुई और ईडी के रेड के 2 महीने के अंदर ही जी.वी.के पावर को अडानी ने खरीद लिया, ये संयोग है या प्रयोग अध्यक्ष महोदय। ये देश के लोगों का खून कैसे नहीं खोलेगा, कैसे नहीं लग रहा है कि किसी के संरक्षण में इतना बड़ा खेल हो रहा है। इन्होंने बताया मदन लाल जी ने कि जो आदमी देश का प्रधानमंत्री बन रहा है वो पहला शपथ लेने के लिए गवर्नमेंट के अपने जैट में आना चाहिए था, वो प्राइवेट जैट में उतरता है पूरे देश की मीडिया, वहां लिखा रहता है बड़े-बड़े अक्षरो में अडानी एयरलाइन्स, क्या मैसेज देना चाहते हैं आप? पहले विजिट में जो विदेश गए, पहली विजिट में सरकारी जैट में, अडानी साथ जाता है, क्या मैसेज देना चाहते हैं और अगर सदन मुझे समय दे तो मैं एक-एक डील बता सकता हूँ कि किस-किस डील में प्रधानमंत्री अडानी के साथ गए और वो डील अडानी को मिला चाहे वो बांग्लादेश का डील हो, चाहे आस्ट्रेलिया का डील हो, चाहे श्रीलंका का डील हो, मैं आपको, 25 डील आपको मैं बता सकता हूँ। तो मेरा ये कहना है अध्यक्ष महोदय,

बहुत सारे हैं ऐसे 25 हैं, चूंकि सदन का समय ज्यादा नहीं लूंगा, इसलिए मैं संक्षिप्त कर रहा हूँ।.. तीसरा अध्यक्ष महोदय, जो बात आप सब लोग कह रहे थे शेयर प्राइसिंग की बात और हिडनबर्ग की बात अभी पर इन्होंने एतराज जताया कि हिडनबर्ग कौन है। मैं चूंकि इस मार्केट को समझता हूँ और फाइनेंस में थोड़ी मोड़ी मेरी समझ है।.. यहाँ अनपढ़ो की जमात वैसे भी नहीं है। तों हिडनबर्ग 2017 में नाथन एंडरसन ने स्थापना किया। नाथन एंडरसन को एक तरह से स्टाक मार्केट में activist समझा जाता है कि पूरे देश में गड़बड़ियां कहां हो रहा है, इसके खिलाफ यहीं नहीं, आस्ट्रेलिया में भी, कोरिया में भी, अर्जेंटाइना में भी हर जगह financial fraudism के खिलाफ वो रिपोर्ट बनाता रहा है। इसने अडानी की रिपोर्ट बनाई, चलो मान लो कि वो आदमी बिका हुआ है, हालांकि जमात तो अनपढ़ो की है, उन्होंने कहा कि नहीं हिंडनबर्ग से मेरा कोई मतलब नहीं है। हिडनबर्ग ने जो बात कही वो इंपोर्टेंट है कि नहीं है। उसने ये कहा कि पूरे शेयर की मैन्यूपुलेशन बाहर के 38 कंपनिया कर रही हैं, वो कंपनिया कैसे कर रही हैं और ये बड़ा इंट्रेस्टिंग है कि 2018 में अडानी ने कहा कि मेरी कंपनी की प्रोफिट है 3 हजार 400 करोड़ और उसने कहा कि इस साल मैं इनवेस्टमेंट करूंगा 1 लाख 76 हजार करोड़। तो क्या ये गड़बड़झाला एक आदमी की प्रोफिट 3 हजार करोड़ हो तो ये 1 लाख 76 हजार का इनवेस्टमेंट कैसे करेगा। तो इसमें कितना बड़ा खेल हुआ है ये देखिये अध्यक्ष महोदय कि इसने पहले अपने किसी शेयर की वैल्यू

को बढ़ाया, फिर उसको बैंक में प्लेस किया, बैंक में प्लेस करके लोन लिया और वो लोन लेकर के फिर दूसरे वाले ये अडानी पावर उसमें पैसा लगाया। वो रेट बढ़ा फिर उसको प्लेस किया, फिर वहां से लोन लिया, फिर तीसरी कंपनी में लगाया इक्वीटी में, फिर उसको मार्केट को बढ़ाया, फिर उसके बाद वहां से पैसा चौथी कंपनी में लगाया। फाइनेंशियल टर्म इसको कहते हैं राउंड ट्रिपिंग कि पैसे को घुमा रहे हो और देश को गुमराह कर रहे हो, इनवेस्टर्स को धोखा दे रहे हो। तो इसमें ऐसे 38 कंपनिया थी उस 38 कंपनियों ने हजारों करोड़ का इनवेस्टमेंट्स शेयर्स में किया। जब पता लगने लगा कि ये 38 कंपनी कौन-कौन है, तो पता चला कि एक ही एड्रेस पर 5 कंपनिया हैं। उसके मालिक का अता पता नहीं और वो 5 कंपनियों का इनवेस्टमेंट कितना- एक का 27 हजार करोड़, एक का 38 हजार करोड़, एक का 32 हजार करोड़, एक का 37 हजार करोड़ समझिये इतने बड़े-बड़े इनवेस्टमेंट करने वालों का ऑफिस नहीं है। कोई इम्प्लॉइ नहीं है, इसके इनवेस्टर्स कौन-कौन है, उसका कोई डीटेल नहीं है और वो पैसा इंडियन मार्केट में लग रहा है। तो और सेबी ये कहता है मान लीजिए हमने एक कंपनी बनाया, तो सेबी ये कहता है कि हम अगर मान लीजिए उसको ट्रेडिंग के लिए मार्केट में उसको कहते है free floating shares fd जिसको हम चाहते हैं कि ट्रेड हो वो कम से कम 25 परसेंट होना चाहिए। इन्होंने क्या किया कि केवल 5 परसेंट शेयर मार्केट में रखा। इसलिए कि शेयर कम रहेगा तो मैन्युपुलेशन आसान हो जाएगा

थोड़े से भी बाहर आएंगे तो रेट बढ़ जाएगा और जब ये पीक पर गया तो फिर बाकी शेयर्स को डाईवेस्ट कर दिया, जिससे पैसा लेकर के फिर ये खेल चालू हुआ और उससे भी खतरनाक अध्यक्ष महोदय, मैं ऑकड़ा देना चाहता हूँ देश ये सुन कर सन्न रह जाएगा कि इसरो और डीआरडीओ में जो हमारा डिफेंस के सारे रिसर्च और सारे arms and ammunition खरीदने और रखने की जिम्मेदारी जिनके पास है उसमें इनवेस्ट करता है, अल्फा डिजाइन टैक्नोलॉजी, अल्फा डिजाइन टैक्नोलॉजी में इनवेस्टमेंट करता है एलारा, एक कंपनी जिसका पार्टनरशिप हो गया इसरो से और डीआरडीओ से, एलारा कंपनी भला ये कौन है तो ये मोरीशस में ये कंपनी लिस्टेड है और पता चला कि मोरीशस के इस कंपनी का इनवेस्टर कौन है किसी को नहीं पता। अब समझ लीजिए जिस कंपनी के साथ ये डील हुआ है जो इसरो और डीआरडीओ के साथ मिलकर के सारा डिफेंस डील करेगा, उसमें इनवेस्टर कौन है पूरे देश को नहीं पता है। समझिये देश कहां है, किस कदर देश को झकझोर दिया है। जाँच तुमको वहां करना चाहिए था, तुम जांच करते हो मनीष सिसौदिया जी की। अरे एक पैसा तुमको नहीं मिलेगा, लाखों करोड़ों रुपया घोटाला देश का हो रहा है। तुम्हारी इस दोस्ती से आज देश पता नहीं किस कदर और कहां पहुँच जाएगा, लेकिन आप केवल अपनी दोस्ती को बनाने के चक्कर में आप उसकी जाँच नहीं करा रहे। जो मैं सदन में बात रखूंगा, मैं पहली बार नहीं रख रहा, इस सदन में पार्लियामेंट में ये सारी बातें रखी गई। समय-समय पर बहुत

सारे जर्नलिस्ट इस बात को उठाते रहे, बहुत सारी शिकायतें हुई ईडी में, बहुत सारी शिकायतें हुई सीबीआई में, डीआरआई में, आरओसी में, लेकिन आज तक जाँच नहीं हुआ, क्यों होगा जाँच जब अडानी के प्लेन में प्रधानमंत्री खुद आएंगे। और आप कहते हैं नाम ना लो। तो मैं एक बात कहना चाहता हूँ अध्यक्ष महोदय आज कि जिस तरह से इस देश में ये खेल हो रहा है। इस खेल से देश आज संकट में है। एक आदमी आकाश हो या पाताल माइन भी ले लिया, स्पैक्ट्रम भी ले लिया, सी-पोर्ट भी ले लिया, एयरपोर्ट भी ले लिया, ऐरोप्लेन भी ले लिया, पानी का जहाज भी ले लिया। कोई ऐसा बिजनेस नहीं है जहां अडानी ना हो और एक भी ऐसा बिजनेस नहीं है जो लीगल फ्रेमवर्क में हो। एक व्यक्ति है जो सदन में मैं इसका नाम लेना चाहूंगा केतन पारिख, मुझे लगता है जो भी कहीं इन्वेस्टमेंट से रिलेशन होगा जिनका, वो जानते होंगे, जिसका बिजनेस केवल शेयर मैनिपुलेशन का था। अब मैं जब कह रहा था आपको ऐलोरा की बातें तो इस ऐलोरा का संस्थापक केतन पारिख था और केतन पारिख पहले भी गौतम अडानी के भाई विनोद अडानी के साथ शेयर मैनिपुलेशन के केसेस में जेल जा चुके हैं। आज वो जेल में है, लेकिन आज भी ये ऐलोरा इन्वेस्टमेंट चल रहा है और वो अडानी के साथ आज भी इन्वेस्टमेंट कर रहा है। कौन करेगा जांच और उससे भी आपको बड़ी बात बताता हूँ मैं आपको।. . सेम मैं वही कहने जा रहा हूँ कि सेबी का एक मेम्बर जिसकी जिम्मेदारी एक इन्साइडर ट्रेडिंग को चेक कर चुकी है कि इसको

कहते हैं इन्साइडरट्रेडिंग है, वो कौन हैं? तो गौतम अडानी के वो समधी हैं। क्या ये conflict of interests नहीं है, कौन करेगा इसकी जांच? क्यूं नहीं ईडी करती जांच और बहुत ईमानदार हो, क्यों नहीं करते सीबीआई की जांच? अगर तुम बहुत राष्ट्रभक्त हो, क्यूं नहीं करते हो जांच? तो पाप का घड़ा भर गया है। वो गीता में कहा गया है ना कि

**यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।**

**अभ्युत्थानम धर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥**

अरविंद केजरीवाल आ गया है। तुम्हारे इस पाप के घड़े को फूटने की घड़ी आ गई है। यहां पढ़े–लिखों की जमात है, अनपढ़ों की जमात नहीं है कि जब अलजजीरा की बात किया तो पाकिस्तानी है। अरे ये दोहा कतर. वर्ल्ड का क्रेडिबल एजेंसी है, तब मैं कहता हूँ कि जो मैं कहना चाह रहा हूं, शुरू जिस बात से कहा था कि ‘‘आई स्टैण्ड विद गौतम अडानी’’ कहने वाले लोग कौन हैं? वो कोई इन्वेस्टर नहीं हैं, वो कोई इम्पलोई नहीं है, ये एक आदमी के संरक्षण में अनपढ़ों की जमात है। तो इसलिए अध्यक्ष महोदय मैं आदम गोंडवी जो एक शायर थे, बहुत बड़े जन कवि रहे हैं। उन्होंने कहा कि:

‘‘जो डलहौजी नहीं कर पाया वो ये हुक्काम कर देंगे

कमिशन दो तो हिन्दुस्तान को नीलाम कर देंगे।

ये वंदेमातरम का गीत गाते हैं सुबह उठकर

मगर बाजार में चीजों का दुगुना दाम कर देंगे।''

तो बस मैं इतना ही कहना चाहता हूँ अध्यक्ष महोदय कि आज जिस मुद्दे पे चर्चा हो रहा है और जिस तरह से तमाम तरह की गफलत से पूरे देश को लूटा है, अगर तुम उसके साथ खड़े हो गए तो देश तुमको माफ नहीं करेगा। आज ये वक्त है कि अगर अडानी के साथ ये खड़े हो रहे हैं, अरे तुम्हारा क्या रिश्ता है और ये कोई पहली घटना नहीं है। मैं अंत में खत्म करता हूँ अपनी बात। नोटबंदी का टाइम था। नोटबंदी के टाइम में जहां कहीं भी जाते थे हम ये देखते थे सारे बीजेपी नेता कि प्रधानमंत्री ने कहा पेटीएम करो, पेटीएम करो, पेटीएम करो, तो मैंने ये कहा, एक कोई बीजेपी का नेता कहीं भाषण दे रहा था, हमने कहा भाई जो तुम पेटीएम करो, पेटीएम करो कह रहे हो ये किसने कहा है तुमको। पेटीएम कोई कम्पनी है, तुम क्यों उसको कर रहे हो। बोला नहीं प्रधानमंत्री जी ने कहा है। हमने कहा भाई उनको कुछ मिलता होगा, तुमको क्या मिल रहा है। तुम क्यों प्रधानमंत्री के झांसे में आ रहे हो। तो मैं आपको भी कहना चाहता हूँ कि उनसे तो हाउडी xxxx[1], xxxx[1], xxxx[1] पूरे देश, पूरे वर्ल्ड में हो गया आपको क्या मिला? आप साथ खड़े ना हो। बस ज्यादा ना कहते हुए अध्यक्ष महोदय इसी में बहुत दुख के साथ मैं एक संकल्प आपके सामने रखना चाहता हूँ अगर आपका आदेश हो तो।

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

**माननीय अध्यक्षः** मैं संकल्प प्रस्तुत करने के लिए सदन की परमिशन चाहता हूँ। ये प्रस्ताव सदन के सामने है,

जो इसके पक्ष में हैं वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं वे न कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जी, हाँ पक्ष जीता,

प्रस्ताव पारित हुआ।

सदन द्वारा श्री संजीव झा को संकल्प प्रस्तुत करने की परमिशन दी जाती है। अब श्री संजीव झा अपना संकल्प प्रस्तुत करेंगे।

**श्री संजीव झाः** थैंक यू बहुत–बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधान सभा दिनांक 28 मार्च, 2023 को आयोजित बैठक में इस बारे में गहन रूप से व्यथित है। भारतीय लोकतंत्र 2014 से जिस विपरीत गामी पथ पर आडे तिरछे चल रहा है और हमारे महान राष्ट्र की राजनीति एवं संस्कृति समाज और लोगों पर पड़ रहे इसके विपरीत परिणाम केन्द्र सरकार द्वारा संवैधानिक निकायों सहित संस्थानों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को डरा धमकाकर जबरदस्ती और प्रलोभन देकर.. समाप्त करने के लगातार प्रयास केन्द्र सरकार इस तरह की विध्वंस के माध्यम से राजनैतिक..

**माननीय अध्यक्षः** ये जो संकल्प दे रहे हैं उसके बाद.

**श्री संजीव झा:** नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं, कलाकारों, उद्यमियों और उन सभी पर चौतरफा असंवैधानिक हमले कर रही है जो इसके विचार और विचारधारा के साथ नहीं हैं देश में ऐस हालात हैं जो उन्हें 70 के दशक के घोषित आपातकाल को भी शर्मसार करके..

**माननीय अध्यक्ष:** भईया संकल्प पढ़ने के बाद सदन पटल पर रखा जायेगा। आपको मिलेगा। पास होने से पहले आपको नहीं मिलेगा।

**श्री संजीव झा:** केंद्र सरकार द्वारा लोगों के संवैधानिक रूप से प्रदत्त अधिकार को हड़पना, लोकतंत्र के मंदिर को कमजोर करने के लिये सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा की जा रही निम्नता, इस बारे में गंभीर रूप से चिंतित है। केंद्र सरकार के आतंक द्वारा शासन के तरीके से ईमानदार तथा देशभक्त व्यापारिक घरानों के मध्य चौतरफा भय व्याप्त होना, सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा उत्पन्न किये जा रहे सामाजिक तनाव के कारण भावी विदेशी निवेशकों का भागना, परिणामस्वरूप विरोधी माहौल जिसके कारण निवेश में भारत के बेटे बेटियों के लिये रोजगार के अवसरों में कमी होना, विकास के पहियों का थमन, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि प्रधानमंत्री ने अपने करीबी दोस्त को लाभ पहुंचाने के लिये चुना जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और देश की प्रगति का नुकसान हुआ, केंद्र सरकार की एजेंसियों को गौतम अडानी की सेवा में रखा गया ..

...व्यवधान...

**श्री संजीव झाः** ताकि उनके बंदरगाहों, हवाई अड्डों और अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचे व सामरिक महत्व की राष्ट्रीय परियोजनाओं के अवैध और जबरन अधिग्रहण में मदद मिल सके। घातक नशीली दवाओं का व्यापार जिससे वैश्विक आतंकवाद की फंडिंग हो रही है और जो हमारे देश के युवाओं को तबाह कर रहा है। वह प्रधानमंत्री के घनिष्ठ मित्र गौतम अडानी द्वारा संचालित बंदरगाहों के माध्यम से चल रहा है। प्रधानमंत्री ने अपनी विदेशी यात्राओं पर..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** अब आपके सदस्य नाम बोल रहे हैं, वो आपके सदस्य नाम बोल रहे हैं।

**श्री संजीव झाः** ..मीडिया के साथ ले जाने की जिस परंपरा को त्याग दिया है। और इसकी बजाए..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आपके सदस्य मुख्यमंत्री जी का नाम लेते हैं और वहां..

...व्यवधान...

**श्री संजीव झाः** गुप्त सौदों की सुविधा के लिये अपने करीबी दोस्त अडानी के साथ ले जाना पसंद किया जिससे राष्ट्रीय हितों के साथ गंभीर समझौता हुआ। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक जो कृषि और

छात्र जिनकी छोटी राशि देने से पहले एक लाख शर्त रखते हैं, उन पर दबाव डालकर अडानी को जनता के हजारों करोड़ रूपये दिये गये जिसे वे कभी माफ करने के लिये तैयार हैं। पेट्रोल, डीजल, गैस की कीमतों में बार बार तेजी से बढ़ोतरी करके और अत्यधिक टैक्स के माध्यम से लूटा गया जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा अडानी और सत्ता के दूसरों एजेंटों की राज्य प्रायोजित धोखाधड़ी की फंडिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। सदमा व्यक्त करता हूं कि हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा घोटाले को रिकार्ड पर रखे जाने के संबंध में प्रधानमंत्री गंभीर चुप्पी साधे हुए हैं। केंद्र में सत्ता प्रतिष्ठान बेशर्मी से एक भ्रष्ट अतरंग मित्र गौतम अडानी की तुलना भारतमाता से करने की कोशिश कर रहा है। गौतम अडानी हमारी मातृभूमि के प्राकृतिक संसाधनों, हमारे महान राष्ट्र के मेहनतकश लोगों द्वारा बनाई गयी संपति को प्रधानमंत्री की पूरी जानकारी और समर्थन से लूट रहे हैं। भारत के माननीय राष्ट्रपति से आग्रह करती है कि संविधान के तहत प्रदत्त कानून के शासन को बहाल करने के तत्काल कदम उठायें, XXX[1] सरकार को उन सभी असंवैधानिक साधनों को समाप्त करने का निर्देश दे जिनके माध्यम से अंतरंग मित्रों को बढ़ावा दिया जा रहा है और ईमानदार लोगों को सताया जा रहा है। भारत की संसद एक संदेश भेजे कि प्रधानमंत्री के मित्र द्वारा किये गये अब तक के सबसे बड़े घोटाले की जांच के लिये संयुक्त संसदीय समिति के गठन पर विचार करे। यह पता लगाने की विशिष्ट कार्य

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

हेतु अडानी की धोखाधड़ी का वास्तविक लाभार्थी कौन है, यह सुनिश्चित करने के लिये कि लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को संदेश भेजे कि सत्तापक्ष सदन के कार्यवाही में बाधा न डाले और विपक्ष को सेंसर किये बिना अपने विचार प्रकट करने की अनुमति दी जाये। भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय से अपील करती है कि जनहित में इलेक्टोरल बोंड के मुद्दे पर याचिका का दायरा बढ़ायें ताकि गौतम अडानी द्वारा लूटे गये सार्वजनिक धन के चुनावी बोंड के माध्यम से केंद्र में सत्ताधारी पार्टी को हस्तांतरित किये जाने की संभावना पर गौर किया जा सके और हमारे राष्ट्र के महान लोगों का आह्वान करता है कि सत्ता प्रतिष्ठान के कुटिल मंसूबों को विफल करने के लिये हमेशा सतर्क रहे जो उन अंतरंग मित्रों के माध्यम से हमें फिर से उपनिवेश बनाने के लिये अवैध ड्रग व्यापार में संलिप्त है जिस प्रकार ईस्ट इंडिया कंपनी अफीम का व्यापार करती थी। बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय संकल्प पढ़ने देने के लिये।

**माननीय अध्यक्षः** हाउस 2.15 बजे तक लंच के लिये स्थगित किया जाता है।

**(सदन की कार्यवाही अपराह्न 2.15 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)**

**सदन पुनः अपराह्न 2.32 बजे समवेत हुआ।**

**माननीय अध्यक्ष महोदय (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।**

**माननीय अध्यक्षः** श्री विनय मिश्रा जी।

**श्री विनय मिश्राः** बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय स्पीकर साहब आपने इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया। मैं बधाई देना चाहता हूँ मेरे साथी संजीव झा जी को बड़े विस्तार से सारी बात रखी और सबसे बड़ी बात तथ्यों के साथ सारी बात रखी। कोई भी बात इनकी सुनके ऐसे नहीं लग रहा था कि कोई बात फेंकी हुई हो और अभी हमारे विपक्ष के साथी हैं नहीं नहींतो मैं उनसे पूछना चाह रहा था कि नाम हम अडानी का ले रहे थे, करंट उनको लग रहा था। अब इतना बड़ा मुद्दा देश के सामने है। 2014 में हम सबको पता है और हम सबने 2014 का जब चुनाव में एक बहुत बड़ा बदलाव आया और सबने देखा कि प्रधानमंत्री साहब ने प्रधानमंत्री की कुर्सी पे बैठने से पहले अडानी जी के विमान की सीट की पेटी बांधी थी। उसके बाद प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे थे और उस चुनाव में हर जगह एक कोल स्कैम का बहुत बड़ा प्रचार किया गया था। हर जगह ये बात आई कि कोयला घोटाला हुआ है, कोयला घोटाला हुआ है और इसमें कहा गया था कि लगभग 10.7 लाख करोड़ रूपए का नुकसान इस देश को हुआ है। उसका कारण ये था स्पीकर साहब कि 1993 से 2011 के बीच में 218 सरकारी जो ब्लॉक थे वो बिना किसी निलामी के जो सरकार के समीप लोग होते थे जो सरकार के नजदीकी लोग होते थे उनको दे दिया जाता था। 2012 में सीएजी की एक रिपोर्ट आई जिसमें कहा गया कि ये बहुत बड़ा घोटाला है

और इससेदेश को बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है और 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने सारे कोल आवंटन को बंद कर दिया था। उसका कहना था कि इसमें बहुत बड़ा घोटाला हुआ है और जितने भी कोल के आवंटन थे सबको रद्द कर दिये थे, लेकिन इसमें एक बड़ी हैरानी की बात है कि 2007 में जो अडानी जी को छत्तीसगढ़ का परसा ईस्ट और कांता बेसिन जो मिला था उसको रद्द नहीं किया गया। 2014 का जब ये रद्द करने का ऑर्डर आया, उसके बाद XXX[1] पार्लियामेंट में एक कानून लेकर आये, एक ऑर्डिनेंस ले के आए और उन्होंने कहा कि ये जो नीलामी है या जो कोल के आवंटन की जो नीलामी होती है इसको और पारदर्शी करना है। इसमें और ट्रांसपेरेंसी लानी है तो उसके लिए कोई स्पेशल प्रोविजन एक्ट लेके आए। कोल माइन्स स्पेशल प्रोविजन एक्ट जिसमें उन्होंने कहा कि ये जो यूपीए के कार्यकाल में जो घोटाला हुआ है उसको ठीक करना है, ट्रांसपेरेन्ट करना है इसलिए हम ये लेके आए। और उसमें उन्होंने एक साफ-साफ एक प्रोविजन ले के आए थे जिसमें उन्होंने कहा था जो संजीव भाई ने कहा एमडीओ वाली बात जो कही कि जो सरकारी पीएसयूज है वो प्राइवेट के साथ एमओयू कर सकते हैं, लेकिन उसमें 74 परसेंट जो है सरकारी कम्पनी का उसमें जो है शेयर रहेगा और 26 परसेंट प्राइवेट प्लेयर का उसमें शेयर रहेगा। लेकिन बड़ी हैरानी की बात है जो ये आवंटन राजस्थान का हुआ था और चूंकि मुझे भी सौभाग्य मिला है

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

कि आम आदमी पार्टी ने मुझे राजस्थान का प्रभारी बनाया तो चूंकि प्रभारी होने के नाते थोड़ा-सा मेहनत ज्यादा करना पड़ता है उस स्टेट पे। तो हमने जब देखा तो हमने देखा कि जो कोल माइन एक्ट जो आया था उसमें जो प्रोविजन था उसमें लेकिन कहा गया था कि प्राइवेट 26 परसेंट रहेगा, सरकारी 74 परसेंट रहेंगे, लेकिन अडानी और जो राजस्थान विद्युत के साथ जो एग्रीमेंट हुए उसमें बिल्कुल उल्टा हो गया। उसमें प्राइवेट अडानी जी को 74 परसेंट का शेयर मिला और राजस्थान विद्युत बोर्ड को 26 परसेंट का शेयर मिला। हैरानी इस बात की है कि 2007 से आज तक वहां पे भाजपा की सरकार भी रही और वर्तमान में कांग्रेस की सरकार है। लेकिन दोनों ने इसपे चुप्पी साध रखी है। दोनों की क्या मिलीभगत है ये मुझे समझ नहीं आती है। अब एक बात बड़ी इमपोर्टेंट बात इन्होंने कहीं, संजीव झा जी ने। जो वॉशरी वाली बात है, वॉशरी वाली बात में कहा जाता है कि जो वेस्ट होता है वो चूंकि जिसको आवंटन हुआ है पीएसयू का उसका होता है, लेकिन इसमें क्यूंकि 4000 कैलोरीफिक वैल्यु वाली जो बात थी। इसमें 25 परसेंट जो कोयला वो 2700 कैलोरीफिक वैल्यु की निकली तो राजस्थान विद्युत बोर्ड के लिए तो बोल दिया गया कि यहां पे तो जो है ये कोयला वेस्ट है। यहां ये कोयला किसी काम नहीं आयेगा, लेकिन अडानी के जो प्राइवेट तीन जो प्लांट थे उसपे वो वेस्ट कोयला गया और वहां पे इस कोयले से वहां पे बिजली बनी और बकायदा इसमें आरटीआई के माध्यम से हमारे पास पूरा ये रिपोर्ट है कि

उसमें जब इंडियन रेलवेज का जो इस्तमाल हुआ। बाकायदा रेलवे फ्रेट दिया गया और रेलवे से उसको जो है उस वेस्ट कोयले को वहां से निकाल के गुजरात ले जाया गया। वो ही कोयला राजस्थान विद्युत बोर्ड के लिए वेस्ट था, लेकिन अडानी जी के जो अपने प्लांट थे वो कोयला वहां कामयाब था और एक बड़ी हैरानी की बात ये है कि गुजरात की बात हर जगह आती है और अडानी जी भी गुजरात से आते हैं। मैं बिहार से आता हूँ। हमारे बहुत से साथी दिल्ली में आज आये, अपनी-अपनी पहचान बनाई, लेकिन अपने-अपने स्टेट, अपनी-अपनी संस्कृति से थोड़ा प्यार ज्यादा होता है इसमें कोई दो राय नहीं है। अडानी जी ने गुजरात के साथ भी धोखा किया। गुजरात से जो उन्होंने जमीन ली उन्होंने ये कह के ली कि मैं जो बिजली यहां से उत्पादन करूंगा वो गुजरात को दूंगा और सस्ते दरों पे दूंगा। लेकिन जब वो बिजली निकली तो वो बिजली गुजरात को नहीं मिली। जैसे एनएसी है या स्टॉक एक्सचेंज है अपने यहां ऐसे ही एक पावर एक्सचेंज है। हमारे पावर मंत्री जी अभी हैं नहीं, नहीं तो बतातीं। उन्होंने वो गुजरात को ना देके वो बिजली पावर एक्सचेंज में बेच दी और पावर एक्सचेंज से बाकि स्टेट ने महंगी बिजली खरीदी। तो कितनी हैरानी की बात है कि जो गुजरात ने प्लांट दिया, गुजरात ने जमीन दी, गुजरात में कोयला भी आया लेकिन गुजरात की सरकार उसपे शांत बैठी हुई है, सोई हुई है। ऐसे जो वॉशरी वाला घोटाला है स्पीकर साहब अध्यक्ष जी सेम ऐसा ही जो वेस्ट निकला, वेस्ट निकल के जो दूसरे प्लांट पे

जाके जो उससे बिजली निकली ऐसा ही एक और कम्पनी है उस कम्पनी ने भी ये ही किया था। उस कम्पनी का नाम है अध्यक्ष जी ये कैलकटा की कम्पनी है इम्टा। इसी तरह की कम्पनी इम्टा ने भी ये ही किया था। इम्टा ने जो वेस्ट जो था वो अपने प्लांट में लिया था और उससे बिजली उत्पादन किया था। उसके खिलाफ सीबीआई, ईडी दोनों लगा दी। सेम ये ही अडानी जी कर रहे हैं उसपे जो है ईडी और सीबीआई सोई हुई है। उसपे कोई जांच नहीं। तो जब एक ही तरीके का सेम दोनों केस है। भई वेस्ट वॉशरी से वेस्ट निकल के राजस्थान विद्युत बोर्ड अडानी जी को पैसा दे रहा है तो अडानी उसको जो है अपने प्लांट में ले जा रहा है तो उसपे कोई इन्क्वायरी नहीं। लेकिन वही वेस्ट अगर इम्टा निकाल के अपने प्लांट ले जाता है तो उसपे सीबीआई, ईडी दोनों और उसपे जांच करके उसकी प्रोपर्टी भी जब्त की गई और उसकी कुर्की भी की गई। लेकिन ईडी के मामले पे आज केंद्र सरकार चुप है। मैं इसका जवाब चाहता हूँ। मैं जिनके संरक्षण में ये हो रहा है उनका नाम नहीं लूंगा क्योंकि हमारे साथी नाराज हो जायेंगे। अडानी का नाम लूंगा तो ये कूदते हैं। इनकी जो है सीना जोरी देख के मुझे कई बार इनकी सीना जोरी देख के मुझे एक बार-बार आजकल हम लोग देखते हैं, मैं तो बचपन से पॉलिटिकल फैमली से हूँ। तो इनकी सीनाजोरी देख के मुझे एक बात याद आ जाता है कि बेचारा सामने वाला कमजोर आदमी कितना भी उसके साथ कुछ झगड़ा वगड़ा हो जाये तो थाने में जाके जितना भी चिल्ला के जब

कंप्लेंट करता है तो थानेदार सुनता नहीं और सामने वाला कहता है अरे जानते नहीं हो चचा विधायक हैं हमारे। तो इनके साथ भी यही होता है।

..व्यवत्राान..

**श्री विनय मिश्राः** अडानी. देखो, देखो मैं बोल रहा हूं दर्द वहां होना शुरू हो गया है। तो बहुत दर्द होता है। अच्छा मैं आपसे पूछना चाहता हूं ईमानदारी से आप बताओ आप भी मेरे चाचा हो चलो मैं कहता हूं ईमानदारी से बताना, आप, झूठ मत बोलना ,2014 में अच्छा मैं आपसे पूछता आप ही मेरे चाचा हो कोई नहीं उनसे भी पूछूंगा, आपसे पूछ रहा हूं 2014 में जब XXX[1] प्रधान मंत्री बने थे, दिल्ली आने से पहले वो किनके विमान पे चढ़ के आये थे अब ईमानदारी से बता दो आप? आप बता दो ईमानदारी से किसके विमान पे आये थे?. अच्छा. इस बात पे नंबर आयेगा तब बताओगे। तो इस देश ने देखा कि बड़े बड़े उसपे लिखा हुआ था। तो ऐसा है 2024 दूर नहीं है, समय पलटता है सबका, हमारा भी नंबर आयेगा तो सीबीआई, ईडी आपको भी जवाब दे देगी कहां हो रहा है, कहां नहीं हो रहा है। तो मैं स्पीकर साहब संजीव भाई के..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** मिश्रा जी आप अपना, मिश्रा जी..

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

**श्री विनय मिश्राः** मैं संजीव भाई के जो..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आप अपनी बात रखिये।

**श्री विनय मिश्राः** संजीव भाई का जो प्रस्ताव है उसका मैं समर्थन करता हूं। ये जो कोयला घोटाला हुआ है, जिसमें लगभग लगभग परसा ईस्ट और कांता बेसिन से जो 450 मिलियन टन परसा ईस्ट से और कांता बेसिन से 525 मिलियन टन संजीव भाई दोनों छतीसगढ़ से आते हैं आपको इसपे जो है वहां पे इंक्वायरी करानी चाहिये, मांग करनी चाहिये। इनसे जो कोयला निकला है ये अडानी को कोल इंडिया से लगभग 300 रूपये ज्यादा इसपे मिलते हैं और अगर इसको आप कैलकुलेट करोगे पूरा तो 1000 मिलियन टन जो यहां से निकला है उसपे लगभग लगभग 30 हजार करोड़ रूपया अडानी जी को मिला है। तो मैं ये कहना चाहता हूं कि ये जो 2015 में जो कानून आया कोल प्रोविजन एक्ट ये एक आईवाश था, ये लोगों की आंख में धूल झोंकने वाला एक कानून आया था जिसमें सुप्रीम कोर्ट की भी कोई बात को नहीं रखी। तो मैं संजीव भाई के प्रस्ताव का सपोर्ट करता हूं और मांग करता हूं कि इसपे जो चूंकि ये विधान सभा है और यहां से बात हमारी जानी चाहिये। मैं स्पीकर साहब आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूं कि इसपे जांच बिठाई जाये, जेपीसी की जो मांग आज हो रही है जेपीसी

का समर्थन हम लोगों को करना चाहिये और इसपे जांच होगी तभी दूध का दूध और पानी का पानी हो पायेगा। बहुत बहुत धन्यवाद।

**श्री मोहन सिंह बिष्टः** सर जो ये संकल्प लिया गया है ये संकल्प सारे नियम है, कानून हैं, जो उनका सारा उल्लंघन किया गया है ये ही नहीं, इसके बारे में जिस प्रकार से बोला गया कि गंभीर रूप से..

**माननीय अध्यक्षः** भई संकल्प पे चर्चा में आओगे न..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिये आपने फेंक दिया न, फेंक दिया न अब, बात खत्म हो गयी। चलिये ठीक है।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** श्रीमान ऋतुराज जी।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** ऋतुराज जी आप चालू करिये, चालू करिये।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** कल चर्चा करवा..भईया कल देखूंगा न उसको, कल देखूंगा न उसको।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** मैं देखूंगा न अभी। कल सदन में मांग..

...व्यवधान...

**श्री ऋतुराज गोविंदः** चर्चा अडानी पे हो रही है।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** विजेंद्र जी, सदन ने, पूरे सदन ने उस पर चर्चा की मांग की थी। पूरे सदन ने उस पर चर्चा की मांग की थी। पूरे सदन ने किया था।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** पूरे सदन ने किया था, चलिये।

....व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** हां ऋतुराज जी शुरू करिये।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** अरे भई आज चर्चा है, आपने नाम ही नहीं दिये। आप नाम दो न चर्चा में भाग लो क्या कहना चाहते हो। क्यों नहीं भाग लेते हो?

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** वो आप चर्चा में..

....व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आप नाम दीजिये चर्चा में बोलिये नियम के अनुसार। कौन मना कर रहा है आपको। आप नाम दीजिये चर्चा में बात करिये। चलिये ऋतुराज जी। चलिये चलिये अब शुरू करिये भई,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** ऐसे नहीं शुरू करिये।

...व्यवधान...

**श्री ऋतुराज गोविंदः** अध्यक्ष महोदय,

...व्यवधान...

**श्री मोहन सिंह बिष्टः** आप इस तरह चर्चा नहीं करवा सकते, अनकंस्टीट्यूनल है।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** आप अपनी बात, चर्चा में भाग लीजिये, दीजिये। आपको मना कौन कर रहा है।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं हो सकती, छोड़ दीजिये। छोड़ दीजिये।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिये।

...व्यवधान...

**श्री ऋतुराज गोविंदः** अध्यक्ष महोदय,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिए।

...व्यवधान...

**श्री ऋतुराज गोविंदः** आपने मुझे देश के सबसे ज्वलंत मुद्दे पर जो आज विधान सभा चर्चा कर रही है इसपे बोलने का मौका दिया। मैं अपनी बात को शुरू करूं..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** ऋतुराज जी..

...व्यवधान...

**श्री ऋतुराज गोविंदः** मैं एक ही बात कहना चाहता हूं आजकल..

...व्यवधान...

**श्री ऋतुराज गोविंदः** आजकल तेरे और अडानी के चर्चे हर जुबान पर सबको मालूम है और सबको खबर हो गयी। आजकल तेरे और अडानी के चर्चे हर जुबान पे सबको मालूम है और सबको खबर..

...व्यवधान...

**श्री ऋतुराज गोविंदः** कैसे बोलेंगे यार ऐसे। हमारा नाम सुन के ही हल्ला करने लग जाते हैं

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** मोहन जी, ये हाउस का डिसीजन है, हाउस का डिसीजन है आप हाउस के डिसीजन को चैलेंज नहीं कर सकते। और कल चर्चा हुई, 55 रखा सारे सदन ने मांग की। मैंने रूलिंग दिया कि कल चर्चा करवाउंगा।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** मैंने भाषा देख ली मैंने। पूरी भाषा देखी है।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** भई देखिए मैं आपसे प्रार्थना कर रहा हूं,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिये कल दे दीजिए, आप चर्चा में भाग लीजिये उसमें गलत सिद्ध करियेगा। आप चर्चा में भाग लीजिये। नहीं लेना चाहते आपकी इच्छा है।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं तो मुझे..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिये नहीं है तो आप अपनी चर्चा में बोलिये। कौन से नियम में पावर नहीं है?

...व्यवधान...

**(विपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा नारेबाजी की गयी।)**

**माननीय अध्यक्षः** चलिये अब हो गया।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** बिधूड़ी जी आप समझदार लीडर हैं, ये..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** भई देखिये मैं अब चेतावनी दे रहा हूं चर्चा तो मैं करवाउंगा। चर्चा तो में करवाउंगा। सदन ने पारित किया है। चर्चा मैं करवाउंगा। अब नहीं होती है तो आप, आप चर्चा में भाग ले के विरोध करिये उसका। ये विरोध का तरीका नहीं है।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** नहीं मैं इसको दवजीपदह सपाम जींजण आप कर सकते हैं तो..

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** अदरवाईज मुझे एक्शन लेना पड़ेगा, अदरवाईज मुझे एक्शन लेना पड़ेगा। आप चर्चा में भाग लीजिये।

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** चलिये मैं आदेश देता हूं,

...व्यवधान...

**माननीय अध्यक्षः** मैंने पढ़ लिया। मैं आदेश देता हूं बिधूड़ी जी, सदन के बाहर जायें। बिधूड़ी जी सदन के बाहर जायें। श्रीमान बिधूड़ी जी कृपया सदन के बाहर जायें। बिधूड़ी जी।

...व्यवधान....

(विपक्ष के सभी सदस्यों द्वारा सदन से वॉक आउट किया गया।)

**श्री ऋतुराज गोविंदः** अभी तक चुपचाप बैठे थे, हमारा नाम सुनते ही भाग गये। तो आजकल तेरे और अडानी के चर्चे हर जुबान पर सबको मालूम है और सबको खबर हो गयी। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री इस देश के नेता आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी एक बात कहते हैं सत्ता, शासन, देश, व्यवस्था चलाने के लिये एक व्यक्ति का पढ़ा लिखा होना बहुत जरूरी है। अभी एक कल फिल्म देख रहा था उसमें एक डायलॉग है एजुकेशन पे ही बनी फिल्म है। उसमें कहते हैं कि पैसे कमाने के तो सौ तरीके हो सकते हैं पर समाज में इज्जत उसी को मिलती है जो पढ़ा लिखा होता है। तो पढ़ना लिखना बहुत जरूरी है। इसका मैं आपको repercussion बताता हूं अनपढ़ आदमी जब सत्ता चलाता है तो

उसका नतीजा क्या होता है। आजादी मिली हमें 1947 में और 2014 तक भारत सरकार का लोन था 55 लाख करोड़, ठीक है आजादी के समय में देश की हालत ऐसी रही होगी कि भई हमें लोन्स की जरूरत पड़ी और लोन लेने में कोई बुराई भी नहीं है अगर बात प्रगति और तरक्की की हो, डेवलेपमेंट की हो। 2014 तक देश का जो कर्जा था वो 55 लाख करोड़ था अध्यक्ष महोदय और 2014 से लेकर के 2023 तक अभी 85 लाख करोड़ रूपया कर्जा लिया गया मात्र आठ नौ सालों के अंदर में और देश का जो कर्जा है वो डेढ लाख करोड़ से भी ज्यादा हो गया है देश का कर्जा है मतलब हम सब लोग जो यहां बैठे हैं सबके उपर वो कर्जा है। ये इस बात को दिखाता है आम तौर पर क्या होता है कि जब प्राइवेटाईजेशन की बात आती है तो ये यूनिवर्सल कन्सेप्ट है कोई भी सरकार है देशभर में जितने भी लोकतंत्र हैं सभी सरकारों की बात कर रहा हूं, वो प्रेफर करते हैं एक ऐसी कंपनी को प्राइवेटाइज करने के लिए जो घाटे में हो ताकि उसका जो बोझ है वो टैक्स पेयर पे ना पड़े, सरकार पे ना पड़े उसके लिए सरकार का पैसा लॉस ना हो। पहला प्रधानमंत्री है दुनिया का जो ओएनजीसी देश का सैकिण्ड हाइएस्ट प्रोफिट मेकिंग बाडी चालीस हजार करोड़ रूपये का प्रोफिट में उसको कोई प्राइवेट करने का सोच सकता है क्या? एक ही व्यक्ति सोच सकता है वजीर ए आजम हमारे भारत के प्रधानमंत्री और जिन एयरपोर्ट्स की बात संजीव झा जी कर रहे थे वो भी प्रोफिट में थे। अब सवाल ये है कि ये नैक्सस शुरू कहां से होता है।

"xxxx1[1] अडानी भाई-भाई,

देश बेच कर खाई मलाई।"

ये शुरू होता है गुजरात से एक चूर्ण अडानी मतलब चूर्ण बेचने वाला व्यापारी बहुत छोटा व्यापारी जो कुछ पीवीसी के प्लास्टिक बनाता था और ये सब करता था उसका नैक्सस शुरू होता है गुजरात से और गुजरात में किस तरीके से फॉरेस्ट लैंड का गलत स्टेटस बता बता कर के एक रूपया पर हैक्टेयर के हिसाब से साढे 15 हजार हैक्टेयर जमीन दे दिया गया उस मुद्रा पोर्ट के लिए जहां पर बाद में बीस हजार करोड़ का ड्रग्स पाया जाता है। अडानी का ड्रग्स मिलता है जिसको कोई अखबार छापने से और मीडिया छापने से मना कर देता है जिसको सारे देश ने देखा है बीस हजार करोड़ का ड्रग्स। ये भाई साहब वहां से आप एक चीज सोचिए हिंडनबर्ग है क्या? हिंडनबर्ग को समझने के लिए भी पढ़ा लिखा होना जरूरी है, अनपढ़ आदमी नहीं समझ सकता है। आज इस देश के अंदर में इतनी सारी जांच एजेंसीज़ हैं, ईडी है, सीबीआई है और भी पता नहीं कितनी एजेंसीज़ हैं बहुत सारी रेगुलेट्री बाडीज़ हैं सेबी वगैरह जो अभी बता रहे थे पर क्या किसी ने इस बारे में नहीं सोचा कि जब भारत की एक कंपनी दुनिया के टॉप सैकिण्ड लिस्ट में जब लिस्ट होती है कि भई दुनिया की दूसरी सबसे अमीर कंपनी हो गई है तो हम लोगों का भी सीना

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

बहुत चौड़ा हुआ था कि एक इंडियन कंपनी इतनी तरक्की कर रही है,ये तो बहुत अच्छी बात है, बहुत रोजगार दे रही होगी, बहुत टैक्स दे रही होगी। देश का नाम रोशन हो रहा है और साढ़े बाहर लाख करोड़ का उसका जो पूरा को पूरा वो आंकलन किया गया, साढ़े बारह लाख करोड़ की जिसकी पूरी की पूरी नेटवर्थ हो। दूसरी सबसे बड़ी कंपनी हो और वो कंपनी का आठ लाख करोड़ रूपया मार्किट में डूब जाता है एक रिपोर्ट पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पे। अध्यक्ष महोदय, वो आठ लाख करोड़ किसका है? वो आठ लाख करोड़ हड्डी गलाकर कर के वो मजदूर जो पसीना बहाकर के मजदूरी कमाता है, वो इन कंपनियों में इसलिए निवेश करता है ताकि बेटी की शादी में वो पैसा काम आ सके। विश्वास पे करता है। अध्यक्ष महोदय वो विश्वास कहां से पैदा होती है? जब भारत का प्रधानमंत्री एक व्यापारी, एक मतलब बिजनैसमैन के जहाज में घूमता है तो उसको लगता है कि ये बिजनैसमैन बहुत बड़ा है। प्रधानमंत्री जी घूमते हैं, इसकी कंपनी तो बहुत तरक्की कर रही है। इसमें अगर निवेश करेंगे तो शायद हमारी जो लागत है उसका जो हमको रिटर्न मिलेगा वो बहुत तेजी से मिलेगा और मिल भी रहा था, पर आप सोचिए कि विश्वासघात करने का काम किसने किया है? एक प्राइवेट, एक बिजनैसमैन अडानी का ब्रांड एंबेसडर दुनिया भर में कौन घूम रहा था? हमारे देश का प्रधानमंत्री क्योंकि उसके जहाज में घूम रहे थे, उसपे बड़ा-बड़ा अडानी लिखा था, उनके साथ घूमता था जिससे क्या हुआ उसकी ब्रांड वैल्यू बढ़ी, उसके

शेयर्स बढ़े। शेयर मार्किट के अंदर में एक जरा सा जो इशारा होता है वो भी हजारों करोड़ का खेल कर देता है और ये तो पूरा ब्रांड एंबेसडर बन के घूम रहे थे हमारे प्रधानमंत्री। आज कहते हैं हमारा कोई लेना–देना नहीं है। लेना–देना तो इनका गुजरात से ही है कि जो किस तरीके से फॉरेस्ट लैंड को जो है उन्होंने देने का काम किया एक रूपये के हिसाब से और इतना ही नहीं किया ONGC profit making agency उसको देने का काम किया। छह एयरपोर्ट जो कि प्राफिट में थे उनको देने का काम किया और जो मुम्बई एयरपोर्ट के साथ हुआ ळटज्ञ के साथ में ईडी का इस्तेमाल करते हैं, तंपक करते हैं एक महीने के बाद में उसका 74 परसेंट शेयर जो हैं सो अडानी ले लेता है तो extortion बोलते हैं इसको, गन प्वाईंट पे किसी को लूटना और उसके बाद उसी GVK को कहते हैं कि नहीं कोई दबाव नहीं था। मतलब वो बोलेगा कि दबाव था, है कि नहीं हम दबाव में दिए हैं एयरपोर्ट! तो अध्यक्ष महोदय, हम लोग जब स्कूल में पढ़ते थे तो प्राइवेट स्कूल जो होते हैं छोटे–छोटे शहरों में उनके शिक्षकों की तनख्वाह बहुत कम होती है। चार हजार, पांच हजार रूपया उस समय में सैलरी होती थी जब हम लोग पढ़ते थे। तो वो क्या करते थे क्लास के ही पांच सात जो कमजोर बच्चा होता था उसको बोलते थे तुम एक काम करो, तुम पढ़ने में बहुत कमजोर हो। तुम शाम को ट्यूशन में आना। तुम्हारे उपर में थोड़ा विशेष ध्यान देंगे, तब तुम्हारी जो है सो नंबर ठीक ठाक हो जाएगा। तो ठीक है बहुत सारे जो कमजोर बच्चे फेल–वेल

हो जाते थे, वो जाते थे और शाम को ट्यूशन लेते थे और शाम को जब ट्यूशन लेते थे तो क्या होता था कि मास्टर जी उसको वही सब सवाल रटा देते थे जो परीक्षा में आना होता था क्योंकि बदले में उनको ट्यूशन फीस मिलती थी और बच्चे को ये फायदा होता था कि वो पास हो जाता था। तो ये हुआ कि भई छठी क्लास में ऐसा हुआ, सातवीं क्लास में ऐसा हुआ, आठवीं में ऐसा हुआ, नौंवी में ऐसा हुआ। फिर आया बोर्ड एग्जाम दसवीं। अभी तक तो मास्टरजी क्वैशचन सैट करते थे और ट्यूशन वाला बच्चा को वही सवाल पढ़ा देते थे जो सवाल आना होता था, पर बोर्ड एग्जाम में क्या करोगे? जैसे ही बोर्ड एग्जाम हुआ वो लड़का सब जितना सब 90 परसेंट नंबर लाने वाला था, वो सब फेल हो गया। फेल हो गया या मान लीजिए उसका नंबर 40 परसेंट 45 परसेंट 50 परसेंट तक रह गया। यानि वो चीज का भण्डाफोड़ हो गया। इसी तरीके से जितना शैल कंपनी के माध्यम से इन्होंने ये गुब्बारा फुलाने का काम किया और ये सबसे बड़ा अगर फेलियर है तो भारत की सरकार पर है, उसके मुखिया प्रधानमंत्री का है । इतना बड़ा गुब्बारा फूलता रहा, इन्वेस्टर के साथ चीटिंग करती रही, एक कंपनी और आपने उसके साथ नैक्सेस करके वो गुब्बारा फूलने दिया और आज 8 लाख करोड़ रूपया डूब गया, लाखों इंवेस्टर्स का पैसा डूब गया, गरीब लोगों का पैसा डूब गया। उन मजदूरों का पैसा डूब गया जो इस उम्मीद में इन कंपनियों में निवेश कर रहे थे कि हमको बेटी की शादी में इसके लिए जो है पैसा मिलेगा।..

**माननीय अध्यक्षः** ऋतुराज जी कंक्ल्यूड करिए प्लीज।

**श्री ऋतुराज गोविंदः** ये जो विश्वासघात करने का काम किया है प्रधानमंत्री जी ने..

**माननीय अध्यक्षः** कंक्ल्यूड करिए।

**श्री ऋतुराज गोविंदः** अपने दोस्त के साथ मिलकर के इसके repercussion क्या हैं? इसका परिणाम क्या हो रहा है? आज इंटर नैशनल मार्किट के अंदर में भारत की विश्वसनीयता कम हो रही है जिसका नतीजा ये है कि हमसे ज्यादा एक रिपोर्ट छपी है कि हम से ज्यादा निवेशक अब बांगला देश, श्रीलंका और भूटान जैसे देशों में जा रहे हैं, पाकिस्तान जा रहे हैं। आप सोचिए, कि पूरे देश का नाम खराब करने का काम किया है, उसकी विश्वसनीयता को कम करने का काम किया है। इसीलिए कहते हैं

"xxx[1] अडानी भाई भाई

और देश बेच कर खाई मलाई।"

आप सोचिए, आज पार्लियामेंट के अंदर में हमारे सांसद किस चीज की मांग कर रहे हैं।..

**माननीय अध्यक्षः** ऋतुराज जी अब कंक्ल्यूड करिए, कंक्ल्यूड करिये।

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

**श्री ऋतुराज गोविंद:** आप सोचिये अगर ये, अगर मान लीजिये ये मिलावटी दूध नहीं है अगर मान लीजिये इसमें जो है कुछ लफड़ा नहीं है, तो ये क्यूं नहीं जांच करा रहे? हमारी ईडी क्या कर रही है, सीबीआई क्या कर रही है, सेबी क्या कर रही है? आप इसकी जांच नहीं होने देंगे, आपके खिलाफ कोई बोलेगा इस चीज का कोई पर्दाफाश करेगा तो उसको आप पाकिस्तान भेज देंगे। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने केवल और केवल अडानी का भंडाफोड़ नहीं किया है, दुनियाभर में ऐसी जितनी भी कंपनीज़ हैं जो झोल-झाल करती हैं, जो शैल कंपनी के शैडो करके अपना जो गुब्बारा फुलाती हैं, इनवेस्टर्स को ठगने का काम करती हैं, उन सबका पर्दाफाश करने का काम हिंडनबर्ग ने किया है। अगर हिंडनबर्ग गलत है, हिंडनबर्ग तो कह रहा है कि हमको गलत साबित कर दो, कोर्ट में आओ, क्यों नहीं जाते हो कोर्ट में? या तो आप सही हो या हिंडनबर्ग सही है। लेकिन क्योंकि दाल में काला है इसीलिये नहीं होने दे रहे। आज इस सदन के माध्यम से मैं ज्यादा नहीं बोलते हुए मुझे पता है आपकी मजबूरी क्या है, सोलह स्पीकर को बोलना है पर मैं मोटा मोटा बात यही कहना चाहता हूं इसका जो असर हुआ है इंटरनेशनल मार्किट में जो हमारी विश्वसनीयता कम हुई है, इससे देश का मान घटा है और ये देश का मान इसीलिये घटा है क्योंकि भारत का प्रधानमंत्री कम पढ़ा लिखा है, उसकी दोस्ती है अडानी के साथ में, और उसके साथ में पूरे देश का नुकसान किया है जिससे कि जब इनवेस्टर्स कम आयेंगे देश के अंदर में तो

रोजगार का संकट पैदा होगा, अर्थव्यवस्था का संकट पैदा होगा और बहुत सारी चीजों का संकट पैदा होगा, बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

**माननीय अध्यक्षः** धन्यवाद श्री सोमनाथ भारती जी।

**श्री सोमनाथ भारतीः** अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद आपने मुझे इस महत्वपूर्ण मुद्‌दे पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, आज जिस प्रकार से साथियों ने इस देश के अंदर सबसे बड़ा फ्रॉड और सबसे बड़ा विश्वासघात देश के साथ उसको सदन के माध्यम से दिल्ली को और देश को अवगत कराने का काम किया है उसके लिये वो बधाई के पात्र हैं। हम सबने सुना था कि कॉरपोरेट देश चलाता है। ढूंढते थे कोई उदाहरण मिल जाये, कैसे होता है ये कंट्रोल। तो यहां देश का प्रधान मंत्री ही कॉरपोरेट के कब्जे में है। अब ये जो साथियों ने बड़े विस्तार से किस प्रकार से कोल सेक्टर में, किस प्रकार से गैस सेक्टर में, किस प्रकार से पोट्‌र्स को बेच दिया गया, एयरपोर्ट को बेच दिया गया, और कहां से कहानी शुरू हुई तो मैं ये रिपोर्ट पढ़ रहा था जो हिंडनबर्ग रिपोर्ट है। उसका टाइटल कहता है 'Adani Group how the world''s third richest man is pulling the largest con in corporate history, largest con' लेकिन इतनी बड़ी बात कह देने के बावजूद भी, चूंकि भाजपा अकसर कहती रहती है कि भई अच्छा आपको गलत लग रहा है आप कोर्ट जाइए। तो अगर इतना बड़ा रिपोर्ट गलत है, तो भाजपा कोर्ट क्यों नहीं जाती, भाजपा कोर्ट में क्यों नहीं इनको खींचती।? ना तो

माननीय प्रधानमंत्री ने कभी इस बारे में कुछ कहा, ना माननीय गृहमंत्री ने इस बारे में कुछ कहा और जो सब कुछ देश में इस वक्त हो रहा है, ये सबसे बड़ा इस सदी का फ्रॉड और हिंदुस्तान के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात को छुपाने के लिए हर प्रकार की गलतियाँ की जा रही है। मनीष जी को जेल में डाल दो, एक धेले का रिकवरी नहीं, एक रुपए का रिकवरी नहीं। जैन साहब को जेल में डाल दो, एक रुपए का रिकवरी नहीं, किसी की सदस्यता रद्द कर दो। ये सब कुछ इसीलिए हो रहा है कि मोदी जी इस वक्त देश का ध्यान भटकाना चाहते हैं और कुछ नहीं। अध्यक्ष महोदय, इसके मैं कुछ लाइनें रिकोर्ड पर लाना चाहूंगा, इसमें किस प्रकार से, चूंकि पूरी रिपोर्ट अगर आप इजाजत दें तो, ये जो हिडनबर्ग रिपोर्ट है और रिकोर्ड पर अगर आ जाए तो सबसे अच्छा रहेगा। लेकिन अगर मैं इसकी कुछ उल्लेख करना चाहूं, कुछ इसके प्रोविजनस को, कुछ पैराज को। इसमें कहता है कि 'even if you ignore the findings of our investigation and take the financial loss, financials of Adani group at face value, its 7 key listed companies have 85 percent down side purely on a fundamental basis owing to sky high valuations.' किस प्रकार से अडानी का भाई मोरिशस में बैठकर, शैल कम्पनियाँ क्रीएट करके, जिसका कोई डायरेक्टर नहीं, जिसका कोई एड्रेस नहीं और वहां से फिर मनी को रूट किया जाता है। इससे इस सदी का सबसे बड़ा हवाला कांड अगर कोई है तो ये अडानी वाला, पिंबव  है, अध्यक्ष महोदय। लेकिन कोई इसपर

जांच नहीं। इसमें, इसका अगला पैरा कहता है कि 'the Adani Group has previously win the focus of four major Government fraud investigations which have alleged money laundering, theft of taxpayer funds and corruption totaling an estimated US $17 billion dollar. Adani family members allegedly cooperated to create offshore shell entities in tax haven jurisdictions like Mauritius, the UAE, the Carebean Islands generating forged import export documentation in an apparent effort to generate fake or illegitimate turn over and to siphon money from the listed companies.' जितनी भी कोर्पोरेट fraudulent activities आज तक क्रिमिनल हिस्ट्री में रिकोर्ड किया गया होगा, वो सारे के सारे एलिमेंटस ये XXX[1], अडानी का जो सबसे बड़ा वैंचर देश देख रहा है फ्रॉड के रूप में, उसमें उपलब्ध है। अध्यक्ष महोदय, इस रिपोर्ट में आगे कहता है 'Gautam Adani's younger brother Rajesh Adani was accused of … accused by the Directorate of Revenue Intelligence of playing a central role in a diamond trading import-export scheme around 2004-2005. The alleged scheme involved the use of offshore shell entities to generate artificial turnover. Rajesh was arrested, Rajesh Adani was arrested at least twice over separate allegations of forgery and tax fraud, was subsequently promoted to serve as Managing Director of Adani Group' और वो केस दब गया, माननीय XXX[1] जी जैसे ही

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

प्रधानमंत्री बने, अडानी के खिलाफ राजेश अडानी के खिलाफ जितने भी केसिसिज थे ये डीआरआई के माध्यम से थे और जो institution हैं उनके माध्यम से थे सब दब गए। मैं ये देख रहा था कि किस प्रकार से भाजपा ने जो संजीव भाई ने कहा की जिस वक्त ये बात बाहर आई, एक हैशटैग चला, ट्विटर पर उसमें बोला ''आई एम विद अडानी'' और पूरे भाजपा के लोगों ने चलाया हैश टैग ''आई एम विद अडानी''। तो न्यूयोर्क टाइम्स का एक आर्टिकल मैं पढ़ रहा था, उसमें ऐसी बात कही गई जो भाजपा ने, कह सकते हैं, भारत माता के साथ विश्वासघात किया, Gautam Adani"s rise was intertwined with India's rise.' eryc India is Adani, Adani is India इस प्रकार के भाव foreign countries में XXX[1] जी ने साथ-साथ ले जाकर के, अपने साथ आस्ट्रेलिया ले गए, वहां कोल माइनिंग का इनको ठेका दिलाया। जहां-जहां ये गए, वहां-वहां इन्होंने अडानी को अपने दबाव में, श्रीलंका सरकार ने तो ये बात कही, रिकोर्ड पर कही है की श्रीलंका सरकार ने कहा कि जो यहां से कॉन्ट्रैक्ट अडानी को मिला वो माननीय प्रधानमंत्री के दबाव में मिला, ये बात ऑन रिकोर्ड है, लेकिन इसकी जांच कौन करे। अध्यक्ष महोदय, ये जो रिपोर्ट का एक हिस्सा मैं और पढ़ना चाहूंगा इसपे कहता है 'Adani Group has used aggressive and conventional accounting practices to inflate its profit and understate the debt. The report claims that company has booked large amounts of revenue

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

from subsidiaries and joint ventures, which are not consolidated in its financial statements and that this provides a misleading picture of the company''s financial health and profitability. It further says, in addition to these financial concerns, the Hidden Burg report also accuses Adani Group of engaging in insided trading and tax evasion. The Group cites, the report cites the documents obtained from Indian Government and regulatory agencies which it claims support these allegations. The Report also criticize Adani Group for environmental catastrophe जो अभी कह रहे थे ऋतुराज जी की किस प्रकार से फोरेस्ट के लैंड को इन्होंने कब्जा किया, 'environmental practices accused in the company of engaging in large scale de-forestation. Damaging fragile eco-systems and polluting ground water and air. The report claims that Adani Group has ignored the concerns of local communities and has not followed environmental regulations.' allegations इतने बड़े हैं, जो प्रमाण के साथ हैं। अगर इनका ट्रायल हो जाए तो मुझे लगता है अडानी के साथ-साथ XXX[1] जी भी ताउम्र उनको जेल में रहना पड़ेगा अध्यक्ष महोदय। कोई जांच तो करे, लेकिन जांच कौन करे। अब ये भाजपा के साथी यहां पर है नहीं, अगर वो भी..

**माननीय अध्यक्षः** सोमनाथ जी अब कन्कलूड करिए प्लीज।

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

**श्री सोमनाथ भारती:** अगर वो भी इसको सुनते तो ये बात उनको समझ में आती किस प्रकार से उन्होंने XXX[1], अडानी का जो फ्रॉड है, जैसे वो कह रहे थे कि भई पढ़ा-लिखा होना जरूरी है इस रिपोर्ट को समझने के लिए। मुझे याद है अभी मैं आतिशी जी के साथ होजखास फोर्ट का आज कल चला है, देहली टूरिज्म का एक, तो उसमें अतिशी जी को बलून उड़ाना था और मुझे एक कबूतर उड़ाना था। तो उनका वो बलून तो उड़ गया, मेरा कबूतर उड़ करके मेरे पहले बांह पर बैठ गया, फिर मेरे सिर पर बैठ गया, वो उड़ता ही नहीं। तो मुझे लगा कि अगर लम्बे समय तक आदमी किसी slavery में हो, उसके बाद वो उसको फ्रीडम का महत्व खत्म हो जाता है। उसकी दासता इतनी परमानेंट हो जाती है, चाहे मेंटल हो, चाहे फिजिकल हो। जिस प्रकार से देश के अंदर XXX[1] जी ने एक ऐसा माहौल बना दिया है कि आदमी सोचना भूल जाएगा की भई राष्ट्र बड़ा है कि XXX[1] बड़ा है। जिस प्रकार से भाजपा वाले आज अपोज कर रहे थे इतने अच्छे resolution को। उनको लगता है XXX[1] बड़ा है, राष्ट्र छोटा है। अध्यक्ष महोदय, मैं देख पा रहा हूं..

**माननीय अध्यक्ष:** भई अब कन्कलूड करिए सोमनाथ जी, प्लीज।

**श्री सोमनाथ भारती:** की ये जो आज संजीव भाई ने जो resolution मूव किया है हाउस के अंदर, इस resolution के साथ देश का हर व्यक्ति को खड़ा होना चाहिए। जो भी भारत माता से

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

प्यार करता है, जो भी संविधान से प्यार करता है, जो भी इस देश से प्यार करता है, उस सभी को आज इनके साथ खड़ा होना चाहिए और एक चीज आखिरी में और एक नया सिस्टम चला है इस देश में। रेड करें XXX[1] जी, रेड करवाये XXX[1] जी और एक्वयार करें अडानी जी। आप देखें ..

**माननीय सभापतिः** भई सोमनाथ जी, प्लीज अब कन्क्लूड।

**श्री सोमनाथ भारतीः** Quint पर रेड किया गया और अडानी ने फिर Quint को खरीद लिया। एनडीटीवी पर रेड किया फिर अडानी ने एनडीटीवी को खरीद लिया। कृष्णा पटनम पोर्ट ऑफिस को रेड किया गया और फिर अडानी ने उस पोर्ट को ही खरीद लिया। उसी प्रकार से अम्बूजा, एसीसी, अल्ट्राटैक सीमेंट ऑफिसेज को रेड किया गया और अडानी ने अम्बूजा और एसीसी में मजोरिटी स्टेक खरीद लिया। उसी प्रकार से मुम्बई एयरपोर्ट, मानन एंड कम्पनी जीवीके पर रेड किया गया और मुम्बई एयरपोर्ट अडानी ने खरीद लिया। तो नया तरीका है, ये रंगा बिल्ला की जोडी अब यहां आई है। तो ये जो XXX[1] करवायें रेड और अडानी खरीदें। उसकी वैल्यूऐशन पहले कम करो उसके बाद खरीद लो। तो ये आज देश को समझना चाहिए कि किस प्रकार से XXX[1] जी देश के साथ विश्वासघात कर रहे है और जो माननीय अरविंद जी ने कहा कि जनता के लिए मन की बात और दोस्त के लिए धन

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

की बात तो ये चल रहा है। आज अरविंद जी की जो चार लाईन का कविता है..

**माननीय अध्यक्ष:** धन्यवाद, वो हो गई।

**श्री सोमनाथ भारती:** तो उन्होंने summarize कर दिया किस प्रकार से ये फ्रॉड चल रहा है। मैं संजीव झा का जो उन्होंने मूव किया है रेजोलूशन उसका स्पोर्ट करता हूं समर्थन करता हूं। धन्यवाद आपका। जय हिन्द। जय भारत।

**माननीय अध्यक्ष:** कुलदीप जी। केवल सात मिनट।

श्री कुलदीप कुमार: धन्यवाद अध्यक्ष जी। बहुत महत्वपूर्ण विषय पर अध्यक्ष जी चर्चा हो रही है यहां पर और मैं पहले सदन को ये फोटो दिखाना चाहता हूं अध्यक्ष जी। ये फोटो है अडानी जी के साथ। अब मैं नाम लूंगा तो आप कहोगे। सभी सदस्य बता देंगे कौन है। एक देश के प्रधान मंत्री एक उद्योगपति के सामने ऐसे हाथ जोडकर खड़े हैं अध्यक्ष जी ये पूरा सदन देख ले। ये पूरा सदन देख ले। उसके बाद एक और फोटो अध्यक्ष जी। प्लेन के अंदर बैठकर यात्रा कर रहे हैं और वहां से आगे की यात्रा की शुरूआत होती है। जो आज देश को लूटा जा रहा है अध्यक्ष जी। एक और फोटो अडानी जी का पीछे प्लेन उसमें बैठते हुए देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी। अध्यक्ष जी जिस प्रकार से इस देश को अडानी के माध्यम से लूटने की कोशिश की गई है अध्यक्ष जी उस पर एक शेर कहना चाहता हूं,

"सच्चाई छुप नहीं सकती कभी बनावट के असूलों से
और खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से"।

अध्यक्ष जी, ऐसे ही तो प्रधान मंत्री जी की डिग्री है और ऐसे ही ये फ्रॉड था जो छुप नहीं पाया। पूरे देश के अंदर ये आज एक बच्चे-बच्चे को पता है कि अडानी कौन है। पूरे देश को पता है कि अडानी ने किस प्रकार से इस देश को लूटने का काम किया है और अध्यक्ष जी ये सब अभी संजीव भाई ने अपनी बात रखी, सोमनाथ जी ने भी बात रखी। मुझे पूरी बात समझ कर एक ही बात समझ में आई। अध्यक्ष जी, अगर इस देश के प्रधान मंत्री पढ़े लिखे होते तो कोई अडानी जैसा उद्योगपति उनको बेवकूफ नहीं बना पाता। उनको पागल नहीं बना पाता और पागल नहीं बना पाता तो देश नही लुटता। देश बर्बाद नहीं होता। अध्यक्ष जी, उनकी डिग्री की चर्चा पूरे देश में है। सबको पता है अगर वो पढ़े लिखे होते तो ये अडानी जैसे लोग हमारे देश को नहीं लूट पाते। हमारी एलआईसी को नहीं लूट पाते। लेकिन इन्होंने हमारी एलआईसी को लूटने का काम किया। इस देश को लूटने का काम किया। अभी बताया कि कैसे एक व्यक्ति लगातार उसका एम्पायर बढ़ता गया और देश नीचे आता गया। अध्यक्ष जी, एलआईसी के अंदर XXX[1] जी ने जबरन कहा एलआईसी को कि आप इसमें इन्वेस्ट करो और देश के लोगों के 87 हजार करोड रूपये एलआईसी के अंदर इन्वेस्ट कराये और आज उन लोगों के एलआइसी के पैसे पर खतरा मंडरा रहा है।

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

आज एलआईसी में जिन लोगों के पैसे लगे हुए थे, अपनी बेटियों की शादी करने के लिए, अपनी बहनों की शादी करने के लिए, आज उस पैसे पर खतरा मंडरा रहा है। अध्यक्ष जी, किस प्रकार से अडानी के माध्यम से इस देश को लूटने की कोशिश की गई चाहे पोर्ट की बात हो चाहे एयर पोर्ट की बात हो, एयर पोर्ट को लूटा, पोर्ट को लूटा। जमीन से लेकर आसमान तक लूटा और पूरे देश को अडानी के माध्यम से लूटने का काम इस देश के अंदर प्रधान मंत्री जी के माध्यम से किया गया। अध्यक्ष जी, प्रधान मंत्री जी ने इस देश के लोगों को कैसे गुमराह किया, कैसे बेवकूफ बनाया। अभी भाजपा के साथी वहां बैठे थे, जब भी हम अडानी की बात करते हैं उनको मिर्ची लग जाती है। उन्हें दर्द हो जाता है। भई अडानी की बात करते हैं आप उठकर भाग जाते हो। अडानी ने इन सबके साथ मिलकर इस देश को लूटा है और ये देश आज जानना चाहता है कि इसकी अगर आप बात करते हो जांच की, आप सीबीआई जांच की बात करोगे, आप ईडी की बात करोगे। छोटे-छोटे केस में जांच कराते हो। लेकिन जब अडानी की जांच की बात आती है तो पीछे हट जाते हो। आज देश पूछ रहा है कि जेपीसी से प्रधान मंत्री जी क्यों भाग रहे हैं? ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी क्यों नहीं बनाना चाहते हैं? वो क्यों भाग रहे हैं? क्योंकि उनको पता है कि वो कहते है जेल कौन जायेगा। अगर जेपीसी बनी तो मैं निश्चित रूप से कह रहा हूं कि इस देश के प्रधान मंत्री और गृह मंत्री और अडानी तीनों लोग जेल में जायेंगे। ये तीनों

लोग जो है जेल में जायेंगे और जेल में जाने का काम होगा। अध्यक्ष जी, इस सदन के माध्यम से जो संजीव भाई ने प्रस्ताव रखा है क्योंकि समय कम है और ज्यादा लोग हैं तो मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं और इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं कि उसकी जांच जेपीसी से भी कराई जाए और आप जिस माध्यम से करा सकते हैं उस पर करायें। बहुत-बहुत धन्यवाद। बहुत-बहुत आभार।

**माननीय अध्यक्षः** गौतम जी। राजेन्द्र पाल गौतम जी।

**श्री राजेन्द्र पाल गौतमः** बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी। देश को धोखा देकर देश की जनता के पैसे को किस प्रकार लूटा गया एक व्यक्ति विशेष के द्वारा सरकार के मुखिया के साथ मिलकर। इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर आपने चर्चा करने के लिए मुझे मौका दिया। सबसे पहले तो मैं संजीव झा जी का जो प्रस्ताव है मैं उसका समर्थन करता हूं और जिस तरीके से एक एक तथ्य को सदन के सामने बहुत खूबसूरती के साथ उन्होंने रखा। निश्चित तौर पर इसी तरह की सारगर्भित चर्चा सदन में होनी चाहिए। तथ्यों के साथ होनी चाहिए। उसका स्टैण्डर्ड सदन का बढ़ जाता है। तो मैं संजीव भाई को इसके लिए बधाई देता हूं। मुझे याद आता है माननीय अध्यक्ष जी आपकी स्वीकृति से यहां की एक कमेटी जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लिए गई थी घूमने के लिए। कुछ मुद्दों पर रिसर्च करने के लिए और उस कमेटी में मैं भी एक सदस्य के तौर पर गया। हर दो सौ तीन सौ मीटर की दूरी पर हमारी

गाडी रोक कर विधायकों को गाडी से नीचे उतारकर गाडी जांच कराई जाती थी। मैं ये सोच रहा था कि एक तरफ तो हम स्टेट गेस्ट के रूप में आये हुए हैं और विधायकों को भी गाडी से उतारकर गाड़ी जांच कराई जा रही है, ऐसा क्यों है। लेकिन फिर मैंने सोचा कि यार सुरक्षा का सवाल है, जम्मू कश्मीर एक संसेटिव प्लेस है, स्टेट है तो कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन मुझे दुख इस बात का है कि जब ये पुलवामा हुआ तब तीन सौ साढे तीन सौ किलो आरडीएक्स लेकर एक गाड़ी हमारे सैनिकों के काफिले की गाडियों से टकराकर 40 से ज्यादा सैनिकों को मार देती है और वो जांच एजेंसियां जो पूरे देश की विपक्षी पार्टियों के खिलाफ झूठे मुकद्दमे दर्ज करके उनको जेल में डालने का काम कर रही है, वो सारी जांच एजेंसी पुलवामा वाले मुद्दे पर फेल क्यों हैं? केन्द्र सरकार को कम से कम इस बात का खुलासा तो कर देना चाहिए कि वो तीन सौ साढ़े तीन सौ किलो आरडीएक्स कौन लेकर आया। उस गाड़ी को वहां तक किसने जाने दिया, किस की मदद हुई इसमें कौन लोग जिम्मेदार हैं। अगर ये जांच आज तक भी सामने नहीं आ पा रही है तो इसका कारण मुझे आज स्पष्ट तौर पर समझ आता है। देश की जनता ने जिनको दूसरी बार प्रधान मंत्री बनाया, अपना इतना प्यार दिया, आज वो देश की जनता क्या महसूस करती है ये बात मैं एक शेर के माध्यम से समझाने की कोशिश करता हूं कि जनता क्या महसूस कर रही है। जनता महसूस कर रही है कि,

"मुझे शिकवा नहीं तेरी बेवफाई का,

कि मुझे शिकवा नहीं तेरी बेवफाई का,

गिला तो तब हो जो तूने किसी से निभाई हो"।

तो जिस जनता ने पहली बार जिताया फिर दोबारा जिताया उसी जनता के पैसे को जो बैंकों के अंदर जमा था, इन्श्योरेंस कम्पनीज के अंदर जमा था, उन कम्पनियों ने जब अडानी जी को वो लोन देने से इन्कार किया, जांच तो इस बात की भी होनी चाहिए उन बैंक के उच्च अधिकारियों को इन्श्योरेंस कम्पनी के उच्च अधिकारियों को कहां से फोन आया और किसने फोन किया कि ये अडानी जी को लोन आपको देना होगा। तो जनता के पैसे को लूट कर रातों-रात दुनिया के दूसरे और तीसरे नम्बर पर पहुंचने वाले ये कभी मेहनत से सम्भव नहीं है। आजतक आप पूरी दुनिया का इतिहास उठाकर देख लो पूरे दुनिया में एक भी उद्योगपति ऐसा नहीं मिलेगा। मैं केवल भारत की बात नहीं कर रहा हूं, पूरे दुनिया के अंदर एक भी उद्योगपति ऐसा नहीं मिलेगा जिसने इतनी तेजी से इतनी तरक्की की हो। बेसिकली तरक्की हुई हो तो वो शायद देश की तरक्की भी साथ में हो जाती दिखती। तरक्की दिखाने का फर्जीवाडा हुआ। ये मुझे इस पर एक घटना याद आ रही है और वो घटना शायद आपको पसंद आयेगी, आपने सुनी भी होगी, ...व्यवधान... सच्ची घटना है। एक कथा वाचक थे अपने आपको संत के रूप में पूरे देश में नहीं पूरी दुनिया में पूजवाते थे। उनके यहां एक बार

एक व्यापारी गये और उन्होंने कहा की मुझे संत जी से मिलना है तो संत जी के जो मीडिएटर थे उन्होंने कहा भई ऐसे संत जी नहीं मिल सकते उन पर टाइम नहीं है, पहले अपाइंटमेंट लेना पड़ता है। तो उन्होंने कहा अच्छा ठीक है नहीं मिलते, कोई बात नहीं। मेरी तरफ से ये 10 हजार रुपये का चंदा है ये उनको दे देना और बता देना जी वो चंदा देकर गये। दूसरी बार फिर वो संत जी के वहां गये आश्रम में दूसरी बार फिर उन्होंने कहा मुझे संत जी से मिलना है उन्होंने कहा भई ऐसे नहीं मिलते है आपको पिछली बार भी समझाया था तो उन्होंने कहा ऐसा करना ये 10 लाख रुपये चंदा है मेरी तरफ से संत जी के लिए तो ये उनको दे देना। उनको जब दिया तो उन संत जी ने जिनका नाम एस से शुरु होता है उन्होंने कहा भई ये कौन व्यक्ति है इसको बुलाओ। अब वो वहां गये और बहुत अच्छे से संत जी उनसे मिले, मिलने के बाद उन्होंने कहा कि मैं तो इसलिए आपके पास आया था मैं चाहता हूं एक बार आप मेरे घर पर आकर खाना खाएं। संत जी ने उनकी बात मान ली, उनका खाने की दावत स्वीकार की और वो उनके घर पर गये। संत जी को पता नहीं था कि जिस बंगले में वो रहते थे वो बंगला किराये पर था। उन्होंने उन संत जी को कहा की ये मेरा बंगला है और मेरे ऐसे-ऐसे, फलां-फलां बिजनेस हैं और बहुत अच्छी तरक्की हो रही है। उन्होंने पूछा कि भई इतना ये कैसे आपने इनवेस्टमेंट कहां से हुआ,कि मैं लोगों से पैसा लेता हूं और उनको 5 परसेंट ब्याज दे देता हूं, हर महीने दे देता हूं।

संत जी ने कहा तो ठीक है ऐसा करो 10 करोड़ मेरे भी लगा दो, 5 परसेंट मुझे भी दे देना और इस तरह उनके 10 करोड़ रुपये लेते ही वो मकान खाली करके रफूचक्कर हो गये। आज हमारे देश के साथ बिलकुल उसी तरह की चीटिंग उसी तरीके से हो रही है। फर्जी शैल कंपनियां बनाई गईं और उन कंपनियों के माध्यम से अपने ही शेयरों को खरीद–फरोख्त करके उनकी कीमत वेल्यू मार्किट में बढ़ाई गई ताकी जनता छलावे में आकर अपना पैसा उन कंपनियों में लगाए इस तरीके से पूरे देश के साथ छल करने का काम, पूरे देश के साथ गद्दारी करने का काम केवल अडानी जी ने नहीं किया है बल्कि जिनके प्लेन में बैठकर वो अनेकों बार अनेकों देशों में गये अनेकों देशों की सरकार को बाध्य किया उनको उन्होंने कांट्रेक्ट देने के लिए, वो इसके अंदर शामिल हैं और मैं ये सोच रहा था कि जब देश की बात आए तो कम से कम ऐसे मुद्दे पर तो हमारी विपक्ष जो यहां विपक्ष में हैं लेकिन पूरे देश में बहुत सारे राज्यों में सत्ता में हैं, केन्द्र के अंदर पूरे बहुमत से जो पार्टी सत्ता में है, वो पार्टी अडानी जी के लूट के ऊपर चर्चा में इतना विरोध आखिर क्यों कर रही है। ये विरोध केवल अडानी के ऊपर चर्चा का नहीं है बल्कि ये विरोध इसलिए है ताकी ये सच कहीं सामने न आ जाए कि जो इनके मुखिया हैं वो इस सारे चीटिंग और फोर्जरी में इस लूट में शामिल हैं और यही कारण है पूरे देश का विपक्ष एकजुट होकर संसद के अंदर बार–बार कह रहा है जेपीसी का गठन करो ताकी जेपीसी जांच

करके सच को सामने लाकर रखे। आईने में साफ-साफ तस्वीर होनी चाहिए कि आखिर ये लूट किसने की है, इसमें कौन शामिल हैं और मुझे तो इस बात का भी दुख है। हमारे अन्ना हजारे जी जो इस तरह के मुद्दों पर अक्सर भूख-हड़ताल पर बैठ जाया करते थे, मैं देख रहा हूं जब से ये सरकार सत्ता में केन्द्र के अंदर आई है करीब 9 साल होने को हैं तब से वो बिलकुल चुप्पी साध गये, उनकी भी एक बार जांच करो बीमार-विमार तो नहीं हैं, कम से कम उनसे कहो कि भई इस मुद्दे पर भी भूख-हड़ताल पर बैठ जाओ। हमारी सरकार के बारे में तो बार-बार जांच की बात करते हो, बार-बार बोलते हो लेकिन मैं पूछना चाहता हूं जो ब्लैक मनी भारत में वापस लाने की बात थी, वो वापस नहीं आई उस पर वो चुप क्यों हैं। देश के अंदर लगातार देश के संसाधनों को लूटा जा रहा है, दोहन किया जा रहा है, एसईजेड सेज के नाम पर जैसा कि संजीव भाई ने बताया बिना किसी पैसे के या एक रुपये पर उनको इतनी बड़ी जमीन दे दी गई, बाकी उद्योगपतियों को 8 हजार और 6 हजार रुपये मीटर के हिसाब से दी गई। तो इस तरह की जो लूट देश के साथ हो रही है ऐसे मुद्दों पर ऐसे लोग चुप क्यों हैं। कहीं ऐसा तो नहीं सारे का सारे षडयंत्र में इस तरह के लोग शामिल हैं जो केन्द्र में आज सत्ता में बैठे हैं, इसीलिए वो जेपीसी का गठन नहीं होने दे रहे, इसीलिए विपक्ष को बोलने नहीं दे रहे, इसीलिए विपक्ष के लोगों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कराकर सारी जांच एजेंसियों को पूरे विपक्ष के खिलाफ लगा दिया

है। मैं जानना चाहता हूं क्या देश की लूट के बारे में हमारी जांच एजेंसियां कोई जांच करेंगी या नहीं करेंगी। ये भी स्पष्ट होना चाहिए क्या सीबीआई, एनआईए, ईडी क्या ये सब ये भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बन गये हैं? क्या भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर जांच होगी अदरवाइज जांच नहीं होगी। पूरा विपक्ष लिखकर दे रहा है कि इसकी जांच क्यों नहीं हो रही है। माननीय अध्यक्ष जी, इस तरह की लूट ज्यादा दिन चलने वाली नहीं है। देश के लोग पहले भी आजादी की लड़ाई लड़ी गई, मुझे लगता है आजादी की एक और लड़ाई की जरूरत है और इसमें कुर्बानी देने की जरूरत है। अगर शहीद भगत सिंह या उनके साथियों ने कुर्बानी दी तो मैं आज इस सदन के सामने कह रहा हूं अगर इसमें हमें अपनी जान की कुर्बानी देनी पड़ी, हम देने के लिए तैयार हैं पर हम इस लड़ाई को लड़ेंगे और हम इस लड़ाई को जीतेंगे। आपने मुझे बोलने का मौका दिया बहुत-बहुत धन्यवाद। जय भीम।

**माननीय अध्यक्षः** धन्यवाद-धन्यवाद, अखिलेश पति त्रिपाठी जी।

**श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः** अध्यक्ष महोदय, आज जो विषय चर्चा हो रहा है पूरा देश आज पूछ रहा है कि ''अडानी दोस्त तो बहुत ही कमात है महंगाई डायन देश को खाय जात है'' लेकिन XXX[1] जी चुप हैं। आजकल देश की पार्लियामेंट में चर्चा हो रही है की भई एक जेपीसी बना दीजिए। एक अडानी ने घोटाला किया है देश का 15 लाख करोड़ से ज्यादा डूब गया है उसकी जांच

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

तो हो जाए तो ये भाजपा वाले साथी पहले जब हम लोग कहते थे की झूठे आरोप लगा रहे हैं मनीष सिसोदिया जी पर ये लोग, ये गलत मनगढ़ंत आरोप हैं तो ये भाजपा के साथी अभी चले गये हैं।, हैं नहीं। तो ये कहते थे जांच तो करा लो, जांच से डर क्यों लगता है, अगर ईमानदार हैं तो जांच से क्यों डर लगता है। अब आम आदमी वाले पूछ रहे हैं कि भाई साहब अडानी आप कहते हैं ईमानदार हैं, पूरा देश कह रहा है बेईमान है, अरे जांच तो करा लो, जांच से क्यों डरते हो XXX[1] जी। लेकिन XXX[1] जी माने नहीं। मैं सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने कहा है की जांच तो होनी चाहिए। चलो देश के लोगों को ये पता तो चला की दाल में कुछ काला है लेकिन मैं तो यहां खड़ा होकर कह रहा हूं की पूरी दाल ही काली है। अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से देश में मोदी जी के शासनकाल में अडानी जी को एयरपोर्ट दे दिया गया, मुद्रा का पोर्ट और तमाम पोर्ट दे दिया गया, कोल ब्लाक दे दिया गया, रेलवे ट्रैक और रेलवे के रैक दे दिये गये, गैस की खदानें और सौर उर्जा का सारा कारोबार दे दिया गया। अध्यक्ष महोदय, 2 जी पर हंगामा करने वाले 5 जी को भी देश में अडानी के हाथों बेच गये और कहते हैं जांच नहीं कराएंगे अरे भाई जांच तो करा लो। पूरे देश की पार्लियामेंट कह रही है फिर कह रहा हूं, संजीव भाई खड़े होकर कह रहे हैं, अब ये हमारे सारे सदस्य कह रहे हैं तब अध्यक्ष जी सवाल उठता है की चोर की दाढ़ी में तिनका है, गड़बड़ तो हुआ है और आज जिस

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

तरीके से संजीव भाई ने मुद्दा उठाया है की 2006 में छोटी सी एक कंपनी जिसे गुजरात उर्जा निगम में काम के लिए एक टैंडर लगाता है 3.75 रुपये पर युनिट का रेट लगाया जाता है, रेट को बदल दिया जाता है बाद में और कंपनियों को कोई मौका नहीं दिया जाता है। तो एक ऐसा खेल XXX[1] जी अडानी दोस्त के लिए बनाते रहे हैं की जिसमें नियम भी उनका, खेल भी उनका ताकी टैंडर येन-केन-प्रकारेण अडानी जी को मिले, वो बिड 2.89 पैसे पर युनिट कर दिया गया और उनको टैंडर दे दिया गया। जब इस पर तमाम उर्जा कंपनियों ने सवाल उठाया और 29 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगा, आज तक देश सवाल कर रहा है कि उस पर जांच क्यों नहीं हुई। एसईजेड का जो कानून था उसमें अडानी जी को फायदा पहुंचाने के लिए परिवर्तन कर दिया गया। जो एक्साइज कस्टम ड्यूटी थी, कस्टम ड्यूटी कभी भी वापस करने का कोई नियम नहीं था, कस्टम ड्यूटी वापस कर दिया गया और जो, अब सबसे बड़ी बात वो पैसा क्लेम कर लिया गया जो पैसा उसने कस्टम ड्यूटी के रूप में कभी जमा नहीं कराया। तकरीबन 18 हजार करोड़ से ज्यादा का पैसा जो उसने जमा नहीं करा वो भी कस्टम ड्यूटी के नाम पर उसको वापस दे दिया गया। यहीं पर XXX[1] जी नहीं रुके।

XXX[1] जी ने कहा कि दोस्त को पूरे देश में पूरी दुनिया में घुमायेंगे जहां-जहां जायेंगे वहां लेकर जायेंगे। श्रीलंका की सरकार पर

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

दबाव डाला कि उनको वहां पर काम दे दिया जाये वहां की सरकार दबाव में नहीं आई अध्यक्ष महोदय और सरकार को मुंह की खानी पड़ी। उसके एवज में पूरे दुनिया में भारत की साख को बट्टा लगाया अध्यक्ष महोदय और आजकल तो लोग एक ही लाइन कह रहे हैं जो ऋतुराज जी भी दोहराये की अडानी की जांच, अडानी की जांच की मांग पूरा देश कर रहा है आज XXX[1] जी से पूरा देश सवाल कर रहा है यहां पर खड़े होकर की अडानी की जांच की मांग पूरा देश कर रहा है क्यों कांप रहे हैं XXX[1] जी के हाथ, ये पूरा देश सवाल कर रहा है, ये पूरा देश सवाल कर रहा है। इसका जवाब तो XXX[1] जी को देना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, एक और चर्चित गाना है मैं काफी चर्चित रहा है लोग इसको मैं कहकर मैं अपनी बातों को समाप्त करूंगा।

''आजकल XXX[1] और अडानी के चर्चे हर जुबान पर
सबको मालूम है और सबको पता चल गया,
हम सबको खबर लग गई, सबको खबर लग गई,
हमने तो प्यार में ऐसा कर लिया था
हमने तो दोस्ती में ऐसा कर लिया था
दोस्ती के राह में अपना नाम कर लिया,
दो बदन एक जान हो गये

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

मंजिलें एक हुई हमसफ़र बन गये,

मंजिलें एक हुईं हमसफ़र बन गये,

क्यों भला हम डरें देश के मालिक हैं हम,''

आजकल XXX[1] जी कह रहे हैं

''क्यों डरें, क्यों भला डरें हम देश के मालिक हैं हम,

हर जन्म में तुझे अपना माना अडानी सनम,

हर जन्म में तुझे माना अपना अडानी सनम,''

ये देश में जिस तरीके का घोटला हो रहा है जिस तरीके से फायदा पहुंचे, यहीं नहीं रूके XXX[1] जी, XXX[1] जी ने देश के एक-एक, छोटे-छोटे इन्वेस्टर जो एल.आई.सी. में पैसा लगाये उनका पैसा दबाव डालकर के लगभग 87 हज़ार करोड़ रुपया जो है अडानी के शेयरों को देने का काम कर दिया यहीं नहीं रूके देश का सबसे बड़ा फाइनेन्शियल बैंक स्टेट बैंक का..

**माननीय अध्यक्षः** कन्क्लूड करिये अब, अखिलेश जी कन्क्लूड करिये अब।

**श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः** लाखों करोड़ों रुपया लोन के रूप में देकर के पूरे बैंकिंग सिस्टम को बैठाने का काम XXX[1] जी ने कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं जो संजीव भाई ने प्रस्ताव लेकर

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

आये हैं उस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और मांग करता हूं की इसकी जांच होनी चाहिये और अगर जांच नहीं हो रही है तो देश में सवाल खड़े होनी चाहिये की ई.डी., सी.बी.आई. और जो जितने एजेंसियां हैं क्या उन्होंने केवल विपक्ष के लिये रख रखा है या जो अडानी हैं, अडानी को जो कम्पनी उनके लिये नहीं बिकती उन कम्पनियों पर दबाव डालकर उस कम्पनियों को बिकवाने के लिये रखा है, आज पूरा देश पूछ रहा है। बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

**माननीय अध्यक्षः** बी.एस. जून जी, जून साहब।

**श्री बी.एस. जूनः** धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी, Hinden Berg की रिपोर्ट आने के बाद जो ग्रुप चेयरमैन हैं उन्होंने एक स्टेटमेंट दी की This is an attack on India, dishonest, fraud businessman पर अगर कोई रिपोर्ट आती है तो इंडिया पर कैसे फर्क पड़ जायेगा। आज उस बिज़नेसमैन को इस स्टेट्स पर ले आये हैं कि वो इंडिया के बराबर अपने आपको इक्वलेंट मानता है, 70 के दशक में कांग्रेस में एक President होते थे देवकांत बरवा उन्होंने एक स्टेटमेंट दिया था 'Indira is India and India is Indira' तो लगता है आज वही सिचुएशन अडानी जी को ये सरकार देना चाह रही है की अडानी का रूतबा एक इण्डिया के बराबर है। अगर वो बिज़नेसमैन अपनी गलत हरकतों की वजह से bankrupcy में जाता है Insolvency में जाता है तो उसका इंण्डियन इकॉनॉमी पर क्या फर्क पड़ेगा। इण्डियन इकॉनॉमी इतनी वीक है क्या कि डिस्ऑनेस्ट

बिज़नेसमैन की वजह से मतलब recession आ जाये उसमें? सवाल ही पैदा नहीं होता है क्योंकि हमें बचपन से एक चीज़ सिखाई जाती है और उसको कहते हैं Drift behaviour drift conduct की, बचत की आदत डालो और वो ऐसी बचत की आदत हम लोगों में है की जब–जब recession world में आया तो इण्डिया पर कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। अध्यक्ष जी, ये जो अडानी ग्रुप की जो कम्पनियां हैं 10 में से 7 ऐसी कम्पनिंज हैं ये जिनके inflated shares मार्किट में स्टॉक मार्केट में थे, 85 परसेंट तक इन्होंने अपनी शेयर्स की कीमत बढ़ाई और उसके बाद उन शेयर्स को बैंकों में फाइनेंशियल इन्सिटिट्यूशन में pledge किया लोन लिया और लोन लेकर जो tax heaven jurisdiction है जैसे की Mauritius, UAE या Caribbean Island वो पैसा लोन का जितना भी आया था हवाला के जरिये उन shell companies में ट्रांसफर कर दिया उन shell companies के कौन थे प्रमोटर्स, सारे अडानी के फैमिली मैम्बर्स। कुछ दिनों के बाद वही पैसा वापस हवाला से लिस्टिड कम्पनिज़ जो इसकी 10 हैं उनके अंदर आ गया। अब सवाल यह है अध्यक्ष जी की ये laundering थी अगर ये laundering थी हवाला से पैसा गया, फिर वापस आया तो उस पर ई.डी. ने क्या किया इस बात का आज तक किसी को कोई सवाल नहीं मिला। दूसरा अध्यक्ष जी 5 कम्पनी अडानी की ऐसे हैं जो liquidity crunch की वजह से आज insolvency के लैवल पर पहुंच गई है अगर वो अपने आपको bankrupt साबित कर दें, insolvent साबित कर दें तो जो

गरीब लोग हैं जो फाइनेंशियल इन्सिटीट्यूशन्स हैं, जो बैंक्स हैं, उनमें जितना भी गरीबों का पैसा है वो सारे का सारा पैसा बरबाद हो जायेगा और वे लोग भी बरबाद हो जायेंगे। तीसरी बात अध्यक्ष जी जो इस रिपोर्ट में आई कि 22 में से 8 जो key posts हैं अडानी ग्रुप्स में वो सारे इसके फैमिली मैम्बर्स के पास हैं जो इनको सारा कवर करते हैं। हमारे एक मैम्बर ने बताया कि इसका जो भाई है राजेश अडानी उसको 1999 में और 2010 में DRI ने अरेस्ट किया एलिगेशन क्या थे custom duty evasion, forging import export document and illegal imports तो ये आदमी सिर्फ ये 2014 के बाद नहीं 2014 से पहले भी इलीगल ट्रांजेक्शन्स में, इलिगल एक्टिविटीस में ये इन्वॉल्व रही है पूरी की पूरी फैमिली। उसके बाद अध्यक्ष जी इनका एक साला है समीर वोहरा वो भी DRI में cut diamond trade scam में शामिल थे, उनको भी DRI ने अरेस्ट किया उसके बाद इनका एक और ब्रदर है विनोद अडानी जिस पर चार मेजर गर्वमेंट फ्राड्स चल रहे हैं, चार मेजर गर्वमेंट फ्राड्स। क्या-क्या थे- money laundering, theft of tax payer funds, corruption and forgery इन चार मेजर फ्राड्स में अध्यक्ष जी 1.7 billion US dollars जो इस आदमी ने वहां मॉरिशियस में लगाये हुये थे। इस आदमी ने एब्रॉड में शैल कम्पनिज़ जो हैं वो form की और वहां पर पैसा गरीबों का वहां ट्रांसफर किया। 2021 जून में अडानी इन्ट्रप्राइजिज़ जो इनकी स्टार कम्पनी है उसके भी शेयर 25 परसेंट एक रिपोर्ट आई थी पहले भी डाउन हो गये जिससे गरीबों का

लाखों करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। अध्यक्ष जी, अकेले मॉरिशियस में विनोद अडानी ने 6 shell companies में 6.8 bn US dollars डाला हुआ है वो पैसा किसका है? इण्डियन पॉलिटिशियन्स का या ये जो XXX[1] अडानी करते हैं मोडानी करते हैं कहीं ना कहीं किसी का पैसा है, यहां से shell companies में पैसा गया, हवाला से गया और पैसा वहां डिपोज़िट करा दिया। आज तक इस बात पर कोई किसी किस्म की कोई इंक्वायरी नहीं हुई। कौन सी कौन सी financial institutions या बैंक जो हैइस स्कैम में बरबाद हुये, एस.बी.आई., एल.आई.सी. और आज एक और नई कम्पनी जुड़ गई है Pension fund of employees Provident Fund उसका भी पैसा डूब गया है जिसका सरकार ने आज तक कोई जवाब नहीं दिया।अध्यक्ष जी, एक बात कहते हैं के जे.पी.सी. बनाओ, बिल्कुल बननी चाहिये क्योंकि ना सी.बी.आई. कुछ कर रही है ना SEBI कुछ कर रही है ना ई.डी. कुछ कर रही है। 1987 से आज तक 9 बार जे.पी.सी. बन चुकी अगर एक जे.पी.सी. और इस ेबंउ पर बन जायेगी तो कौन सा आसमान टूट पड़ेगा। सरकार की एक आरग्यूमेंट्स है कि जी सूप्रीम कोर्ट ने एक कमेटी कॉन्सिटिट्यूटी कर दी अगर उस कमेटी के terms of reference देखें हम तो उसमें अडानी स्कैम का तो जिक्र ही नहीं। उसमें क्या है कि हमें स्मॉल इन्वैस्टर्स का पैसा वॉच करना है, कि उन लोगों को प्रोटेक्ट किया जा सके और SEBI उसमें मदद कर रही है और interestingly अध्यक्ष जी जो

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

कमेटी बनी उसमें एक मैम्बर अडानी का रिश्तेदार है। क्या रिपोर्ट आयेगी उसकी? तो मेरा कहने का मतलब ये है कि हर जगह लीपापोती चल रही है। अभी ड्रग्स की बात की, किसी ने बताया कि ये चूरन बेचते थे। ये बात सही है। इन्शियली ये आदमी ड्रग्स में भी इन्वोल्व था, ड्रग्स के धंधे में भी जब ये छोटा-मोटा बिज़नेसमैन था, ड्रग्स के धंधे में भी गुजरात में इन्वोल्व था। 13.02. 2021 को 3 हज़ार किलो हैरोइन इसकी प्राइवेट जो पोर्ट है मुद्रा पोर्ट उस पर रिकवरी हुई जिसका 21 हज़ार करोड़ रुपये कीमत थी। उस पर आज तक कोई ई.डी. या सीबीआई या किसी की इंक्वायरी नहीं हुई। सैकेंडली सर, जुलाई 2022 पिछले साल 70 किलो हैरोइन जिसकी कीमत साढ़े तीन सौ करोड़ थी वो रिकवरी हुई, उस पर भी कोई एक्शन नहीं हुआ। तो मेरा कहने का मतलब ये है अध्यक्ष जी कि जितने इसमें अलग-अलग segments में अपना पैसा इन्वेस्ट किया है या XXX[1] सरकार ने इसको मदद की है और टेकओवर कर लिया वो तो बात बिल्कुल सही है लेकिन अगर ये ई.डी. से, सी.बी.आई. से SEBI से ऐसी कोई इंक्वायरी कराना नहीं चाहते तो जे.पी.सी. एक ओनली सोल्युशन है जिससे ये पता लग सकता है कि कितने का घपला था, किसने घपला किया और कितना पैसा शैल कम्पनिज में इंडिया से गया।..

**माननीय अध्यक्षः** कंक्लूड करिये, कंक्लूड करिये जून साहब।

**श्री बी.एस. जूनः** तो अध्यक्ष जी, थैंक्यू सर। मैं अध्यक्ष जी, मैं मदन लाल जी और संझीव झा जी का जो प्रस्ताव है, उसका

अनुमोदन करता हूं। इसमें जेपीसी की इंक्वायरी होनी चाहिए। थैंक्यू वैरी मच।

**माननीय अध्यक्षः** जरनैल जी, पांच मिनट में, जरनैल सिंह जी।

**श्री जरनैल सिंहः** थैंक्यू स्पीकर साहब। स्पीकर साहब निजी कम्पनी और केन्द्र सरकार के सहयोग से केन्द्र सरकार के खजाने को और लोगों को जो चूना लगाया जा रहा है। इससे संबंधित इस महत्वपूर्ण चर्चा में समय देने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

स्पीकर साहब ये अभी से कुछ मिनट पहले की खबर है कि आज फिर अडानी के छः स्टॉक्स जो हैं वो लोवर सर्किट को हिट कर गये हैं। जो स्टॉक मार्केट की जानकारी रखते हैं, उनको मालूम है कि इससे ज्यादा शेयर आज इस ग्रुप का नहीं गिर सकता, तो वहां पर जाकर वो रूक जाता है और जैसे कुलदीप भाई ने फोटो दिखाई है अडानी साहब की, XXX[1] साहब की साथ में, पहले XXX[1] साहब अडानी साहब के हैलीकॉप्टर से नीचे उतर रहे हैं हवाई जहाज से फिर किसी मीटिंग के अंदर वो एक साथ दिख रहे हैं हाथ जोड़कर XXX[1] साहब खड़े हैं। फिर उनके प्राइवेट एयरक्राफ्ट में XXX[1] साहब बैठे हुए हैं या फिर इस तरीके की खबर हो, जिसमें श्रीलंका की सरकार कह रही है कि XXX[1] साहब हमारे पर दबाब बना रहे हैं कि अडानी को काम दिया जाए। इन खबरों के चलते देश चल रहा था कि अचानक हिंडनबर्ग की रिपोर्ट

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

आती है और क्योंकि इस रिसर्च में होमवर्क बहुत ज्यादा किया गया था। एकदम से ताश के पत्तों की तरह सारा ये रेत के महल गिरने लग लगते हैं।

स्पीकर साहब देश में जो बड़े-बड़े प्राइवेट बैंक हैं, उनमें से किसी भी बैंक के म्युचवल फंड ने अडानी के स्टॉक्स के अंदर पैसा इंवेस्ट नहीं किया क्योंकि ये खबरों के साथ साथ उनका अपना होमवर्क भी होता है। पर जो सरकारी बैंक थे सिर्फ उन्होंने इस अडानी के शेयर्स के अंदर लोगों का पैसा इंवेस्ट किया। प्राइवेट बैंक्स ने इसलिए नहीं किया कि उनको मालूम था कि इसमें बहुत बड़ा फॉड हो रहा है, जिस तरीके से भाइयों ने, मेरे साथियों ने बातें रखी हैं कि किस तरीके से शैल कम्पनिज खोल कर। शैल कम्पनिज खोलने का स्पीकर साहब जो पर्पस होता है, टैक्स हेवन कंट्रीज के अंदर ये सेल कम्पनिज खोली जाती हैं। इनमें मोटे तौर पर मनिलांड्रिंग, टैक्स को चोरी करना, इस तरीके से काम किये जाते हैं और ये सारे काम इस कम्पनी में हुए। किस तरीके से पैसे उगवाया गया, किस तरीके के लोगों के पैसे का रिस्क एसबीआई और एलआईसी ने लिया। इस 106 पेज की रिपोर्ट में और उन 88 सवालों ने देश के आगे सारा का सारा अडानी ग्रुप और XXX[1] सरकार की जो मिलीभगत से देश को चूना लगा है, उसका कच्चा चिट्ठा खोलकर रख दिया।

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

स्पीकर साहब फाइनेंसियल लॉस अपनी तरफ है, एक तरफ है, पर जैसे जून साहब ने अभी बताया कि इंडिया टूडे की जो 14 मार्च, 2022 की रिपोर्ट है, जो कहती है कि 3 हजार किलो हिराईन, जिसकी मार्केट वैल्यु लगभग 21 हजार करोड़ बनती है, वो मुद्रा पोर्ट से पकड़ी गयी और जो हमारी एनआईए है, वो स्पष्ट तौर पर कह रही है कि इसका जो संबंध है, वो पाकिस्तानी बेस्ड टेरर ग्रुप से है तो देश की सुरक्षा के लिए भी बहुत बड़ा ये रिस्क है। अगर इन सब चीजों को इग्नोर किया जा रहा है और स्पीकर साहब अब देश जानना चाह रहा है कि इसपर कार्रवाई करेगा तो करेगा कौन, जितनी केन्द्र सरकार है, वो साथ में खुद XXX[1] साहब इनके दिखते हैं। सारी की सारी एक्सक्यूटिव, सारी की सारी एजेंसिज कोई इनपर एक्शन लेने को तैयार नहीं है। मीडिया का एक चैनल था एनडी टीवी, वो इन्होंने खुद खरीद लिया। तो अब करेंगे कैसे? तो जेपीसी की मांग जो चल रही है, बिल्कुल सही चल रही है पर मेरे को लगता है और ज्यादा इनके ऊपर दबाब बनाना चाहिए। जिस तरीके से शेयर गिर रहे हैं ये तो फाइनेंसियल लॉस है, पर जिस तरीके से देश की पूरे देश की अर्थव्यवस्था हिल रही है, वो अपने आप में बहुत ज्यादा एक बहुत बड़ा रिस्क है और देश के इसके बाद जो मैं बता रहा था कि जुलाई, 2022 के अंदर फिर से 375 करोड़ की हेरोईन पंजाब पुलिस ने और गुजरात एटीएस ने मिलकर यहां से सीज की है। पर इन खबरों को ये सारी की सारी

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

ऑपरेशंस को दबा दिया जा रहा है कि कहीं किसी तरीके से चीजें बाहर न आएं और हर तरीके से पूरी की पूरी सरकार लगी है कि किसी तरीके से ये चैप्टर दब जाए। पर मेरे को लगता है कि ये चीज अब दबने वाली नहीं है, जिस तरीके से हमारे नेता अरविंद केजरीवाल जी ने राज्य सभा के अंदर हमारे नेताओं ने और पूरी की पूरी आम आदमी पार्टी ने मुख्य विपक्ष का रोल अदा करते हुए अडानी के इस घोटाले को उठाया है। ये अब रूकने वाला नहीं है और देश इस मामले की एक एक घर तक सच्चाई हम लेके जाएंगे, जनवाएंगे। संझीव भाई के इस प्रस्ताव के साथ में मैं सहमत हूं। मेरे बहुत सारे साथियों ने शेर बोले थे तोशेर मैंने खुद बनाया है अध्यक्ष जी और वे शेर है:-

नापाक इरादों के साथ, जब सत्ता का जोर हो जाता है,

नापाक इरादों के साथ, जब सत्ता का जोर हो जाता है।

तो फिर भाई-बहनों चौकीदार भी चोर हो जाता है।

थैंक्यू सर।

**माननीय अध्यक्ष:** आतिशी जी।

**माननीया शिक्षा मंत्री (श्रीमती आतिशी मार्लिना):** धन्यवाद अध्यक्ष महोदय कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर संझीव झा जी की जो रेजोल्यूशन है, उस पर बोलने का मौका दिया।

अध्यक्ष महोदय, हम एक बहुत अजीबो-गरीब दौर में जी रहे हैं। हमें रोज बोला जाता है। यहां पर सदन में बैठकर हमारे भारतीय जनता पार्टी के साथी भी बोलते हैं कि यशस्वी प्रधानमंत्री XXX[1] जी के दौर में भारत तरक्की कर रहा है। हमें बोला जाता है कि भारत एक सुपर पावर बन रही है। हमें बोला जाता है कि जी-20 के देशों में भारत सैकेंड फास्टेस्ट ग्रोइंग इकोनॉमी है कि दिन दुगुनी रात चौगुनी तरक्की भारत कर रहा है। रोज रोज ये आंकड़े केन्द्र सरकार द्वारा मीडिया द्वारा हमें दिये जाते हैं। लेकिन अध्यक्ष महोदय, इस देश में बहुत सारे और आंकड़े हैं, जो हमारे सामने नहीं रखी जाती हैं। भारतीय जनता पार्टी के हमारे साथी, मीडिया के हमारे साथी, ये तो हमें बता देते हैं कि भारत की इकोनॉमी आगे बढ़ रही है। लेकिन मीडिया के हमारे साथी ये बात नहीं बताते हैं कि जब ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स की, पूरी दुनिया भर की रिपोर्ट आती है, जहां पर 191 देशों में उनकी शिक्षा की व्यवस्था, उनके स्वास्थ्य की व्यवस्था, रोजगार की व्यवस्था, बच्चों को कितना पोषण मिल रहा है, उसकी व्यवस्था को जब आंका जाता है तो 191 देशों में से भारत 132 नंबर पर आता है, ये आज हमें कोई नहीं बता रहा है। कोई हमें ये नहीं बता रहा है कि इस ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स में जो हमारे पड़ोसी देश हैं चाहे भूटान हो, चाहे श्रीलंका हो, चाहे बाग्लादेश हो, ये देश हमसे आगे हैं ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स में, ये

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

देश हमसे आगे है शिक्षा की व्यवस्था में, स्वास्थ्य की व्यवस्था में, रोजगार देने की व्यवस्था में।

हम जब आंकड़े देखने जाते हैं इस देश के तो पता चलता है कि जब हम स्वास्थ्य की व्यवस्था देखते हैं तो पूरे देश में हमें ये पता लगता है कि हर 1 लाख की जनसंख्या पर सिर्फ और सिर्फ 6 आईसीयू के बैड एवेलेबल हैं। जब हम डाक्टरों की संख्या देखने जाते हैं, तो पता चलता है कि 10 हजार लोगों पर सिर्फ 8 डाक्टर एवेलेबल हैं। कुछ दिन पहले अखबार में ये खबर आयी कि मध्यप्रदेश के बैतुर जिले में एक 80 साल का बुजुर्ग अपनी पत्नी को अपनी पीठ पर 65 किलोमीटर उठा कर लेकर गया क्योंकि वहां पर कोई अस्पताल नहीं था अध्यक्ष महोदय। ये तो इस देश के लिए शर्म की बात है कि आजादी के 75 साल के बाद देश की ये हालात है।

हम शिक्षा की व्यवस्था देखने जाते हैंतो पता चलता है कि हर साल एक असल रिपोर्ट आती है, जो बताती है कि देश में 50 परसेंट पांचवी में पढ़ने वाले बच्चे पढ़ना लिखना नहीं जानते। बेराजगारी चरम पर है, जब कोई भी सरकार एक प्यून की, एक पोस्टमास्टर की नौकरी निकालती है, सौ नौकरियों के लिए 10 हजार अप्लीकशंस आती हैं। कोई बी.टेक है, कोई पीएचडी है, कोई बी. कॉम है, कोई एम.कॉम है। आज देश में इतनी बेरोजगारी है कि बी.टेक, पीएचडी करने के बाद भी कोई आठवीं पास वाली नौकरी भी इस देश का युवा करने को तैयार है।

आज अगर हम देखें तो इस साल आंकड़े ये बता रहे हैं कि पहले क्वार्टर में इस देश में पांच करोड़ लोग बेरोजगार हैं। आज हमारी बेरोजगारी, हमारे युवाओं की बेरोजगारी 30 परसेंट पर है।

पोषण की बात देखने जाते हैं तो दुनिया में ग्लोबल हंगर इंडेक्स निकलकर आता है। हम सोचते हैं कि हमारा भारत देश रिकार्ड फुड प्रोडेक्शन करता है। हर साल 30 हजार करोड़ टन से ज्यादा खाना हमारे देश में पैदा होता है, लेकिन आज भी 22 करोड़ से ज्यादा भारतीय लोग कुपोषित हैं।हम दुनिया में 116 में से 101वें नंबर में हैं, ये 75 साल की आजादी के बाद, शर्म की बात है अध्यक्ष महोदय, तो सवाल ये है कि अगर एक तरफ देश की इकोनॉमी बढ़ रही है। जी-20 में हम फास्टेस्ट ग्रोइंग इकोनॉमी हैं। यशस्वी प्रधानमंत्री, XXX[1] जी के नेतृत्व में भारत सुपर पावर बन रहा है तो ये सब कुछ जा कहां रहा है। अगर लोगों के पास शिक्षा नहीं है, स्वास्थ्य नहीं है, रोजगार नहीं हैं, खाना नहीं हैं, अस्पताल का बैड नहीं हैं, डाक्टर नहीं हैं, तो फिर ये देश का पैसा जा कहां रहा है। इस सवाल का जवाब हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने हमें दे दिया है कि इस देश का सारा पैसा जा कहां रहा है।

अध्यक्ष महोदय, जब 2014 में XXX[1] जी प्रधानमंत्री बने थे, तब गौतम अडानी जी की टोटल नेटवर्थ 60 हजार करोड़ थी, 2022 में और मुझे लगता है कि ये दुनिया के इतिहास में किसी की संपत्ति इस दर पर नहीं बढ़ी होगी, मुझे तो लगता है अडानी

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

जी सेकेंड रिचेस्ट व्यक्ति होने के अलावा उनका नाम गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी आना चाहिए कि इतने छोटे समय में फास्टेस्ट ग्रोइंग उनकी वेल्थ है कि 2014 में जो 60 हजार करोड़ की उनकी संपत्ति थी, 2022 में 11.4 लाख करोड़्स की गौतम अडानी जी की संपत्ति है। अब समझ में आता है कि ये जो फास्टेस्ट ग्रोइंग इकोनॉमी है इसका पैसा जा कहां पर रहा है अध्यक्ष महोदय। हमारे प्रधानमंत्री जी देश में, दुनिया में, संसद में कहते हैं कि हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे, लेकिन जब अडानी ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज में मॉरिशस की 6 shell companies जो एक पते पर सारी कंपनियां रजिस्टर्ड हैं, जिसके एम्प्लोयिस का कोई अता-पता नहीं है, जब वो 6 कंपनियां एक एड्रेस से अडानी ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज में 42 हजार करोड़ रूपये का इन्वेस्टमेंट करते हैं तो तब भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई खत्म हो जाती है, तब कोई जेपीसी नहीं बनती है, तब कोई इन्वस्टिगेशन नहीं होता है। और फिर वो ही प्रधानमंत्री XXX[1] जी एलआईसी को डायरेक्शन दिलवाते हैं कि अडानी ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज में इन्वेस्ट करो। एलआईसी में कौन पैसा लगाता है अध्यक्ष जी, इस देश के आम लोग पैसा लगाते हैं। तो एक तरफ एक आम इन्सान के पास शिक्षा की सुविधा नहीं है, स्वास्थ्य की सुविधा नहीं है, खाना नहीं है, रोजगार नहीं है और जब वो एलआईसी में पैसा लगाता है, XXX[1] जी के दोस्त अडानी जी की कंपनी में पैसा लगाता है तो 50 दिन में एलआईसी को

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

50 हजार करोड़ का नुकसान हो जाता है अध्यक्ष महोदय, ये हमारे देश की सच्चाई है। मैं धन्यवाद करना चाहूंगी संजीव झा जी का कि वो ये प्रस्ताव आज विधान सभा में लेकर आये हैं और मैं इस प्रस्ताव का पूरी तरह से समर्थन करती हूं। धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्षः** बहुत-बहुत धन्यवाद। अब चर्चा का उत्तर देंगे माननीय मुख्यमंत्री-श्री अरविंद केजरीवाल जी।

**माननीय मुख्यमंत्री (श्री अरविंद केजरीवाल):** आदरणीय अध्यक्ष महोदय, अभी कुछ दिन पहले बीजेपी का एक बहुत बड़ा नेता मिला मेरे को, उससे काफी लंबी चर्चा हुई मेरी और उसने जो-जो बातें बताई वो इतनी चौंकाने वाली थी कि आप सब सुनोगे तो रोंगटे खड़े हो जायेंगे। उसने मेरे से पूछा कि केजरीवाल जी आपको क्या लगता है XXX[1] जी अडानी की इतनी मदद क्यूं करते हैं, मैंने कहा दोस्त हैं दोनों इसीलिए करते हैं। कहता है बस इसलिए। कहता है XXX[1] जी ने आज तक किसी के लिए कुछ नहीं करा, अपनी वाइफ के लिए कुछ नहीं करा, अपनी मां के लिए कुछ नहीं करा, उनके भाई गुजरात में रहते हैं उनके लिए, किसी रिश्तेदार के लिए कुछ नहीं करा, राजनैतिक गुरू के लिए कुछ नहीं किया। वो अपने दोस्त के लिए इतना कुछ करेंगे, ऐसा कैसे हो सकता है? दोस्त पर इतने मेहरबान क्यूं हैं, ऐसी भी क्या दोस्ती है? आज के जमाने में कौन, कोई भाई के लिए कुछ नहीं करता, दोस्त के लिए कौन करता है? तो मैंने कहा फिर क्या मामला है? कहता है आप खुद

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

सोचो, इतना बड़ा क्राइसिस हुआ, हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई, चारों तरफ थू-थू हुई, पूरा क्रैश कर गया अडानी ग्रुप, XXX[1] जी इतने स्वार्थी आदमी हैं कि अगर केवल मामला दोस्ती तक होता तो 2 मिनट में उसको साइड करते और कहते मेरा कोई लेना देना नहीं इससे। अभी भी उसको बचाने में लगे हुए हैं, कभी एसबीआई को कह रहे हैं इसको पैसे दो, आज अखबार में आया पीएफ वालों को भी बोला इसको पैसे दो, सारी एजेंसी, अभी भी उसको, पूरी तरह से उसको बचाने में लगे हुए हैं। तो मैं भी अचम्भे में रह गया कि मामला तो कुछ अलग ही है। ऐसा भी क्या दोस्त हो गया कि दोस्त डूब रहा है और फिर भी उसको पूरी तरह से उस, इतना बड़ा पॉलिटिशियन हैं, पॉलिटिशियन के लिए तो परसेप्शन सबसे इम्पोर्टेन्ट होती है, कोई आसपास वाला अगर कहीं वो हो तो आदमी कह देता है यार मेरे से मिलना बंद कर दियो कल से। वो उसको अभी भी बचाने में लगे हुए हैं। और उसने मेरे को बताया कि, मैंने कहा फिर मामला क्या है, तो कहता है जी अडानी तो केवल फ्रंट है, अडानी में सारा पैसा XXX[1] का लगा हुआ है। मैंने कहा ये कैसे हो सकता है, ये नहीं हो सकता। कहते हैं अडानी के अंदर सारा पैसा XXX[1] जी का लगा हुआ है, अडानी केवल फ्रट है, अडानी तो केवल XXX[1] जी का पैसा मैनेज करता है, मैनेजर है, उसको 10 परसेंट, 15 परसेंट, 20 परसेंट, इतनी कमिशन मिलती है, बाकी सारा का सारा पैसा XXX[1] जी का लगा हुआ

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

है। अगर कल को जांच हो गई, जेपीसी बैठ गई, ईडी की जांच हो गई, सीबीआई की जांच हो गई तो अडानी नहीं डूबेगा, XXX[1] जी डूबेंगे। जिस दिन अडानी डूबा उस दिन XXX[1] जी डूबेंगे। मैंने कहा यार उनको पैसे की क्या जरूरत है, प्रधानमंत्री जी को, XXX[1] जी को, उनके न आगे कोई, न पीछे कोई, उनको क्या पैसे की जरूरत है? तो कहता है सर पैसे की हवस होती है, लत होती है। कहता है इतने दुनिया में इतने बड़े-बड़े अमीर आदमी हैं उनको कोई अब और पैसे की थोड़ी जरूरत है, लगे पड़े हैं सारे और पैसा, और पैसा, और पैसा, बोला हवस होती है। बोला जिस दिन अडानी दुनिया का सेकंड रिचेस्टमैन बना था, अडानी दुनिया का सेकंड रिचेस्ट मैन नहीं बना था, XXX[1] जी दुनिया के सेकंड रिचेस्ट मैन बने थे और अब XXX[1] जी का ख्वाब है, उनका सपना है कि वो दुनिया के रिचेस्ट मैन बनना चाहते हैं, प्रधानमंत्री तो बन गयें, अब वो दुनिया के रिचेस्टमैन बनना चाहते हैं। फिर उसने मेरे को एक-एक करके, मैं बड़ा, धीरे-धीरे, धीरे-धीरे उसकी बातों पर, पहले तो मैं एकदम शॉक हो गया, ये कह क्या रहा है कि अडानी के अंदर सारा पैसा XXX[1] जी का लगा है, फिर वो धीरे-धीरे उसने एक-एक करके बातें खोलकर समझानी चालू की।

कहता है XXX[1] जी श्रीलंका गयें, श्रीलंका के राष्ट्रपति राजपक्षे हैं, राजपक्षे को मोदी जी ने जबरदस्ती करके वहां का विंड प्रोजेक्ट अडानी को दिलाया, क्यूं दिलाया? मैं आप लोगों से पूछना चाहता

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

हूं, आप में से कोई विदेश जायेगा तो वहां की किसी एजेंसी को जबरदस्ती करके अपने भाई को, रिश्तेदार को ठेका दिलाकर आओगे क्या? ऐसे कोई करता है क्या? XXX[1] जी ने जबरदस्ती राजपक्षे के ऊपर प्रेशर डालकर वहां का विंड प्रोजेक्ट अडानी को दिलाया। अडानी को नहीं दिलाया, खुद लिया वो प्रोजेक्ट, वो XXX[1] जी का प्रोजेक्ट है, वो अडानी का प्रोजेक्ट नहीं है और ये बात कैसे निकली, वहां का जो बिजली बोर्ड है श्रीलंका का, जैसे अपने यहां स्टैंडिंग कमेटी है असेम्बली की, पार्लियामेंट की स्टैंडिंग कमेटी है, वैसे उनकी भी पार्लियामेंट की स्टैंडिंग कमेटी होती है, तो वहां पर पार्लियामेंट की, ये श्रीलंका की पार्लियामेंट की स्टैंडिंग कमेटी ने जब उनके बिजली बोर्ड के चेयरमैन को बुलाया और बोले तुने ये प्रोजेक्ट अडानी को क्यूं दिया, तो उसने कहा जी राजपक्षे साहब ने मेरे को बुलाया था, उन्होंने कहा XXX[1] जी मेरे पर बहुत प्रेशर डाल रहे हैं कि ये प्रोजेक्ट अडानी को दो।

XXX[1] जी बांग्लादेश गयें, बांग्लादेश वालों को बिजली खरीदनी थी, 1500 मेगावाट बिजली, 25 साल के लिए। XXX[1] जी ने वो प्रोजेक्ट भी अडानी जी को दिला दिया। अडानी को नहीं दिलाया, मोदी जी ने वो प्रोजेक्ट खुद लिया, 25 साल तक 1500 मेगावाट बिजली खरीदने का प्रोजेक्ट बांग्लादेश का, वो भी XXX[1] जी ले आयें अपने नाम पर।

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

इजराइल गयें, इजराइल के साथ भारत ने कई सारे रक्षा सौदे किये, रक्षा सौदे, वो सारे के सारे रक्षा सौदे अडानी को दे दिएं। अडानी को नहीं दिएं, XXX[1] जी ने खुद लिये हैं।

अभी 2-3 साल पहले 6 एयरपोर्ट की नीलामी हुई प्राइवेटाइजेशन के लिए, सरकार ने उनकी नीलामी करी भई प्राइवेट प्लेयर आकर लो, उसमें एक कंडीशन थी कि उसी को दिये जायेंगे ये एयरपोर्ट जिसने पहले एयरपोर्ट का काम कर रखा है। हर सरकारी ठेके में होती है। हम सड़क बनाते हैं, कहते हैं भई सड़क, जिसको, ठेकेदार को सड़क बनाने का एक्सपीरियंस है उसी को दिया जाएगा। हम बिल्डिंग बनाते हैं, हम कहते हैं भई ये, पानी के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाते हैं, हम कहते हैं भई जिसने डब्लूटीपी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट इतने, इतने लगा रखे हैं उसी को दिया जाएगा। हम सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाते हैं, हम कहते हैं जिसको 20 साल का एक्सपीरियंस है या 15 साल का है उसी को। इसमें भी ये कंडीशन थी कि जिसने इतने साल तक एयरपोर्ट चलाने का काम कर रखा है उसी को दिया जाएगा। अब XXX[1] जी ने तो कर नहीं रखा था, अडानी ने तो कर नहीं रखा था, तो क्या करते, आखिरी मूवमेंट पर वो कंडीशन हटा दी गई और बोले कोई एक्सपीरियंस की जरूरत नहीं है। 6 एयरपोर्ट नीलामी पर थे, 6 के 6 एयरपोर्ट अडानी को दे दिये। अडाणी को नहीं दिये, XXX[1] जी ने वो खुद 6 के 6 एयरपोर्ट खुद अपने नाम कर लिये। 2021 नवंबर में

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

एयरपोर्ट टेकओवर किये, 2023, डेढ़ साल हुआ है, डेढ़ साल के अंदर आज एयरपोर्ट का 30 परसेंट, पूरे देश का एयरपोर्ट का जितना धंधा है, बिजनेस है उसका 30 परसेंट बिजनेस जो है वो XXX[1] जी के पास है, 30 परसेंट डेढ़ साल के अंदर, इतना बड़ा भारत देश, इतने एयरपोर्ट, 30 परसेंट एयरपोर्ट का बिजनेस आज मोदी जी के पास है। एक और बड़ी इंट्रेस्टिंग चीज हो रही है, ये ईडी और सीबीआई को इस्तेमाल करके बंदूक यहां रखके लोगों की फैक्ट्रियां छीनी जा रही हैं। मतलब 10 अक्टूबर 2018 को कृष्णापट्टनम पोर्ट के ऊपर इनकम टैक्स की रेड हुई और 6 अप्रैल 2020 को डेढ़ साल बाद वो पूरा एयरपोर्ट अडानी ने खरीद लिया। उसके यहां बंदूक रखकर उसको कहा जाता है या तो दे दे और या जेल। तो वो अडानी ने नहीं खरीदा, वो XXX[1] जी के पास चला गया कृष्णापट्टनम एयरपोर्ट। 10 दिसंबर 2020 को एसीसी और अंबूजा सिमेंट पर रेड हुई और दो साल बाद 16 अक्टूबर 2022 को दोनों सीमेंट प्लांट XXX[1] जी के पास चले गए। 2020 जुलाई को मुम्बई एयरपोर्ट का मालिक था जीवीके उसके ऊपर सीबीआई और ईडी की रेड हुई, एफआईआर हुई और एक महीने बाद मुम्बई एयरपोर्ट जो है वो XXX[1] जी के पास चला गया, अडानी के पास चला गया। तो ईडी और सीबीआई से रेड कराते हैं, उसको धमकाते हैं फैक्ट्री वाले को, कंपनी वाले को, कि या तो जेल जा और या तेरी फैक्ट्री हमको दे दे। ये इधर तो सुनते थे हरियाणा की तरफ

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

ये टुच्ची, इधर इसकी फैक्ट्री भी छीन ली, पंजाब में भी सुनते थे इसकी भी फैक्ट्री छीन ली, इसकी भी। पूरे देश के अंदर ये इतनी गुंडागर्दी मची पड़ी है कि ईडी की रेड करा देते हैं, सीबीआई की रेड करा देते हैं, यहां बंदूक रखते हैं और कहते हैं या तो फैक्ट्री दे दे और या जेल जा। ये क्या, चल क्या रहा है इस देश के अंदर। इन्होंने अभी थोड़े दिन पहले ऑर्डर निकाला कि सारे जितने पावर प्लांट हैं, जितनी राज्य सरकारें हैं, पंजाब सरकार की हमारी जो सरकार है उनके पास भी ऑर्डर आया, सारी सरकारों को जितना उनका कोयले की रिक्वायरमेंट है उसमें से 10 परसेंट कोयला इम्पोर्टेड इस्तेमाल करना पड़ेगा और इम्पोर्ट केवल XXX[1] जी करते थे, अडानी करता था, तो इसका मतलब आपको 10 परसेंट अपना कोयला compulsory जरूरत नहीं है आपको कोयले की, लेकिन 10 परसेंट कोयला आपको अडानी से खरीदना पड़ेगा। हमारे देश का कोयला 2 हजार रुपये टन है, इंपोर्टेड कोयला 20 हजार रुपये टन है। दस गुना दाम के ऊपर आपको अडानी से यानी की XXX[1] जी से कोयला खरीदना पड़ेगा। इन्होंने सुप्रीम कोर्ट का एक. जब कोयला घोटाला हुआ था अपने देश के अंदर तो सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि अब कोयले की खदानें किसी भी प्राइवेट वाले को नहीं दी जाएंगी, सारी खदानें सरकारें, तो इन्होंने कुछ खदानें राजस्थान सरकार को दे दी, कुछ खदानें छत्तीसगढ़ सरकार को, कुछ खदानें पंजाब सरकार को, सरकारों में बाँट दी। बाकी पूरे

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

देश में इस केवल राज्य सरकारों के पास खदानें हैं, केवल अडानी के केस में उन्होंने एक्सेप्सन करके अडानी को कोयले की खदानें दे दीं और उसमें भी ऑर्डर कर दिया कि 4 हजार कैलोरी से कम वाला कोयला जो है उसको रिजेक्टेड माल माना जाएगा, जबकि वो सबसे अच्छा कोयला माना जाता है और वो रिजक्टेड माल इसको फी में मिलता है। तो कम से कम 2800 करोड़ रुपये का कोयला हर साल फी में XXX[1] जी ले जाते हैं, 2800 करोड़ रुपये का कोयला हमारी खदानों से हर साल XXX[1] जी निकाल कर ले जाते हैं। 2014 में अभी जो आतिशी जी ने कहा 2014 में अडानी जी की यानी कि XXX[1] जी की जायदाद 50 हजार करोड़ की थी, 7 साल बाद इनकी जायदाद हो गयी साढ़े ग्यारह लाख करोड़, मोदी जी इतना पैसा लेकर कहां जाओगे। साढ़े ग्यारह लाख करोड़ रुपये की जायदाद, सात साल में इतना लूट लिया आपने देश को 2014 में 609 नंबर पर थे अब ये सेकण्ड रिचेस्ट बन गये हैं। अब रिचेस्ट बनना चाहते हैं ये तो, लेकिन कुदरत कुदरत है कुदरत तो बड़ी ताकतवर है। किसने सोचा था एक दिन हिंडनबर्ग रिपोर्ट आएगी और 24 घंटे के अंदर सारा तहस नहस हो जाएगा। 1947 से लेकर 2014 तक 67 साल में भारत देश ने सारी सरकारें जितनी आई सबने मिलकर 55 लाख करोड़ रुपये का कर्जा लिया था भारत सरकार ने, 2014 से 2022 सात साल के अंदर 85 लाख करोड़ रुपये का कर्जा ले लिया दुगने से भी ज्यादा, जितना

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

सड़सठ साल में लिया था उतना 7 साल में ले लिया, ये पैसा गया कहां, ये पैसा गया कहां? ये सारा इनकी जेब में गया। तो मैं जनता को कहना चाहता हूँ आप तो जीएसटी देते हो, अपने बच्चों का पेट काटकर टैक्स देते हो दूध पर, दही पर, हर चीज पर जीएसटी देते हो, वो जीएसटी का पैसा जाता है, जनता की उसमें खजाने में, वहां से वो जाता है अडानी के खजाने में और वहां से वो जाता है XXX[1] जी के खजाने में। दोनों हाथों से लूट मची हुई है, पूरे देश को लूट रहे हैं प्रधानमंत्री जी, XXX[1] जी पूरे दोनों हाथों से लूट रहे हैं, कोयला लूट रहे हैं, एयरपोर्ट लूट रहे हैं, सड़कें लूट रहे हैं, बिजली लूट रहे हैं, पानी लूट रहे हैं, कुछ नहीं छोड़ा सबकुछ लूट रहे हैं, जितना कांग्रेस ने 75 साल में नहीं लूटा उससे 10 गुना इन्होंने 7 साल के अंदर 8 साल के अंदर लूट लिया देश को। अडानी का क्या रोल है इसमें XXX[1] जी कम पढ़े लिखे हैं उनको समझ नहीं है कि करना क्या है? अडानी आकर बताता है पैसा यहां लगा लो, इस देश में चलते हैं, वहां की ये कंपनी खरीद लेते हैं। ईडी को और सीबीआई को इसके पीछे लगा दो। वो सारा मैनेजमैंट करता है। दिमाग उसका, पैसा XXX[1] जी का। उसके बदले में उसको पता नहीं 10 परशेंट, 15 परशेंट, 20 परसेंट कितनी कमीशन मिलती है, लेकिन दिमाग सारा अडानी का है और मेरे को ज्यादा चिंता इस बात की है अध्यक्ष महोदय, प्रधानमंत्री जी कम पढ़े लिखे हैं उनको कम समझ में आता है। लोग आकर

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

उनको कुछ ना कुछ, कुछ ना कुछ कहीं भी जाते हैं या कोई विदेश से आता है, उसके जो भी विदेश से नेता आता है या कहीं जाते हैं तो 2 ही कंडीशन होती है, एक तो उसको कहते हैं भई गले मिल ले, तो फोटो खिंचा ले, गले मिल ले, फोटो खिंचा ले, पार्क में घूम ले, तो वो फोटो खिंचाने के लिए उसको कहा जाता है कि भई फोटो खिंचा ले, फोटो खिंचाने के और दूसरा उसको कहा जाता है कि भई अडानी को ये ठेका दे दे, अडानी को ये ठेका दे दे और कोई किसी, कईयों को कहते हैं तारीफ कर दे, कुछ-कुछ नेता आकर कहते हैं ना XXX[1] जी तो दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता है, अरे उसने क्या लेनादेना XXX[1] जी दुनिया के सबसे लोकप्रिय, वो आकर क्यों कह रहा है? बदले में वो देश, ये जो गोरे हैं ना बहुत चतुर हैं, बहुत चालाक हैं, ये ऐसे इतने भोले भाले नहीं हैं कि यहां पर आये और कह गये XXX[1] जी दुनिया के। वो पता नहीं किस-किस चीज पर साइन कराकर ले जाते हैं। पता ही नहीं चलता बदले में क्या साइन कराकर ले जाते हैं। ये ही हुआ था सत्रहवीं अठारहवीं सदी के अंदर हमारे देश में। वो ईस्ट इंडिया कंपनी वाले आते थे उस टाइम के हमारे राजे महाराजे भी ऐसे ही अनपढ़ होते थे, उनको कुछ अकल होती नहीं थी, उनके दरबार में आते थे, उनकी तारीफ करते थे, खूब तारीफ करते थे और पता नहीं किस-किस चीज पर साइन करा कर ले गए। सौ साल के अंदर पूरा देश अंग्रेजों ने कब्जा कर लिया, वो ही हाल

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

अब हो रहा है अपने देश का कि हमारे कम पढ़ेलिखे प्रधानमंत्री हैं, पैसे की हवस है और मतलब जो भी आता है दो लाइन उनके उसमें बोल दे, गले मिल ले, पार्क में घूम ले, अडानी को दो कंपनियों का ठेका दे दे, बदले में पता नहीं देश का क्या-क्या बेच दिया इन लोगों ने। बहुत चिंता है हम लोगों को देश की इस वक्त जिस दौर से देश गुजर रहा है, मुझे लगता है कि आजादी के बाद से सबसे भ्रष्ट प्रधानमंत्री अगर कोई हुए हैं जिन्होंने देश को इतना लूटा है तो वो आज मौजूदा प्रधानमंत्री हैं और उसके ऊपर कम पढ़ेलिखे हैं, उनको कुछ पता नहीं, कोई कुछ भी उनसे साइन कराकर ले जाता है, किसी को कुछ पता नहीं चलता। मैं संजीव झा के प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

**माननीय अध्यक्षः** संकल्प पारित करना, अब श्री संजीव झा माननीय सदस्य द्वारा प्रस्तुत संकल्प सदन के सामने है,

जो इसके पक्ष में हैं वे हां कहें,

जो इसके विरोध में हैं वो ना कहें।

हां पक्ष जीता, हां पक्ष जीता।

(सदस्यों के हां कहने पर)

संकल्प स्वीकार हुआ।

अब सदन की कार्यवाही बुधवार दिनांक 29 मार्च 2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। माननीय सभी सदस्यों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

**(सदन की कार्यवाही 29 मार्च, 2023 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)**

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।